सुप्रभात
रांची, गुरुवार
15.05.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, तृतीया, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 299 | 12

रेड कार्पेट पर उर्वशी रौतेला का जलवा

न्यूज डायरी

यूपीएससी के अध्यक्ष बने पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार

नयी दिल्ली। पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने मंगलवार यह जानकारी दी।

जेएनयू ने तुर्की यूनिवर्सिटी से तोड़ा समझौता

नयी दिल्ली। जेएनयू ने तुर्की के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ किया गया शैक्षणिक समझौता समाप्त कर दिया है। यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों के आधार पर लिया गया है।

सीसीएल के सेफ्टी अफसर 10 हजार घूस लेते गिरफ्तार

रांची। झारखंड में सीबीआई की टीम ने बुधवार को रामगढ़ स्थित सीसीएल के सिरका कोलियरी में छापेमारी कर सीसीएल के सेफ्टी अफसर राजेंद्र प्रसाद को 10 हजार रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ़्तार किया। कोलियरी के जगदीश तांती के कर्मचारी ने सीबीआई को लिखित शिकायत की थी।

सरकारी स्कूलों में 22 से 4 जून तक गर्मी की छुट्टी

रांची। झारखंड सरकार ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की घोषणा कर दी है। ये छुट्टियां 22 मई से शुरू होकर 4 जून तक चलेंगी। विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि मौसम की स्थिति गंभीर होने पर स्थानीय उपायुक्त के आदेश पर स्कूलों की छुट्टियां आगे बढ़ायी जा सकती है। उसकी भरपायी रविवार या अन्य छुट्टी वाले दिन स्कूल खोलकर की जाएगी, ताकि सिलेबस समय पर पूरा हो सके।

बिना वीजा भारत में हो रही घुसपैठ : बजरंग बागड़ा

रांची। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने कहा कि देश के अंदर विदेशी बिना वीजा के घुसपैठ कर रहे हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार इनको चिन्हित कर कार्रवाई करे तथा उनको इस देश से वापस भेजे। विदेशी को देश में आने के लिए वीजा कानून बना हुआ है। उसका पालन सख्ती से हो। उन्होंने झारखंड में लैंड जिहाद पर कहा कि जिहादी कानून का गलत प्रयोग कर जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

सर्वोच्च कमांडर ने सेना की वीरता को सराहा

नयी दिल्ली। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की वीरता, समर्पण और सफलता की सराहना की। सीडीएस जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात कर ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी। जनरल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह तथा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने राष्ट्रपति को पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की जानकारी दी।

कार्टून कोना

गला सूखा तो भारत से लगायी रहम की गुहार

पत्र लिखकर सिंधु के पानी के लिए गिड़गिड़ाया पाकिस्तान

एजेंसी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान ने सिंधु जल समझौते को बहाल करने के लिए फिर से भारत से गुहार लगायी है। पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय ने भारत के जल शक्ति मंत्रालय को औपचारिक पत्र लिखकर गुहार लगायी है कि सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले पर पुनर्विचार करें। पड़ोसी देश के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैय्यद अली मुर्तुजा ने चिट्ठी लिखकर यह अनुरोध किया है। पाकिस्तान का कहना है कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि को बहाल नहीं किया तो पाकिस्तान में जल संकट बड़ा रूप ले सकता है।

भारत ने नहीं सुनी पाक की गुहार

भारत सरकार ने पाकिस्तान की अपील को ठुकरा दिया है। सूत्रों के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान की किसी भी दलील पर कोई हमदर्दी नहीं दिखायी है।

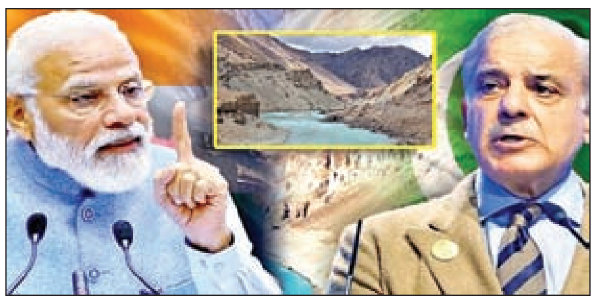

बता दें कि पीएम मोदी ने दो दिन पहले ही राष्ट्र के नाम संबोधन में साफ कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उनके इस बयान ने यह साफ कर दिया कि भारत सरकार का रुख पूरी तरह से सख्त है। अब भारत आतंकवाद, बातचीत, व्यापार और पानी के मसलों को एक साथ नहीं चलने देगा। पाकिस्तान ने दुनिया के कई देशों के सामने हाथ जोड़कर अपील की। उसे कहीं से कोई राहत नहीं मिली। अंत में अब वह भारत से ही सिंधू जल संधि को बहाल करने की गुहार लगाने लगा है। पाकिस्तान की तरफ से ये चिट्ठी तब आयी है, जब एक दिन पहले ही विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि ये संधि स्थगित रहेगी।

पहले आतंकवाद को पालना बंद करे : केंद्र सरकार ने तब तक इस संधि को स्थगित रखने का फैसला किया है, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता।

भारत खुद इस्तेमाल करेगा पानी : भारत सरकार अब सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के पानी का अपने लिए उपयोग करने की योजना पर काम कर रही है। इन योजनाओं के जरिए भारत कृषि, बिजली और घरेलू जल आपूर्ति के लिए इस पानी का इस्तेमाल करेगा, जो पहले पाकिस्तान को मिलता था।

भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिन्थिया मेककेफरी सीएम से मिलीं

बच्चों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : हेमंत सोरेन

प्रतिबद्धता

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को आवासीय कार्यालय में यूनिसेफ की भारत में प्रतिनिधि सिन्थिया मेककेफरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने झारखंड में बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यों एवं गतिविधियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने बाल अधिकारों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए बेहतर माहौल बनाने के लिए राज्य सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने यूनिसेफ के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

हर क्षेत्र में बच्चों को आगे बढ़ने का किया जा रहा प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे राज्य के बच्चे हर क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ें, इसके लिए कई योजनाएं चलायी जा रही है। जब तक बच्चे स्वस्थ और सुरक्षित नहीं रहेंगे, तब तक उनके विकास की बात नहीं हो सकती है। यही वजह है कि हमारी सरकार बच्चों में कुपोषण और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है। सीएम ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ को सरकार की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से इस राज्य के बच्चों को बेहतर जीवन देने का प्रयास किया जायेगा। इस मौके पर यूनिसेफ, झारखंड की प्रमुख कननिका मित्रा और कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट आस्था अलंग भी मौजूद थीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आयोजित समारोह में पद की दिलायी शपथ

न्यायमूर्ति बीआर गवई बने उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश

एजेंसी

नयी दिल्ली। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह इस वर्ष 23 नवंबर तक इस पद पर रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश और कुछ पूर्व न्यायाधीश समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई की पत्नी, मां तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। शपथ ग्रहण करने के बाद सबसे पहले उन्होंने अपनी मां के पैर छुए।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर न्यायमूर्ति गवई को मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश केंद्र सरकार से की थी। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 साल है।

बता दें कि न्यायमूर्ति गवई का मुख्य न्यायाधीश बनना शीर्ष अदालत के इतिहास में मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वह पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी. बालकृष्णन के बाद इस पद पर पहुंचने वाले अनुसूचित जाति समुदाय से दूसरे व्यक्ति हैं। न्यायमूर्ति गवाई जाने-माने राजनीतिज्ञ, प्रमुख अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद एवं कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके आरएस गवई के पुत्र हैं।

बीएसएफ जवान 22 दिनों के बाद पाक की हिरासत से हुआ मुक्त

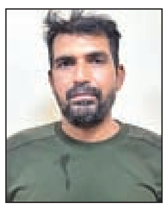

कोलकाता। पाकिस्तान की हिरासत में 22 दिनों तक रहने के बाद बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार साव बुधवार सुबह स्वदेश लौट आए। जैसे ही अटारी सीमा पार कर उन्होंने भारतीय जमीन पर कदम रखा, पूरे देश ने राहत की सांस ली। इस बीच सबसे भावनात्मक क्षण वह था, जब जवान ने अपने कार्यस्थल पठानकोट से पत्नी रजनी को वीडियो कॉल किया। एक ओर चेहरे पर लंबी दाढ़ी, थकी-हारी आंखें और दूसरी ओर पत्नी की आंखों से फूट पड़ा दर्द।

हुगली जिले के पूर्णम कुमार को बुधवार सुबह 10:30 बजे अटारी-वाघा सीमा के जरिए भारत को सौंपा गया। उसके बाद उन्हें तुरंत पठानकोट भेजा गया। बीएसएफ के बंगाल स्थित अधिकारियों ने बताया कि पूर्णम की मेडिकल जांच और कुछ अन्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें उनके परिवार के पास भेज दिया जाएगा।

डाकघर में शराब पीने पर तीन कर्मचारी निलंबित, एक बर्खास्त

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के टाटानगर पोस्ट ऑफिस में ड्यूटी के दौरान खुलेआम शराब पीने की घटना पर डाक विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि एक अन्य कर्मचारी को ड्यूटी से हटा दिया गया है। इस मामले के मीडिया में उजागर होने और केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से संज्ञान लेने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

जांच के बाद हुई कार्रवाई : वरीय डाक अधीक्षक परमानंद कुमार के निर्देश पर एएसपी (वेस्ट) परीक्षित सेठ ने इस मामले की जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद एलएसजी डाक सहायक नितेश कुमार, ओवरसियर अमित कुमार ठाकुर और नाइट गार्ड जितेन्द्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही जीडीएस बीपीएम सूरज कुमार साहू को भी ड्यूटी से हटा दिया गया है।

तीन मई की रात हुआ था मामला उजागर : उक्त घटना 3 मई की रात की है, जब टाटानगर पोस्ट ऑफिस परिसर में डाक कर्मचारी कथित रूप से परिसर के भीतर खुलेआम शराब का सेवन करते हुए पाए गए। इस संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए थे।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में आते ही डाक विभाग ने ऐसी अनुशासनहीनता को गंभीर सेवा उल्लंघन मानते हुए स्पष्ट किया कि कार्यालय परिसर में इस प्रकार का आचरण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने की बात दोहराई है।

सात करोड़ नकद व एक किलो सोना लूटकांड में नक्सली कुंदन पाहन बरी

रांची। बहुचर्चित सात करोड़ नकद के साथ एक किलो सोना लूटने से जुड़े 17 साल पुराने मामले में ट्रायल फेस कर रहा आरोपी जेल में बंद नक्सली कुंदन पाहन को अदालत ने पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। अपर न्यायायुक्त आनंद प्रकाश की अदालत ने बुधवार को उक्त मामले में फैसला सुनाया। आरोपी पर लगे आरोप को साबित करने के लिए अभियोजन पक्ष ने दो आईओ समेत 6 गवाहों को अदालत में प्रस्तुत किया था, लेकिन आरोप साबित नहीं किया जा सका। जांच अधिकारी ने अदालत के समक्ष कहा कि लूटी गईयी कोई सामग्री बरामद नहीं हो सकी है। इसका लाभ आरोपी को मिला। आईसीआईसीआई एटीएम कैश वैन लूट की घटना को अंजाम तमाड़ थाना क्षेत्र में 21 मई 2008 को दिया गया था। बता दें कि लूट की घटना तब हुई थी जब जमशेदपुर से रांची के लिए चली वैन तमाड़ के सुप्रिया ढ़ाबा के निकट रूकी। वैन के गन मैन शौच के लिए गया। उसी समय अपराधियों ने फायरिंग करके घटना को अंजाम दिया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा की तिरंगा यात्रा

झारखंड के अधिकारी अब इनोवा क्रिस्टा होंडा सिटी और बोलेरो पर करेंगे सवारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने कई विभागों के लिए इनोवा क्रिस्टा, होंडा सिटी और बोलेरो खरीदने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासी पदवर्ग समिति की बैठक में इसकी अनुशंसा की गयी है। सूचना जनसंपर्क विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव व सचिव के लिए इनोवा क्रिस्टा या होंडा सिटी खरीदने की अनुशंसा की गयी है। इसके अलावा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, निदेशालय व क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए बाह्य स्त्रोत से कुल 38 वाहन रखे जाने की भी अनुशंसा की गयी है।

वाणिज्य कर विभाग के लिए होंडा सिटी : वाणिज्य कर विभाग के सचिव के लिए होंडा सिटी खरीदने की स्वीकृति दी गयी है। समिति ने अनुशंसा की है कि वर्तमान में उपयोग में लायी जा रही मारुति सियाज का सेवा काल समाप्त होने के बाद, वाहन का क्रय किया जाये। वहीं गृह विभाग ने झारखंड पुलिस के आठ टाटा सफारी पीसीआर/हाईवे पेट्रोल वाहनों के विरूद्ध आठ नये बोलेरो खरीदने की अनुशंसा की है।

झारखंड में जून के पहले या दूसरे सप्ताह में पहुंचने की उम्मीद

बंगाल की खाड़ी पहुंचा मॉनसून 27 मई को केरल में देगा दस्तक

मौसम पूर्वानुमान

एजेंसी

तिरूवनंतपुरम। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बुधवार को बंगाल की खाड़ी पहुंच गया। यह 27 मई को केरल में दस्तक देगा। मॉनसून ने मंगलवार को निकोबार द्वीप समूह पर दस्तक दी थी। हर साल 22 मई के आसपास अंडमान में प्रवेश करने वाला मॉनसून इस साल नौ दिन पहले आया है।

मौसम विभाग ने कहा कि अंडमान सागर के ऊपर चक्रवात जैसी स्थिति बन रही है। इससे 16 से 22 मई के बीच कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है, जो 23 से 28 मई के बीच साइक्लोन शक्ति का रूप ले सकता है। अगर यह साइक्लोन बनता है, तो 24 से 26 मई के बीच ओड़िशा, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटीय इलाकों पर असर डाल सकता है।

इधर, मौसम विभाग ने बिहार-छत्तीसगढ़ समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। गुजरात, असम समेत 9 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं, झारखंड और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर गर्मी बढ़ सकती है और यहां उमस की संभावना है।

16 मई : छत्तीसगढ़, झारखंड, ओड़िशा और पश्चिम बंगाल में तेज आंधी और बारिश का असर बना रहेगा।

17 मई : मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में मौसम खराब बना रहेगा। ओड़िशा में भी गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। संभावना है कि इन जगहों पर तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

रिजल्ट के बाद कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को होगा लाभ

तनावपूर्ण समय में विद्यार्थियों के लिए हेल्पलाइन व मुफ्त परामर्श सेवा शुरू

सीबीएसई

एजेंसी

नयी दिल्ली। कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा के परिणामों के बाद छात्रों को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से सीबीएसई ने मुफ्त में मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाओं के दूसरे चरण की शुरूआत की है। यह हेल्पलाइन 13 मई से शुरू हो चुकी है और 28 मई 2025 तक उपलब्ध रहेगी।

सीबीएसई ने इस तनावपूर्ण समय में छात्रों और उनके परिवारों की मानसिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है। सीबीएसई परिणाम 2025 की मार्कशीट छात्र अपने रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल कोड और जन्म तिथि जैसी लॉगिन जानकारियों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

टेली-काउंसलिंग सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक: छात्र और अभिभावक 1800-11-8004 पर कॉल करके तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन और अन्य परीक्षा-संबंधित समस्याओं पर तुरंत सलाह प्राप्त कर सकते हैं। टेली-काउंसलिंग सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक भारत और विदेशों में स्थित सीबीएसई स्कूलों के 65 प्रशिक्षित विशेषज्ञ जिनमें प्राचार्य, काउंसलर और विशेष शिक्षक शामिल हैं, दूरभाष पर मार्गदर्शन देंगे। छात्र इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए सीबीएसई वेबसाइट के काउंसलिंग अनुभाग में जा सकते हैं।

यह सराहनीय पहल ऐसे समय में की गई है जब छात्र न केवल अपने बोर्ड परिणामों पर चिंतन कर रहे हैं, बल्कि सीईयूटी, जेईई, और नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे हैं। सीबीएसई की यह परामर्श सेवा यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि छात्रों की भावनात्मक भलाई उनके शैक्षणिक सफर के अगले चरण में भी प्राथमिकता बनी रहे।

कल्याण मंत्री ने जिला स्कूल परिसर में संचालित आकांक्षा कार्यक्रम का किया औचक निरीक्षण

मेधावी आदिवासी छात्रों को इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी करायेगी सरकार : चमरा लिंडा

- एसटी/एससी समाज के बच्चे- बच्चियों में प्रतिभा की कमी नहीं
- जुलाई 2025 के प्रथम सप्ताह से कोचिंग की होगी शुरुआत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिण्डा ने कहा कि कल्याण विभाग 10वीं एवं 12वीं पास मेधावी आदिवासी छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी कराएगा। उक्त बातें कल्याण मंत्री श्री लिण्डा ने बुधवार को रांची के जिला स्कूल परिसर में संचालित किए जा रहे आकांक्षा कार्यक्रम का औचक निरीक्षण करने के उपरांत कही। उन्होंने कहा कि आदिवासी छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा मिलने पर वे इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सरलता से सफल हो सकते हैं। विभाग इस निमित्त व्यापक तैयारी करेगा।

उन्होंने कहा कि जब आदिवासी समाज के विद्यार्थी क्वालिटी एजुकेशन प्राप्त करेंगे तभी हर क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। आदिवासी समाज के बच्चे-बच्चियों में काफी प्रतिभा है, जरूरत है कि हम सभी लोग मिलकर उनकी प्रतिभा को तराशने का काम करें। हमारे एसटी/एससी समाज के विद्यार्थियों के अंदर असीम संभावनाएं दिखती हैं। कई क्षेत्रों में हमारे बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन भी किया है।

जुलाई 2025 के प्रथम सप्ताह से निःशुल्क कोचिंग की होगी शुरुआत : श्री लिण्डा ने कहा कि वर्तमान वर्ष से आकांक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत वैसे आदिवासी छात्र-छात्राएं जो मेधावी हैं, उनका चयन कर, उन्हें विशेष रूप से निःशुल्क कोचिंग प्रदान कर इंजीनियरिंग और मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। मंत्री चमरा लिण्डा ने कहा कि आईसीएससी एवं सीबीएसई बोर्ड के रिजल्ट आ गए हैं। राज्य के जैक बोर्ड का रिजल्ट भी आने ही वाला है, इसके बाद बच्चों से आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों में से मेधावी छात्र-छात्राओं का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जुलाई 2025 के प्रथम सप्ताह से कोचिंग प्रारंभ हो जाए, इसकी तैयारी विभाग द्वारा की जा रही है।

आकांक्षा परिसर के भ्रमण के मौके पर कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, रांची जिला के कल्याण प्रोजेक्ट डायरेक्टर संजय कुमार भगत तथा आकांक्षा कार्यक्रम के प्रभारी संयोजक वीके सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

कृषि को विज्ञान और व्यापार के नजरिए से देखने की जरूरत : शिल्पी नेहा तिर्की

- मंत्री ने कहा, सामूहिक प्रयास से ही कृषि के क्षेत्र में बड़ा बदलाव संभव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में एग्रो वैल्यू चेन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पशुपालन निदेशालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कृषि विभाग और ग्रांट थार्नटन भारत एलएलपी ने संयुक्त रूप से इस कार्यशाला को आयोजित किया। कार्यशाला में प्रगतिशील किसान और एफपीओ से जुड़े किसानों ने भाग लिया। एक दिवसीय कार्यशाला का उदघाटन कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर कहा कि कृषि को विज्ञान और व्यापार के नजरिए से देखने की जरूरत है। जब तक नजरिया नहीं बदलेगी तब तक कृषि में बदलाव संभव नहीं है। आज लोग कृषि विभाग में कुछ हलचल होने की बात खुद से स्वीकार कर रहे हैं। अब लोगों को कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी मिल रही है। राज्य के लोगों को कृषि विभाग से काफी अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले एफपीओ की चर्चा नहीं होती थी। आज एफपीओ से 3 हजार से 14 हजार तक महिला और पुरुष जुड़े हुए हैं। सामूहिक प्रयास से बहुत कुछ किया जा सकता है। कृषि के क्षेत्र में जो उत्पादन हो रहा है, उसे बाजार से कैसे जोड़ें, इस पर काम हो रहा है। व्यवस्था में हमेशा सुधार होते रहना चाहिए। इसके साथ ही नीतिगत रूप से भी आगे बढ़ने की आवश्यकता है। लाह की खेती में झारखंड सबसे आगे है पर लाह उत्पादन से जुड़े किसानों को कैसे सही मूल्य मिले, ये सुनिश्चित करना होगा।

इस मौके पर हजारीबाग के बड़कागांव के एफपीओ को 6 लाख 59 हजार का ग्रांट दिया गया। कार्यशाला में विभागीय सचिव अबू बक्कर सिद्दीख, कृषि निदेशक ताराचंद, रिशु रवि, प्रो. वी. पदमानंद और अन्य मौजूद थे।

तिरंगा यात्रा पर सियासी घमासान, कृषि मंत्री ने बीजेपी को घेरा

रांची। झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने तिरंगा यात्रा को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की भावना को राजनीति से जोड़ना सही नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर भारत की शान है, लेकिन इसका राजनीतिकरण करना उचित नहीं है। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जब कोई राजनीतिक पार्टी बैनर पोस्टर में ऑपरेशन सिंदूर को छपवाने लगती है और झंडा लेकर घूमने लग जाती है, तो यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना की शान बताते हुए इसका राजनीतिक प्रचार करना बिल्कुल भी उचित नहीं है।

सरकार गांवों के विकास को लेकर पूरी तरह गंभीर है : दीपिका पांडे सिंह

- मंत्री ने की गांवों के विकास योजनाओं की समीक्षा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में गांवों की तरक्की से जुड़ी कई बड़ी योजनाओं पर चर्चा हुई। खासतौर पर मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, सुदृढ़ीकरण योजना और ग्राम सेतु योजना की प्रगति को लेकर गहराई से समीक्षा की गयी। बैठक में जेएसएलपीएस की सीईओ कंचन सिंह भी मौजूद रहीं। उन्होंने बताया कि किस तरह जेएसएलपीएस गांव-गांव तक योजनाओं को पहुंचाने और महिलाओं के आजीविका समूहों को मजबूत करने का काम कर रहा है।

बैठक में यह बात साफ हुई कि गांवों में सड़क और पुल जैसी जरूरी सुविधाओं को जल्द से जल्द तैयार किया जायेगा, ताकि लोगों को आने-जाने में दिक्कत न हो और विकास का फायदा सीधा आम लोगों तक पहुंचे। दीपिका पांडे सिंह ने अफसरों को निर्देश दिया कि सभी योजनाएं समय पर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी हों। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के विकास को लेकर पूरी तरह गंभीर है और इसके लिए हर जरूरी कदम उठाये जाएंगे।

स्कूली शिक्षा विभाग में अफसरों के 147 पद होंगे सृजित

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासी पदवर्ग समिति की बैठक में की गई पद सृजन की अनुशंसा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग में कुल 147 पद सृजन करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासी पदवर्ग समिति की बैठक में पद सृजन की अनुशंसा की गई है। इसमें कहा गया है कि सृजित पदों के लिए झारखंड अवर शिक्षा सेवा नियमावली, 2023 द्वारा स्वीकृत पे-लेवल (वेतनमान/ ग्रड पे) अंतिमरूपेण प्रभावी होगा।

जैक में डिप्टी सेक्रेट्री के दो पद होंगे स्वीकृत

झारखंड अधिविद्य परिषद् (जैक) में डिप्टी सेक्रेट्री के दो पदों के सृजन की अनुशंसा की गई है। सहायक शिक्षा अधीक्षक (स्थापना एवं विधि अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए सबसे अधिक 48 पदों के सृजन की अनुशंसा की गई है।

वहीं, सहायक शिक्षा अधीक्षक (आधारभूत संरचना अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए 24, सहायक शिक्षा पदाधिकारी (स्था. एवं विधि अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए 24 और सहायक शिक्षा पदाधिकारी (आधारभूत संरचना अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए 24 पद सृजन की अनुशंसा की गई है।

ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी की बैठक 21 को

- बैठक में सीएनटी और पेसा सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर की जाएगी चर्चा
- बैठक में टीएसी के सदस्य और प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी की भूमिका पर भी रहेगी सबकी नजर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने 21 मई को ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी (टीएसी) की बैठक बुलाई है। यह बैठक लगभग डेढ़ साल बाद आयोजित की जा रही है। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिनमें सीएनटी, पेसा, लुगुबुरू स्थित डीवीसी का हाईडल प्रोजेक्ट और अन्य मुद्दे शामिल हैं। इस बैठक में टीएसी के सदस्य और प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी की भूमिका पर भी सबकी नजर रहेगी। उनकी उपस्थिति और राज्य सरकार के एजेंडे पर उनके रुख से काफी कुछ स्पष्ट होगा।

पिछली बैठक के एजेंडे पर होगी चर्चा : जानकारी के अनुसार, 21 मई को प्रोजेक्ट भवन में होने वाली बैठक में पिछली बैठक के एजेंडों पर चर्चा की जाएगी। इसमें पेसा कानून को राज्य में लागू करना, वनाधिकार अधिनियम के आदिवासी विरोधी प्रावधानों पर विचार करना और सीएनटी के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

टीएसी के सदस्य और पदाधिकारी : टीएसी के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा उपाध्यक्ष हैं। इसके अलावा बाबूलाल मरांडी, आलोक सोरेन, लुईस मरांडी, संजीव सरदार, चंपाई सोरेन, सोनाराम सिंकू, जगत मांझी, दशरथ गगराई, सुदीप गुड़िया, राम सूर्या मुंडा, राजेश कच्छप, जिगा सुसारन होरो, नमन विक्सल कोंगारी और रामचंद्र सिंह विधायक के रूप में टीएसी के सदस्य और जोसाई मार्डी और नारायण उरांव मनोनीत सदस्य हैं।

लुगुबुरू में हाईडल प्रोजेक्ट पर भी विचार

लुगुबुरू में डीवीसी द्वारा बनाए जाने वाले हाईडल प्रोजेक्ट पर भी विचार किया जाएगा। आदिवासियों के इस धार्मिक स्थल पर हाईडल प्रोजेक्ट के निर्माण का आदिवासी समाज और उससे जुड़े संगठन विरोध कर रहे हैं।

भाजपा की तिरंगा यात्रा, देशभक्ति नहीं, राजनितिक नौटंकी है : ऋषीकेश सिंह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। देशभक्ति का लबादा ओढ़कर भाजपा एक बार फिर अपनी पुरानी सांप्रदायिक चालों पर उतर आई है। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर देशभर में निकाली जा रही तिरंगा यात्रा दरअसल तिरंगे की आड़ में राजनीतिक नौटंकी और आगामी चुनाव को ध्रुवीकरण के जरिये जीतने की कोशिश है। भाजपा बताये, क्या तिरंगा यात्रा का मकसद वाकई देशप्रेम है या सिर्फ. ध्रुवीकरण और ओछी राजनीति का हथकंडा? जनता अब जान चुकी है जब-जब चुनाव आता है, भाजपा को तिरंगा याद आता है। तिरंगा किसी पार्टी की जागीर नहीं है। यह भारत की आत्मा है और इस आत्मा को भाजपा झूठे राष्ट्रवाद का दिखावा करके कलंकित करना चाहती है। कांग्रेस हर मंच पर भाजपा की इस तिरंगा यात्रा की आड़ में राजनीतिक नौटंकी का पर्दाफाश करेगी। देश में 26 नागरिकों की धर्म पूछ कर निर्मम हत्या कर दी गई, पूंछ के एरिया में 15 से ज्यादा सिविलियन की हत्या कर दी गई और सैकड़ों घायल हैं, 7 सेना के जवान और अधिकारी शहीद हो गए उनका राष्ट्रीय शोक मनाने की जगह भाजपा तिरंगा यात्रा के नाम पर राजनीतिक नौटंकी क्यों कर रही है।

भाजपा को यात्रा निकाल कर देश को ये बताना चाहिए कि भारत से पहले अमेरिका कैसे सीजफायर का घोषणा किया। अमेरिका का राष्ट्रपति बोल रहा है कि मैंने व्यापार का दबाव डालकर सीजफायर करवाया, क्या ये सच है। अमेरिका भारत के साथ पाकिस्तान को भी महान देश बता रहा है, जो देश आतंकवादी को पनाह देता है वो महान कैसे हो सकता है। अमेरिका कश्मीर के मुद्दे को हजारों साल का विवाद किस आधार पर कह रहा है। जबकि 76 साल पहले दोनों एक ही देश थे। अमेरिका कह रहा है कि कश्मीर के मुद्दे पर बैठ कर बात होगी, क्या भारत शिमला समझौता तोड़ने जा रहा है। इन सभी जरूरी बातों पर जवाब दे और अगर भाजपा इन सभी का जवाब नहीं बता पाती है तो देश से माफी मांगे। प्रधानमंत्री मोदी देश को बतायें कि सीजफायर की घोषणा भारत से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति और अमेरिका के विदेश मंत्री ने क्योंऔर कैसे की।

सांस्कृतिक पुनरुद्धार की प्रतिमूर्ति थी रानी अहिल्याबाई होलकर : बाबूलाल मरांडी

- सांसद संगीता यादव ने कहा- रानी अहिल्याबाई होलकर शक्ति से नहीं युक्ति से शासन चलाने में विश्वास करती थीं

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि जनसेवा एवं सांस्कृतिक पुनरूद्धार की प्रतिमूर्ति रानी अहिल्याबाई होलकर थीं। श्री मरांडी बुधवार को पार्टी मुख्यालय में रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कठिन चुनौतियों और विषम परिस्थितियों के बीच भी रानी अहिल्याबाई होलकर अडिग रहीं और जनसेवा में निरंतर सक्रिय रहीं। उन्होंने कहा कि बचपन से ही उनकी भगवान शिव में गहरी आस्था रही। उन्होंने अपना तीस वर्षों का शासन भगवान शिव की आज्ञा मानकर चलाया। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर जिसको मुगलों ने क्षति पहुंचाई थी, का पुनरुद्धार कराया। 16 करोड़ की निजी संपत्ति से उन्होंने सनातन धर्म के चारों धाम, 12 ज्योतिर्लिंगों का जीर्णोद्धार कराया। वेद विद्वानों की नियुक्ति की और शास्त्रों के मनन चिंतन की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 300 साल बाद फिर एक बार भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद मजबूत हो रहा। इसे कांग्रेस पार्टी ने दबाने की हरसंभव कोशिश की। कांग्रेस पार्टी ने पाश्चात्य ज्ञान और विज्ञान को श्रेष्ठ बताने की कोशिश की। इस अवसर पर सांसद संगीता यादव ने रानी अहिल्याबाई होलकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई ने न्याय, समाज सुधार और महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किये। उन्होंने कहा कि रानी ने अपने शासन में सख्त दहेज विरोधी कानून बनाये। बिना संतान वाली विधवाओं की संपत्ति राज्य द्वारा जब्त करने की नीति समाप्त की। विधवाओं को बच्चा गोद लेने की स्वतंत्रता दी। विधवा पुनर्विवाह को नैतिक समर्थन दिया। महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिया। लड़कियों के लिये अलग विद्यालय खोले और महिला शिक्षिकाओं की नियुक्ति की। महिलाओं को युद्ध कौशल सिखाया और महिला सैन्य टुकड़ी का गठन किया। डॉ रवींद्र कुमार राय ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होलकर शक्ति स्वरूपा मां थी। भारत की नारी शक्ति का बेहतरीन उदाहरण थीं। उन्होंने कहा कि शिव को साक्षी मानकर शासन चलाने में उन्होंने अपने पुत्र को भी दंडित करने में संकोच नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत आज पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रानी अहिल्याबाई के स्वप्न को साकार जुटा है। पिछले एक दशक में भारत में एक नये अध्याय की शुरुआत हुई है। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होलकर सर्व समाज की मां थीं। इस अवसर पर जन्म जयंती कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक विकास प्रीतम, सह संयोजक आरती सिंह, विधायक नीरा यादव, पूर्णिमा दास साहू, मंजू कुमारी ने भी अपने विचार रखे। मंच संचालन लवली गुप्ता और धन्यवाद ज्ञापन अर्चना सिंह ने किया। कार्यक्रम में सांसद आदित्य साहू, राकेश प्रसाद, आरती कुजूर, गणेश मिश्र, सरोज सिंह, नंद जी प्रसाद, हेमंत दास, शिवपूजन पाठक, राफिया नाज, अजय साह, योगेंद्र प्रताप सिंह आदि उपस्थित थे।

झामुमो ने केंद्र सरकार पर लगाया पक्षपात का आरोप, कहा

तिरंगा यात्रा भाजपा की राजनीतिक नौटंकी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधते हुये कहा कि तिरंगा यात्रा सेना के पराक्रम को छिपाने और जनता का ध्यान भटकाने के लिये आयोजित की जा रही है। श्री भट्टाचार्य बुधवार को हरमू रोड स्थित कैंप कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सामने भारतीय सेना की वीरता को राजनीतिक कूटनीति के नीचे दबाया गया और तिरंगा यात्रा उसी पर पर्दा डालने की कोशिश है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोला और कहा कि मणिपुर की अनदेखी करते हुये झारखंड के खनिज संसाधनों का दोहन किया जा रहा है। लेकिन राज्य को उसका उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों तक पानी पहुंचाने का काम कर रही है। लेकिन, केंद्र सरकार सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड और बंगाल के साथ पक्षपात कर रही है। जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार को सरप्लस पैसा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड अपना हक लेकर रहेगा। अब याचना नहीं होगी। बल्कि एक-एक पाई के लिये आंदोलन होगा। उन्होंने जल संकट पर चिंता जताते हुये कहा कि गर्मी में जल संकट गंभीर होता जा रहा है। लेकिन केंद्र सरकार इसे टालते हुए राजनीति कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब-जब कोई अपने हक की बात करेगा। केंद्र सरकार उसका मुद्दा दबाने की कोशिश करेगी। लेकिन अब ऐसा नहीं चलेगा।

अतरराज्यीय गिरोह के अपराधियों को जल्द से जल्द करें गिरफ्तार

- देवघर एवं जामताड़ा जिला में पीएसयू से संबंधित दर्ज कांडो की समीक्षा बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक झारखण्ड की अध्यक्षता में पूर्व में आयोजित 23वीं ऑनशोर सिक्युरिटी कोर्डिनेशन कमिटी की समीक्षा बैठक के दौरान दिये गये निर्देशों के आलोक में बुधवार को पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में निर्देशों के अनुपालन से संबंधित अमोल विनुकांत होमकर, पुलिस महानिरीक्षक अभियान, झारखण्ड द्वारा पीएसयू से संबंधित दर्ज कांडों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गयी।

उक्त बैठक में झारखण्ड के देवघर एवं जामताड़ा जिला में पीएसयू से संबंधित दर्ज कांड एवं लातेहार जिला में आगजनी से संबंधित कांडों की विस्तृत रूप से समीक्षा की गयी।

पीएसयू के डिपो, टर्मिनल के आसपास स्थित ढाबा व दुकानों पर लगवायें सीसीटीवी कैमरा : बैठक के क्रम में पुलिस महानिरीक्षक अभियान, झारखण्ड द्वारा देवघर, लातेहार एवं जामताड़ा जिलों में पीएसयू से संबंधित दर्ज कांडों के वर्तमान स्थिति के संबंध में व्यापक रूप से समीक्षा करते हुए संबंधित पुलिस अधीक्षकों को पीएसयू से संबंधित लंबित कांडों का त्वरित गति से निष्पादन करने, पीएसयू में घटना कारित करने से संबंधित आपराधिक गिरोह, नक्सली के विरुद्ध उचित धारा में कांड दर्ज कर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। कांडों के अनुसंधान में आधुनिक तकनीक, डेटा विश्लेषण व जमीनी स्तर पर आसूचना तंत्र का इस्तेमाल करते हुए अनुसंधान करने, सीमावर्ती राज्यों के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर अंतरराज्यीय गिरोह के अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने, सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम वाली जगहों को चिन्हित करने के साथ पीएसयू के डिपो, टर्मिनल के आसपास स्थित ढाबा व दुकानों पर विशेष निगरानी रखने हेतु सीसीटीवी कैमरा लगवाने का निर्देश दिया गया।

इस बैठक में चन्दन कुमार झा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, एसआईबी, अमीत रेणु, पुलिस अधीक्षक, अभियान, नाथु सिंह मीणा, पुलिस अधीक्षक, एसआईबी, पूज्य प्रकाश, पुलिस अधीक्षक, अपअनुवि भौतिक रूप से एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, दुमका, पलामू, क्षेत्रीय पुलिस उप महानिरीक्षक, पलामू व पुलिस अधीक्षक, देवघर, जामताड़ा व लातेहार उपस्थित थे।

ज्वाईंट टास्क फोर्स का गठन कर करें कठोर कार्रवाई

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक अभियान, झारखण्ड ने संबंधित प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक को पीएसयू से संबंधित दर्ज कांडों में त्वरित एवं साकारात्मक अनुसंधान हेतु जिला स्तर पर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में ज्वाईंट टास्क फोर्स का गठन कर दोषियों के विरुद्ध साक्ष्यानुसार कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। यह भी निर्देश दिया गया कि संबंधित पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप-महानिरीक्षक अपने क्षेत्राधिकार में जाकर नियमित रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मियों के साथ संपर्क स्थापित करेंगे एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से संबंधित कांडों का पर्यवेक्षण करते हुए वांछित दिशा-निर्देश देना सुनिश्चित करेंगे।

पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस के मामले में हुई आंशिक सुनवाई

रांची। ओबीसी आरक्षण सहित अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के मामले में नामजद पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस की ओर से दाखिल डिस्चार्ज याचिका पर बुधवार को एमपी-एमएलए के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत में आंशिक सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले में अभियोजन पक्ष को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। इसके लिये अदालत ने 23 मई की तारीख निर्धारित की है। रामचंद्र सहिस ने मामले में अपने आप को निर्दोष बताते हुये मंगलवार को डिस्चार्ज याचिका दाखिल की है। वहीं, इसी मामले में आरोपी सुदेश महतो और सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी की डिस्चार्ज याचिका अदालत खारिज कर चुकी है। मामला आरोप गठन पर चल रहा है। घटना को लेकर ओरमांझी के तत्कालीन सीओ विजय केरकेट्टा ने लालपुर थाना में 8 सितंबर 2021 को कांड संख्या 201/2021 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री आवास घेराव को लेकर आजसू कार्यकर्ता मोरहाबादी मैदान में एकत्रित हुये। इसका नेतृत्व सुदेश महतो, चंद्र प्रकाश चौधरी, लंबोदर महतो, रामचंद्र सहिस समेत अन्य कर रहे थे। इनलोगों पर जानबुझ कर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की, सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप है।

इरफान मामले में उपस्थिति की आखिरी तिथि 23 मई

रांची। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के खिलाफ दर्ज आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में अदालत ने उपस्थिति की अगली तारीख 23 मई निर्धारित की है। मामले में उपस्थिति की तारीख पूर्व से निर्धारित थी लेकिन नहीं पहुंचे। एमपी-एमएलए कोर्ट ने 24 फरवरी को मानहानि और शांति भंग करने के इरादे से अपमान करने के मामले में संज्ञान लेते समन जारी किया है। मालूम हो कि योग शिक्षिका राफिया नाज के बारे में इरफान अंसारी ने एक निजी समाचार चैनल पर उसके पहनावे को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे उनकी छवि धूमिल हुई और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। इसको लेकर राफिया नाज ने 19 अगस्त 2020 को सिविल कोर्ट रांची में इरफान अंसारी के खिलाफ स्त्री लज्जा भंग करने, भीड़ को हिंसा के लिए उकसाने और पहनावे को लेकर अनुचित टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुये शिकायतवाद दर्ज कराई थी। अदालत ने मानहानि और शांति भंग करने के इरादे से अपमान करने के मामले में संज्ञान लिया है। बाद में विधायक से जुड़े होने के कारण साल 2021 में यह मामला विशेष अदालत में चला गया। जहां इसकी सुनवाई जारी है।

चार आरोपियों की जमानत पर फैसला 20 मई को

रांची। जेपीएससी द्वितीय सिविल सेवा घोटाले में चार्जशीटेड आरोपी अरविंद कुमार सिंह समेत चार आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका पर आदेश अदालत 20 मई को सुनायेगी। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत में बुधवार को आरोपियों की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई पश्चात अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया। कुमुद कुमार, डॉ शिशिर कुमार सिंह, विकास कुमार पांडे एवं अरविंद कुमार सिंह ने अग्रिम जमानत की गुहार लगाते हुये पिछले महीने याचिका दाखिल की है। अदालत ने बीते 7 मार्च को 26 भ्रष्ट अफसरों समेत 64 आरोपियों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुये समन जारी किया है। अदालत ने जिन लोगों पर संज्ञान लिया है उसमें ऐसे नाम भी है जो वर्तमान में प्रोन्नति पाकर डीएससी से एसपी बन कर जिला संभाल रहे हैं।

राज मिस्त्री हत्याकांड में केयर टेकर हुआ गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

राज मिस्त्री गंदुरा उरांव की गला दबाकर आरोपी ने की थी हत्या

- मृतक की पत्नी ने कांके थाना में दर्ज करायी है प्राथमिकी
- मंगलवार सुबह अर्द्धनिर्मित मकान में मिला था शव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कांके थाना की पुलिस ने राज मिस्त्री गंदुरा उरांव हत्याकांड में शामिल महेश उरांव को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दी। पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी मुरुम गांव का रहनेवाला है। इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी मुन्नी देवी के लिखित शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। इस संबंध में कांके थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक को गला दबाकर हत्या की गई थी। एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

क्या था घटना : प्राथमिकी में कांके थाना अंतर्गत कुम्हरिया गांव में रहनेवाली मृतक की पत्नी मुन्नी देवी ने पुलिस को बताया है कि मुरुम गांव में सीआरपीएफ के अधिकारी के नवनिर्मित मकान में पति गंदुरा उरांव राज मिस्त्री का कार्य करता था। मंगलवार की सुबह जानकारी मिली थी कि उक्त अर्द्धनिर्मित मकान में पति गंदुरा उरांव का शव पड़ा हुआ है। आशंका है कि अर्द्धनिर्मित मकान में रहनेवाले दो गार्ड प्रभु, सुरेंद्र, दो अन्य राज मिस्त्री और केयर टेकर महेश उरांव ने मिलकर पति की हत्या की है। इन पांच आरोपियों पर शक है। मृतक विगत दो वर्षों से उक्त अर्द्धनिर्मित मकान में राज मिस्त्री का कार्य कर रहा था।

गुप्त सूचना पर पुलिस ने की सुखदेव नगर इलाके में छापामारी

210 शीशी नशीली कफ सिरप, टैबलेट और इंजेक्शन बरामद, पति और पत्नी गिरफ्तार

- घर पर अवैध रूप से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली औषधियों का हो रहा था भंडारण और व्यापार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सुखदेव नगर इलाके से पुलिस ने छापामारी कर भारी मात्रा में नशीली दवाएं और इंजेक्शन बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आये अभियुक्त में रंधीर वर्मा और सुमन देवी के पास से 210 बोतल कफ सिरप, टैबलेट 09 पैकेट, इंजेक्शन 11 सौ पीस, मोबाइल, 6720 रुपये नगद और एक बाइक जब्त की है। इस संबंध में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना अन्तर्गत मधुकम महुआ टोली, थाना सुखदेवनगर जिला रांची स्थित लोहरा उरांव के घर पर अवैध रूप से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली औषधियों का भडारण एवं व्यापार किया जा रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम गठित कर छापामारी की गई। टीम के द्वारा सुखदेवनगर थाना अन्तर्गत मधुकम महुआ टोली, थाना सुखदेवनगर जिला रांची स्थित लोहरा उरांव के घर के पास पहुंचने के उपरान्त पुलिस बल को देख भागने के क्रम में अभियुक्त रणधीर वर्मा (मधुकम महुआ टोली, थाना सुखदेवनगर) को पकड़ा गया। पकड़ाये गये व्यक्ति रंधीर वर्मा को साथ लेकर लोहरा उरांव के किराये के मकान में छापामारी की गयी। छापामारी के क्रम में काफी मात्रा में कफ सिरप, टेबलेट व इंजेक्शन जब्त किया गया है। जब्त नशीली दवा की विधिवत औषधि निरीक्षक रांची से जांच करायी गयी। औषधि निरीक्षक, रांची द्वारा दिये गये जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रतिबंधित नशीली दवा के संचय करने तथा बिना अनुज्ञप्ति के बेचने के आरोप में प्राथमिकी अभियुक्त रंधीर वर्मा को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा रंधीर वर्मा के निशानदेही पर उसकी पत्नी सुमन देवी की संलिप्तता बतायी। जिसके आधार पर सुमन देवी को भी विधिवत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्त में आये अभियुक्त रंधीर वर्मा का पूर्व आपराधिक इतिहास रहा है।

अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा के माध्यम से छात्रवृत्ति भुगतान में त्वरित कार्रवाई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिला प्रशासन ने अपनी जन शिकायत निवारण प्रणाली अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा (9430328080) के माध्यम से एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है। हाल ही में तीन छात्रों-संगम कुमार (पिताः विजय केसरी, एमबीए के छात्र, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, मनातू, रांची), राज कुमार (पिताः गणेश साव, बीबीए के छात्र, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची), और आस्था तिर्की (लॉ, द्वितीय वर्ष, की छात्रा, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी) ने छात्रवृत्ति राशि के भुगतान में देरी की शिकायत दर्ज की थी। इन शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने सभी छात्रों को उनकी बकाया छात्रवृत्ति राशि का भुगतान सुनिश्चित कराया।

छात्रों की राह आसान : छात्रवृत्ति राशि प्राप्त होने पर तीनों छात्रों ने रांची जिला प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की। संगम कुमार ने कहा, छात्रवृत्ति की राशि न मिलने की चिंता हमें सता रही थी। अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा के माध्यम से हमारी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई हुई, जिससे अब हम अपनी पढ़ाई बिना किसी आर्थिक बाधा के जारी रख सकते हैं। इसी तरह, राज कुमार ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह राशि मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। जिला प्रशासन की इस पहल ने हमें भरोसा दिलाया कि हमारी समस्याओं का समाधान तुरंत हो सकता है। वहीं आस्था तिर्की ने भी जिला प्रशासन का आभार जताते हुए कहा, अबुआ साथी सेवा ने हमारी आवाज को सुना और हमारी पढ़ाई को सुचारू रखने में मदद की। यह एक अनुकरणीय पहल है।

गौरतलब है कि रांची जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई अबुआ साथी व्हाट्सएप सेवा आम जनता, विशेषकर छात्रों और युवाओं, के लिए एक वरदान साबित हो रही है। यह सेवा न केवल शिकायतों को दर्ज करने का एक सरल और त्वरित माध्यम प्रदान करती है, बल्कि समस्याओं के समाधान में भी अभूतपूर्व गति लाती है। छात्रवृत्ति भुगतान जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई से जिला प्रशासन ने यह सिद्ध किया है कि वह शिक्षा और युवा सशक्तिकरण के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है। अबुआ साथी सेवा के माध्यम से न केवल छात्रवृत्ति भुगतान की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, बल्कि अन्य जन शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

बकाया न मिलने से ₹6500 करोड़ की योजनाएं अधर में

झारखंड सरकार ने जल शक्ति मंत्री को पत्र लिखकर केंद्र से मांगा 6500 करोड़ बकाया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील को पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा है।

मंत्री ने उम्मीद जताई है कि इस मुलाकात से राज्य के बकाये को लेकर सकारात्मक नतीजे निकलेंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य का 6500 करोड़ रुपये का बकाया केंद्र के पास लंबित है, जिसके कारण कई योजनाएं अधर में हैं। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मिलने का आग्रह करते हुए कहा कि वह 19, 20 या 21 मई को मिलने का समय दें।

दिल्ली जाकर करेंगे आग्रह : मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि वह दिल्ली जाकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मिलने का प्रयास करेंगे और राज्य की जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बकाया राशि दिलाने की अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए यह राशि बहुत जरूरी है। मंत्री ने कहा कि राज्य की जनता के लिए यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और वह हर संभव प्रयास करेंगे कि राज्य का बकाया केंद्र से दिलाया जा सके।

आइजी अखिलेश झा ने सारंडा वन क्षेत्र में विभिन्न कैम्पों और थानों का किया भ्रमण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा जिला अन्तर्गत वर्तमान नक्सल परिदृश्य एवं जिले में संचालित नक्सल विरोधी अभियान की समीक्षा के लिए द. छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अखिलेश झा ने 13 मई व 14 मई को क्षेत्र भ्रमण किया।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा जिला मुख्यालय में मनोज रतन चौथे, पुलिस उप-महानिरीक्षक, सिंहभूम (कोल्हान) क्षेत्र, चाईबासा, आशुतोष शेखर, पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा, पारस राणा, अपर पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा, रितविक श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक, चतरा (प्रतिनियुक्ति पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा) एवं सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व पुलिस निरीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की गयी।

साथ ही पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा सारंडा वन क्षेत्र में विभिन्न कैम्पों एवं थानों का भ्रमण किया गया एवं छोटानागरा थाना अन्तर्गत सीआरपीएफ कैम्प में रात्रि विश्राम किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर, जैप एवं चाईबासा जिला बल के प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी, जवानों को आईईडी विस्फोट से बचाव एवं नक्सल विरोधी अभियान का सुरक्षा संबंधी एसओपी का पालन करने हेतु विस्तृत रूप से ब्रीफिंग किया गया। मनोहरपुर थाना अन्तर्गत टिमरा कैम्प, किरीबुरू थाना अन्तर्गत सीआरपीएफ कैम्प किरीबुरू, सेडलगोट कैम्प एवं किरीबुरू थाना का भ्रमण किया गया तथा सुरक्षा संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

खबर एक नजर में

हरमू नदी से अज्ञात शव बरामद

रांची। सुखदेव नगर थाना अंतर्गत चाला नगर स्थित हरमू नदी से बुधवार की सुबह एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया। इस मामले में सुखदेव नगर पुलिस ने बताया कि शव की पहचान नहीं हुई है। मृतक की उम्र 35 से 40 वर्ष के करीब है। पुलिस जांच कर रही है।

देर रात दुकान खोलकर की जा रही थी शराब बिक्री, चार गिरफ्तार

रांची। चुटिया थाना अंतर्गत स्टेशन रोड स्थित सरकारी शराब दुकान में कार्यरत चार कर्मचारी दिगंबर महतो, सुधीर कुमार राय, रोहित और रामाकांत पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने इन लोगों के पास से तीन पेटी शराब जब्त की है। इस मामले में चुटिया थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बताया कि मंगलवार की रात स्टेशन रोड स्थित सरकारी शराब दुकान में रात्रि दस बजे के बाद कर्मचारी बंद दुकान खोलकर शराब की अवैध रूप से बिक्री कर रहे थे। पेट्रोलिंग टीम द्वारा मौके पर चार कर्मचारी को शराब सहित गिरफ्तार किया गया है।

घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर करे झारखंड सरकार : बजरंग बागड़ा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने कहा है कि विदेशी घुसपैठियों को चुन-चुन कर झारखंड से बाहर करने की जरूरत है। श्री बागड़ा बुधवार को एयरपोर्ट रोड स्थित होटल ग्रीन एकर्स में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के अंदर विदेशी बिना वीजा के घुसपैठ कर रहे हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार इनको चिन्हित कर कार्रवाई करें। उन्होंने झारखंड में लैंड जिहाद पर चिंता जताया और कहा कि जिहादी कानून का गलत प्रयोग कर जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित किया गया है। उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद् इस कार्यवाही में भारत सरकार का स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी आतंकवादी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

उन्होने कहां कि सीजफायर का स्वागत किया जा सकता है। लेकिन यह शर्त होनी चाहिये कि अगर भविष्य में कोई आतंकवादी घटना होती है, तो उसे एक्ट ऑफ वार माना जायेगा।

उन्होंने कहा कि सेना की कार्रवाई और सरकार की इच्छा शक्ति के कारण ही आतंक के ठिकानों को नष्ट किया जा सका है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपना कड़ा रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि जो भी भारत पर बुरी नजर रखेगा या आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने की साजिश रचेगा, उसका भी ऐसा ही हश्र होगा। इस अवसर पर विहिप के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र एवं प्रांत प्रचार प्रचार प्रमुख प्रकाश रंजन उपस्थित थे।

बैठक में कृषि उन्नति में बैंकों की भूमिका पर जोर

केसीसी लोन का लक्ष्य 40% से बढ़ाकर 60% करने पर जोर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 91वीं त्रैमासिक बैठक रांची में आयोजित की गयी। बैठक में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और वित्त सचिव प्रशांत कुमार आदि शामिल हुए।

केसीसी लोन का लक्ष्य बढ़ाने का प्रस्ताव : कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य के विकास और कृषि उन्नति में बैंकों की अहम भूमिका है। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष में केसीसी लोन का लक्ष्य 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक करने का प्रस्ताव रखा। इससे राज्य सरकार की ₹2 लाख तक की ऋण माफी योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिल सकेगा।

पशुपालकों और मत्स्य पालन करने वालों को भी मिलेगा लाभ : शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि केसीसी लोन का लाभ पशुपालकों और मत्स्य पालन करने वाले किसानों को भी दिया जाता है। इससे इन वर्गों को भी आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।

एपेक्स सोसाइटी को मजबूत बनाने पर जोर : बैठक में एपेक्स सोसाइटी की भूमिका पर भी चर्चा हुई। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि एपेक्स सोसाइटी सहकारिता के क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है। बैंकों के सहयोग से एपेक्स सोसाइटी से जुड़े एफपीओ को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इससे शहद और लाह जैसे उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

तिरंगा यात्रा निकाल कर भाजपा ने सेना का बढ़ाया उत्साह

भारतीय सेना के शौर्य और साहस से प्रत्येक देशवासी हुआ गौरवान्वित : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा महानगर एवं ग्रामीण जिला के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर जिला स्कूल परिसर से कोकर स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल तक तिरंगा यात्रा निकाली गयी। बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में पूर्व सैनिक, सैनिक के परिजन, साधु संत, पार्टी कार्यकर्ता एवं आम नागरिक हाथों में तिरंगा ध्वज एवं तख्ती लेकर भारत माता की जय के नारों के साथ जुलूस के रूप में बिरसा मुंडा समाधि स्थल पहुंच कर पुष्प अर्पित किया।

मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पूरे भारतवासी सेना के शौर्य एवं पराक्रम से गौरवान्वित है। पाकिस्तान जैसे परमाणु संपन्न देश में भारतीय सेना ने घुसकर उनके दर्जनों सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। दुनिया में भारतीय सेना ने भारत का नाम ऊंचा किया है।

कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र राय ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे भारतवासियों को एक नई ऊर्जा प्रदान किया है। अब पाकिस्तान जैसे आतंकी राष्ट्र भारत पर आंख उठाने की हिमाकत नहीं करेंगे।

केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि भारत की सामरिक शक्ति को अब पूरी दुनिया लोहा मान रही है। अब ऑपरेशन सिंदूर भारत का कानून बन चुका है। कार्यक्रम में सांसद आदित्य साहू, विधायक सीपी सिंह, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, डॉ जीतू चरण राम, राम कुमार पाहन, समरी लाल, आरती कुजूर, गणेश मिश्रा, सुनीता सिंह, विनय महतो धीरज, सत्यनारायण सिंह, केके गुप्ता, सुबोध सिंह गुड्डू, रमेश सिंह, सुरेंद्र महतो, सीमा शर्मा, संजय जयसवाल, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, बसंत दास, संजीव चौधरी, विनय सिंह, अनीता वर्मा, सुधाकर चौबे, प्रभुदयाल बड़ाइक, बीणा मिश्रा, विकास रवि, नेहा सिंह, सोनू सिंह, पायल सोनी, रोमित नारायण सिंह, राकेश शर्मा, बुधराज, रवि मुंडा, आलमगीर, ओम प्रकाश पांडे, राम मनोज साहू, सुवेश पांडेय आदि शामिल थे।

अपने चेहरे पर पुती कालीख धोने के लिए भाजपा निकाल रही तिरंगा यात्रा : कांग्रेस

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। देश के 140 करोड़ लोगों के साथ विश्वासघात करके उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने के बाद अपने चेहरे पर पुती कालीख को धोने के लिए भाजपा के नेता तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। देश की सेना के शौर्य और साहस तथा उन नारियों के साहस और संबल को नमन है, जिन्होंने पहलगाम की घटना में अपने स्वजनों को खोया है।

भाजपा की तिरंगा यात्रा पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि स्वहित पर राष्ट्रहित को बलि चढ़ाने की परंपरा भाजपा नेतृत्व की राजनीतिक परंपरा रही है। जब विपक्ष समेत पूरा देश एकमत होकर सरकार के निर्णय के साथ खड़ा था तो सरकार ने ठोस कार्रवाई करने की जगह राजनीतिक और कूटनीतिक मोर्चे पर अपनी कमजोरी को उजागर कर दिया। निर्णय लेने में शिथिलता ने डोनाल्ड ट्रंप की दखलंदाजी को बढ़ावा दिया, यह सरकार की कमजोरी का परिचायक बनकर विश्व पटल पर उभरा। राष्ट्रवाद के मुखौटे के पीछे छिपे भाजपा के चेहरे को जनता पहचान चुकी है।

पीएम बतायें, किन परिस्थितियों में सीज फायर हुआ : भारत की जनता प्रधानमंत्री से जवाब मांग रही है कि किन परिस्थितियों में सीज फायर हुआ, पहलगाम के आरोपी आतंकवादी कहां है, सीज फायर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्या भूमिका है, किन व्यापारिक हितों के लिए सीज फायर किया गया। जब जनता के सवालों का जवाब देने की बारी आई तो भाजपा नेता भाग रहे हैं संसद का विशेष सत्र आयोजित कर प्रधानमंत्री को देश के सामने सच्चाई बतानी होगी। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व जगत ऐसे निर्णय से अचंभित है।

सीज फायर सेना के मनोबल को तोड़ने का प्रयास : उन्होंने कहा कि सीज फायर के निर्णय से देश की जनता सकते में है। सेना के मनोबल को तोड़ने का प्रयास है। तिरंगा और सिंदूर शब्द का राजनीतिक उपयोग करने में भाजपा नेतृत्व लग गया है। तिरंगा का विरोध करने और तिरंगा फहराने वालों को गद्दार कहने वाले आरएसएस की सरपरस्ती में भाजपा के नेता शिक्षा पाते हैं और आज तिरंगा के सम्मान का ढोंग कर रहे हैं। आतंकवादी घटना की पीड़िताएं 26 सूनी मांगों के साथ इंसाफ और जवाब का इंतजार कर रही हैं लेकिन सरकार के फैसले ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

सीयूजे का आईसीएआर, आईआईएबी के साथ हुआ एमओयू

रिसर्च वर्क के लिए सीयूजे के स्टूडेंट्स को मिलेगा लाभ

- **प्रभारी कुलपति प्रो. केबी पंडा ने इस समझौते पर सभी को बधाई दी**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीयूजे के लाइफ साइंसेज विभाग का इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी (आईआईएबी), रांची के साथ बुधवार को एमओयू हुआ। इस समझौते के तहत दोनों संस्थानों के बीच लंबी अवधि के कई समझौते हुए। इस समझौते के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, आईसीएआर-आईआईएबी के साथ संयुक्त कार्यक्रम और शोध कर सकते हैं। साथ ही विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, ट्रेनिंग और प्रयोगशाला के सदुपयोग करने के सहयोग किया जाएगा। प्रभारी कुलपति प्रो. केबी पंडा ने मौके पर कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास के मार्गदर्शन में किए गए इस समझौते पर सभी को बधाई दी। कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के लिए कार्य करता है और इसके द्वारा भविष्य का निर्माण करता है। इस तरह के एमओयू को कार्यात्मक होना चाहिए जो कि दोनों संस्थानों के सभी लोगों के लिए लाभदायक हो। इस तरह के सहयोग और अकादमिक एक्सचेंज से एक सही मायने में देश में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था हम बना सकते हैं।

वहीं, आईसीएआर-आईआईएबी के निदेशक प्रो. सुजय रक्षित ने इस समझौते पर हर्ष जताया। कहा कि इस समझौते के तहत दोनों संस्थान एक दूसरे के साथ संसाधनों का सहयोग कर सकेंगे। कोविड के बाद हमें समझ में आया कि सारी चीजें जुड़ी हुई हैं, इसलिए हमें एक-दूसरे के साथ मिलकर संयुक्त कार्यक्रम करना चाहिए। झारखंड जैसे राज्य में यह सहयोग और बेहतर बदलाव लाएगा जहां कि दो राष्ट्रीय स्तर के संस्थान साथ आ रहे हैं। इस राज्य में नए प्रयोग और उसके इस्तेमाल से बदलाव की काफी संभावनाएं हैं। कुलसचिव केके राव ने भी सभी को बधाई दी और इस तरह के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के सभी प्रतिष्ठित संस्थानों को मिलकर शोध और अकादमिक सहयोग करना चाहिए ताकि एक जैसे कार्यों में सामंजस्य के साथ कार्य किया जा सके। डीन शोध एवं विकास, प्रो अरुण कुमार पाढ़ी और डीन अकादमिक प्रो मनोज कुमार ने भी सभी को बधाई दी और सीयूजे द्वारा किए गए सभी एमओयू के बारे में जानकारी दी।

समझौते के दस्तावेज का हस्तांतरण प्रभारी कुलपति और विश्वविद्यालय के अधिकारियों और प्राध्यापकों की मौजूदगी में कुलसचिव सीयूजे के के राव और आईसीएआर- आईआईएबी निदेशक प्रो. सुजय रक्षित के बीच हुआ। समझौते के दौरान आईसीएआर-आईआईएबी निदेशक, प्रो सुजय रक्षित, मुख्य वैज्ञानिक, डॉ बिप्लव सरकार, और डॉ राम्या मौजूद थे।

सीयूजे के तरफ से प्रो. केबी पंडा, प्रभारी कुलपति, कुलसचिव केके राव, डीन शोध एवं विकास, प्रो. अरुण कुमार पाढ़ी, डीन अकादमिक, प्रो. मनोज कुमार, डीन नेचुरल साइंस, प्रो. मनोज कुमार, भौतिकी विभागाध्यक्ष, प्रो. सारंग मेढेकर, प्रो. डीबी लाटा, परीक्षा नियंत्रक, प्रो. बीबी मिश्रा, प्रो. आशीष सचान, डॉ पीके परिदा, डॉ प्रवीण शर्मा, डॉ अनिल कुमार और डॉ सुदर्शन यादव भी मौजूद थे।

तीन विवि के वीसी नहीं ले सकेंगे कोई नीतिगत निर्णय

- **राजभवन का बड़ा फैसला**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य के तीन प्रमुख विश्वविद्यालयों रांची विश्वविद्यालय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय और झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी को फिलहाल किसी भी नीतिगत निर्णय लेने से रोक दिया गया है। यह निर्देश राजभवन द्वारा जारी किया गया है। इन तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का कार्यकाल अगले माह समाप्त हो रहा है। ऐसे में राजभवन ने यह निर्णय लिया है कि जब तक नए कुलपति की नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक इन विश्वविद्यालयों में कोई बड़ा या नीतिगत फैसला नहीं लिया जायेगा। इस फैसले का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यकाल समाप्ति की स्थिति में कोई भी जल्दबाजी में या अनावश्यक निर्णय न लिया जाये, जिससे विश्वविद्यालय की प्रशासनिक या शैक्षणिक व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। राजभवन का मानना है कि नीतिगत फैसले दीर्घकालिक प्रभाव डालते हैं, इसलिए ऐसे निर्णय स्थायी नेतृत्व द्वारा लिए जाने चाहिए। आरयू के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, डॉ श्यामा प्रसाद यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य और झारखंड ओपेन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ टीएन साहू हैं।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

- **21 मई को कथा समापन एवं भव्य भंडारा का होगा आयोजन**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पिस्का मोड़, रांची स्थित हेसल, निकट जतरा मैदान नॉर्थ, श्री हेसल हनुमान मंदिर के सामने गली नंबर 3 में 14 मई से 21 मई 2025 तक श्री मद भागवत कथा का शुभारंभ सैकड़ों महिलाओं, श्रद्धालुओं के द्वारा कलश यात्रा से की गई। श्री मद भागवत कथा सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य अतुल द्विवेदी जी के द्वारा की जायेगी।

कार्यक्रम आयोजक संजीव कुमार सिंह (चुन्नू सिंह) ने कहा कि इस कार्यक्रम को वैश्विक और क्षेत्र की शांति के उद्देश्य से किया जा रहा है क्योंकि आज जिस तरह पूरे विश्व में अशांति और तनाव का माहौल है। अहिंसा परमो धर्मः का अनुसरण करने वाला हमारे देश ने आतंकिस्तान पर करारा प्रहार कर पूरे विश्व को ये संदेश दिया कि भारत आतंक और आतंकी को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा भारत द्वारा आतंकिस्तान को दिए गए करारे जवाब से हम सभी भारतीय गौरवान्वित हैं। कार्यक्रम विवरणी की कार्यक्रम प्रभारी अमृतेश पाठक एवं बिरेंद्र प्रसाद (बिल्लू जी) ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कथा व्यास- आचार्य अतुल द्विवेदी जी, 14.5.2025 कलश यात्रा भागवत महात्म, 15.5.2024 कुंती, भीष्म स्तुति एवं परीक्षित जन्म, 16.5.2025 सृष्टि रचना, देवहूति कपिल संवाद एवं ध्रुव चरित्र, 17.5.2025 नाम महिमा, प्रहलाद चरित्र, गजेंद्र मोक्ष, रामकथा एवं कृष्ण जन्मोत्सव, 18.5.2025 कृष्ण बाललीला, माखन चोरी, कलियनाग उद्धार एवं गोवर्धन पूजा, 19.5.2025 महारास प्रसंग, कंस उद्धार, गोपी उद्धव संवाद एवं कृष्ण रुक्मणि विवाह, 20.5.2025 भगवान के 16108 पत्नियों का विवाह प्रसंग, सुदामा चरित्र एवं भागवत सार कथा एवं 21.05.25 को कथा समापन एवं भव्य भंडारा का आयोजन किया गया है।

आज के कलश यात्रा में मुख्य रूप से नीतू सिंह, कृष्णा पांडेय,रीता सिंहा, शिव देवी, तारा देवी, ऊषा सिंह, अनीता देवी, देवयंती, संध्या देवी, मनमोहन पांडेय,महेश पंडित,गौरव जयसवाल, मनीष पंडित, रोहित सिंह, गुड्डू सहाय, विजय पांडे आदि सैकड़ों श्रद्धालु गण शामिल हुए।

उच्च शिक्षा में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) विषय पर कार्यशाला आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा झारखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (जेयूटी) में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप इन हायर एजुकेश्न विषयक एकदिवसीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न औद्योगिक समूहों, शैक्षणिक संस्थानों, और गैर-लाभकारी संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित माननीय मंत्री सुदिव्य कुमार ने अपने संबोधन में राज्य सरकार की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी सहभागिता को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने झारखंड को उच्च शिक्षा का एक समर्पित केंद्र बनाने के संकल्प को दोहराते हुए सभी भागीदारों से राज्य में संस्थान स्थापित करने और नीति लाभ उठाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार झारखंड के ग्रॉस इनरॉलमेंट रेसियो (जीईआर) को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठा रही है और इस दिशा में निजी क्षेत्र के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी और समावेशी शिक्षा को सुलभ बनाना प्राथमिकता है।

खबर एक नजर में

देवर्षि नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह आज

रांची। प्रति वर्ष ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा को महर्षि नारद की जयंती मनायी जाती है। इस अवसर पर समस्त भारतवर्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिसमें चुनिंदा पत्रकार सम्मानित किये जाते हैं। रांची स्थित विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष रामावतार नारसरिया ने बताया कि इस अवसर पर विश्व संवाद केंद्र, झारखंड प्रांत के तत्वावधान में 15 मई को मोरहाबादी स्थित रांची कॉलेज परिसर के आर्यभट्ट सभागार में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए देवर्षि नारद पुरस्कार– 2025 प्रदान किए जायेंगे। ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। समारोह में अपनी जागरण पत्रिका 'बिरसा हुंकार' के नवीन स्वरूप का लोकार्पण भी होगा। उन्होंने बताया कि समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर होंगे। समारोह के मुख्य अतिथि विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत और विशिष्ट अतिथि भगवान बिरसा मुंडा के सुपौत्र सुखराम मुंडा होंगे।

चीफ जस्टिस गवई का स्वागत : सुधीर श्रीवास्तव

रांची। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने देश के 52वें चीफ जस्टिस गवई का स्वागत एवं अभिनंदन किया है। उन्होंने बताया कि जस्टिस गवई ऐसे पहले चीफ जस्टिस हैं जो बौद्ध धर्म को मानने वाले हैं। महज 43 वर्ष में बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने जस्टिस गवई 23 नवंबर 2025 को रिटायर हो जायेंगे। हम सभी देशवासियों को उम्मीद है कि इनके कार्यकाल में न्याय की एक नई लाइन खींची जायेगी।

श्री कृष्ण-राधा मंदिर की परिवर्तित समय- सारणी जारी

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित अरगोड़ा, कटहल मोड़ रोड पुंदाग मे स्थित झारखंड का सबसे बड़ा सुप्रसिद्ध राधा–कृष्ण मंदिर, श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। भव्य आकर्षक एवं अनूठा मंदिर को देख मंत्र–मुग्ध होकर उत्साहित हो रहे हैं। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि गर्मी को देखते हुए मंदिर की समय सारणी मे थोड़ा परिवर्तन किया गया है। प्रबंधन कमेटी के आदेशानुसार सोमवार से शनिवार तक मंदिर का पट खुलने का समय प्रतिदिन प्रात: 5:30 बजे खुलेगा तथा बंद होने का समय दोपहर–12:30 बजे रहेगा। मंदिर पुन: अपराह्न 4 बजे खुलेगा तथा रात्रि 9:00 बजे बंद हो जाएगा। वहीं आरती का समय प्रतिदिन संध्या 6:30 बजे से संध्या 7:00 बजे तक रहेगा रविवार को मंदिर प्रात: 5:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक, तथा अपरा? 3:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक खुला रहेगा।

एनआईबीएम में 10+2 तथा स्नातक के लिए सरकारी नौकरी की विशेष बैच

रांची। इंटर तथा स्नातक युवा के लिए इंटर के बाद तथा स्नातक में प्रवेश करने के साथ ही सरकारी नौकरी बैंकिंग ,एसएससी ,रेलवे, झारखंड एसएससी की तैयारी प्रारंभ कर देनी चाहिए अच्छी तैयारी में लगभग 1 से 2 वर्ष लग जाते हैं ,ऐसा करने से स्नातक समाप्त होने के तुरंत बाद सरकारी नौकरी प्राप्त हो सकती है। पिछले कई वर्षों से लगातार* रिकॉर्ड रिजल्ट देने वाली श्री साईं टावर चौथी मंजिल सर्कुलर रोड स्थित एनआईबीएम में तैयारी शुरू करनी चाहिए यहां की पढ़ाई गई स्टडी मैटेरियल सभी परीक्षाओं में लगभग हुबहू मैच करते हैं, सभी शिक्षक काफी अनुभवी हैं निदेशक एम के गुप्ता खुद मैथ्स तथा रीजनिंग की क्लास लेते हैं , यहां लाइब्रेरी रीडिंग रूम है जहां हजारों किताब है यहाँ युवा ग्रुप बनाकर अंतिम चयन तक पढ़ते हैं तथा प्रतिदिन अपना डाउट विशेषज्ञों से पूछते हैं, क्लास का वीडियो तथा प्रति प्रश्न का प्रिंटेड हल दिया जाता है, अंतिम रूप से चयनित युवाओं तथा विशेषज्ञों के द्वारा करियर काउंसलिंग करवाया जाता है, परीक्षा में कैसे सफल हो इसकी तकनीक बताई जाती है सभी स्टडी मैटेरियल तथा किताब नई पैटर्न पर आधारित है, निदेशक ने चयनित युवाओं को सम्मानित किया तथा बताया कि आगामी परीक्षा बैंकिंग, एसएससी, रेलवे के लिए अंग्रेजी तथा हिंदी माध्यम में विशेष बैच 12 तथा 16 मई से प्रारंभ की जा रही है, इच्छुक विद्यार्थी संस्थान से संपर्क कर सकते हैं।

संत माईकल्स स्कूल का दसवीं में शानदार प्रदर्शन

रांची। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) दसवीं की परीक्षा का परिणाम मंगलवार 13/05/2025 को जारी हुआ, जिसमें संत माईकल्स स्कूल जाजपुर, रांची के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी विद्यालय का परीक्षा परिणाम उत्साहवर्धक रहा। इस बार परीक्षा में कुल 295 छात्र शामिल हुए थे, जिसमें 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 62, 80 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 168 एवं 70 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले छात्रों की संख्या 233 है। छात्रा स्नेहा ने गणित एवं विज्ञान में, गौरी प्रांजल ने विज्ञान में तथा गौरव कुमार चौरसिया ने आई॰टी॰ में 100 में से 100 अंक लाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ अपने माता–पिता एवं विद्यालय का मान बढ़ाया। निम्न छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने विद्यालय का नाम रौशन किया। प्रथम स्थान – स्नेहा – 98 प्रतिशत, द्वितीय स्थान – अक्षित कुमार – 97 प्रतिशत, तृतीय स्थान – आस्था पराशर – 96 .6 प्रतिशत, चतुर्थ स्थान – गौरी प्रांजल – 96 .4, पंचम स्थान – गौरव कुमार चौरसिया – 96 .2 प्रतिशत।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों के बच्चों का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

- **सीबीएसई की तर्ज पर पहली बार परीक्षा में शामिल सरकारी स्कूल के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकारी स्कूल के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा देने के लिये वर्ष 2023 में 80 उत्कृष्ट विद्यालय का शुभारंभ किया था। मुख्यमंत्री का यह प्रयास रंग ला रहा है। पहली बार सीबीएसई की तर्ज पर 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में शामिल हुये विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम आया है। इसमें मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखाई है।

सीबीएसई 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों ने अलग-अलग संकायों में बेहतरीन अंक प्राप्त किये हैं। 10वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट विद्यालय जिला स्कूल मेदिनीनगर के शिवलाल मेहता ने 96.6 प्रतिशत एवं 12 वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट विद्यालय दुमका की सुभाश्री वर्मा 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है।

सभी संकाय में बेहतर प्रदर्शन

10 वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट विद्यालय बोकारो के अभय कुमार ने 95.4, बोकारो के ही अभिनव गुप्ता ने 95.4, लातेहार के अन्वेषा सिंह ने 95, जिला स्कूल मेदिनीनगर के स्वर्णा राज ने 94.4, जिला स्कूल मेदिनीनगर के प्रशंसा कुमार दुबे ने 93.6, बालिका उत्कृष्ट विद्यालय नावाडीह की खुशी कुमारी ने 93, उत्कृष्ट विद्यालय देवघर के अभिषेक कुमार दत्ता ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। वहीं, 12 वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट विद्यालय दुमका की सुभाश्री वर्मा ने आट्‌र्स संकाय में 96.4, मेदिनीनगर पलामू के ऋषि राज आनंद ने साइंस संकाय में 96.2, जेसी बोस गिरिडीह के तीन छात्राओं श्रेया पांडे, लक्ष्मी कुमारी और प्रज्ञा कुमारी ने कला संकाय में क्रमशः 94.4, 94.6 और 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। जबकि कॉमर्स संकाय में हजारीबाग और बरियातू रांची की डॉली कुमारी एवं सृष्टि देवघरिया को 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को इस सफलता के लिये बधाई और शुभकामनायें दी है।

9वीं बोर्ड की परीक्षा में निर्मला कॉन्वेंट के शत प्रतिशत बच्चे सफल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल के 9वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में अत्यंत सराहनीय प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता अर्जित की है। विद्यालय के कुल 105 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जिसमें से 100 विद्यार्थियों ने ए+ एवं ए ग्रेड प्राप्त कर डिस्टिंक्शन के साथ सफलता प्राप्त की है। विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों ने विद्यालय की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे हर वर्ष उत्कृष्ट परिणाम मिलते हैं, वैसे ही इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने न केवल 100% सफलता अर्जित की, बल्कि अधिकतम अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव और भी बढ़ाया है। श्री शर्मा ने यह सफलता विद्यालय के अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकों की मेहनत और बच्चों की लगन का परिणाम बताया।

विद्यालय की सचिव सीमा शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चों की यह उपलब्धि हम सभी के लिए एक अमूल्य उपहार है। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने अपने-अपने विषय की तैयारी सुनियोजित तरीके से करवाई थी। सिलेबस समय से पूर्व पूरा करवा दिया गया था ताकि बच्चों को पर्याप्त अभ्यास मिल सके। इस सफलता पर विद्यालय को अभिभावकों से लगातार शुभकामनाएं प्राप्त हो रही हैं, जिससे पूरा विद्यालय परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं आशुतोष कुमार, किरण कुमारी, अनामिका छेत्री, सुरेश कुमार, सुधीर कुमार सहित अन्य सभी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं, आशीर्वाद एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं दीं। ए+ ग्रेड प्राप्त करने वाले प्रमुख विद्यार्थियों में प्रिंस कुमार राज, अदिति कुमारी, पवन कुमार, अनन्या कुमारी, सोनू कुमार, आशीष कुमार, मधु कुमारी, खुशी कुमारी, पुष्पा कुमारी, सोनम कुमारी, प्रिंस कुमार शामिल हैं।

भाषा की प्रेषणीयता के लिए व्याकरण का ज्ञान अपेक्षित है : डॉ जेबी पाण्डेय

- **डीएवी गांधीनगर में आयोजित त्रिदिवसीय शिक्षक दक्षता विकास कौशल कार्यशाला संपन्न**

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डीएवी ग्रुप द्वारा डीएवी गांधीनगर में आयोजित त्रिदिवसीय शिक्षक दक्षता विकास कौशल कार्यशाला के अंतिम दिन व्याकरण की प्रयोजनीयता पर प्रमुख संसाधन सेवी के रूप में बोलते हुए रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि संसार में सर्वाधिक पवित्रतम वस्तु ज्ञान है। ज्ञान की सभी शाखाओं का अपना अपना महत्व है। बचपन में दादा कहा करते थे कि इतिहास पढ़ो मैं पूछता था क्यों? वे कहां करते थे इति मानें बीती हास मानें कहानी अर्थात मानव के व्यक्तित्व के विकास के लिए अतीत का बोध अपेक्षित है। कहते थे भूगोल पढ़ो, मैं पूछता था क्यों उनका उत्तर होता था भू माने पृथ्वी और गोल माने जानकारी। जिस पृथ्वी पर हमारा जन्म हुआ है, उसके बारे में तो हमें जानना ही चाहिए। बाबा श्री कहते थे संस्कृत पढ़ो पूछने पर उतर देते थे संस्कृत विश्व की प्राचीनतम वैज्ञानिक भाषा है, इसमें प्राचीनतम ज्ञान विज्ञान संरक्षित और सुरक्षित है और इसी ज्ञान विज्ञान के कारण प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु की संज्ञा से अभिहित था। कहा करते थे अर्थशास्त्र जरूर पढ़ो क्योंकि यह वह शास्त्र है जिसके बिना जीवन दूभर हो जाता है। संस्कृत की सुप्रसिद्ध सूक्ति है-

टकाः ही कर्म:टकाः हि धर्मः, टकाः परमं पदम्।

यस्य गृहे टकाः नास्ति सः टकटकायते।

अस्तु भाषा की बेहतरीन संप्रेषनीयता के लिए व्याकरण का ज्ञान परमावश्यक है। व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें शुद्ध शुद्ध बोलना और लिखना समझाता है। इसीलिए संस्कृत के नीति परक श्लोक में व्याकरण की प्रयोजनीयता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है कि-

यद्यपि बहुनाधीषं तथापि पठ पुत्र व्याकरणम्।

स्वजनो श्वजनो मां भूत, सकलं शकलं, सकृत शकृत।

अर्थात पिता ने काशी से सर्व शास्त्र में पारंगत हुए पुत्र से पूछा, बेटा तूने क्या क्या पढ़ा। बेटे ने सभी शास्त्रों का नाम लिया, लेकिन व्याकरण की बात नहीं की। इस पर पिता को दुख हुआ और दुखी पिता ने पुत्र को व्याकरण की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि-हे पुत्र! यदि तुमने बहुत कुछ पढ़ लिया है, फिर भी व्याकरण अवश्य पढ़ो और यदि कुछ भी नहीं पढ़ा है तो भी व्याकरण अवश्य पढ़ो क्योंकि ऐसा न हो जाए कि स्वजन -आत्मीय की जगह श्वजन-कुत्ता, सकल संपूर्ण की जगह शकल खंड और सकृत एक बार की जगह शकृत विष्ठा लिखा जाए। क्योंकि ऐसा होने से तिरेसठ का संबंध छत्तीस में तब्दील हो जायेगा। व्याकरण हमें भाषा की शुद्धता का ज्ञान कराता और संबंधों को प्रगाढ़ बनाता है। शब्द जीवित सत्ता है। बचेंगे शब्द तो बचेगी संस्कृति। इसीलिए इनका प्रयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए। संत कबीर ने इसीलिए अपनी साखी में वाणी के सुप्रयोग की सलाह दी है:-

वाणी ऐसी बोलिए, मन का आपा खोया।

औरन को शीतल करै, आपुहि सीतल होय।

शब्द सम्हारे बोलिए, शब्द के हाथ न पांव।

एक शब्द औषधि करे,एक शब्द करे घाव।

इस शाश्वत अनुष्ठान में डीएवी के जिन विद्वान प्राचार्यो ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से चार चांद लगाया उनमें डॉ एमके सिन्हा (डीएवी कडरू), डॉ एसके मिश्र (बरियातु), डॉ एसके पाठक (टीसीआई, गोविंदपुर), डॉ किरण यादव (डीएवी नीरजा), कमलेश कुमार (बरकाकाना), श्रीमती रेशु चौधरी (बचरा), डॉ पीके झा (गांधी नगर), डॉ एके मिश्र (हिंदी शिक्षक हेहल)आदि प्रमुख हैं।

आगत अतिथियों का भव्य स्वागत डीएवी के क्षेत्रीय निर्देशक डॉ एमके सिन्हा ने, संचालन डॉ बीएन मिश्र ने और धन्यवाद ज्ञापन डीएवी गांधी नगर के प्राचार्य डॉ पी के झा ने किया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में आवासीय समर कैंप का शानदार शुभारंभ

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल, में आवासीय समर कैंप 2025 ह्यएक्स्ट्रावैगैंजाह्व का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर को खास बनाने के लिए आकाश में रंग–बिरंगे गुब्बारे छोड़े गए, जिससे माहौल उल्लासपूर्ण हो गया। इस शिविर में छात्रों के लिए कई तरह की कला आधारित और मनोरंजन से भरपूर गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिनमें रोबोटिक्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, जुम्बा, गायन और वादन, नृत्य, एस्ट्रोनॉमी वर्कशॉप, योग जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। शिविर में छात्रों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष कार्यशालाओं की भी योजना बनाई गई है, जो उन्हें अपनी परंपराओं और मूल्यों को समझने में मदद करेंगी। आवासीय शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में जीवन के मौलिक मूल्यों को स्थापित करना था, ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही, इसमें श्रमदान, योग के महत्व और जीवन के प्रति कृतज्ञता की भावना को भी बढ़ावा दिया गया। छात्रों को शास्त्रीय नृत्य शैलियों की बारीकियां सिखाने के लिए प्रसिद्ध नर्तक निर्मल्या शर्मा द्वारा एक विशेष कथक कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है। उद्घाटन समारोह में प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था। उन्हें पहले विशेष दिशा–निर्देश दिए गए और उसके बाद स्वादिष्ट व पौष्टिक नाश्ता भी कराया गया।प्राचार्या परमजीत कौर ने समर कैंप के आयोजन में सभी शिक्षकों और सहयोगियों के प्रयासों की सराहना की।

गोली चलाने की घटना में दो आरोपी गये जेल

▶▶ दोनो आरोपियों के हैं अपराधिक रिकार्ड

खबर मन्त्र संवाददाता

घटना के संबंध में जानाकरी देते थाना प्रभारी अनिल तिवारी।

गोली लगने से घायल झदरू।

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के कोरंजाटोली ओरमांझी में मंगलवार को हुई गोली चलने की घटना के दो आरोपी को ओरमांझी थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जेल जाने वाले दोनो आरोपी भोलू सोनी उर्फ धीरज 26 वर्ष खादगढ़ा बाजार सुखदेवनगर रांची ने थाना क्षेत्र के चेतनवारी निवासी आटो चालक जलेश्वर महतो उर्फ झदरू पर गोली चलाया था। वहीं हेसाग जगरनाथपुर रांची के सूरज सोनी ने उसे 9एमएम का हथियार दिया था। इसकी जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया दोनो आरोपियों का पुराना अपराधिक रिकार्ड रहा है। पुलिस को आरोपियों के पास 12 लोगों का मोबाइल नंबर भी मिला है। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला कि सूरज ने ही भोलू को काम पर लगवाया था। साथ ही उसे हथियार छुपाकर रखने के लिए दिया था। जिसे वह अपने साथ लेकर चलता था। अपराधिक प्रवृति के होने के कारण ही उसने आटो चालक पर फायर कर दिया था। फिलहाल पुलिस मिले मोबाइल नंबर के संबंध में भी पता लगाया जा रहा है। आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी के साथ एसआई अमित कुमार, एएसआई विनय कुमार, चंद्रदेव सिंह, जयप्रकाश पासवान व संतोष कुमार शामिल थें।

विधायक ने सौर ऊर्जा आधारित पंपसेट का किया वितरण

खबर मन्त्र संवाददाता

पंपसेट का वितरण करते विधायक।

नामकुम। बुधवार को खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल उप नेता राजेश कच्छप ने नामकुम प्रखण्ड में किसान समृद्धि योजना के तहत 12 किसानों को 2 एचपी,डीसी सतही सौर ऊर्जा आधारित पंपसेट चलंत सिंचाई इकाई सेट का वितरण किया। मौके पर विधायक ने बताया कि किसानों के विकास को लेकर हेमंत सरकार गंभीर है, उन्होने बताया कि योजना का कुल लागत एक लाख एकासी हजार रूपया है जिसमें किसान को अंशदान लगभग अठारह हजार रूपया है, इसके लग जाने से किसान को डीजल का खर्चा बचेगा जिससे किसान को खेती की लागत में कमी आएगी एंव उसका मुनाफा बढ जाएगा। विधायक ने कहा कि किसान मेहनत करें सरकार उनके साथ है। मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख आशा कच्छप, उपप्रमुख वीणा कुमारी, बीडीओ विजय कुमार, अंचल अधिकारी कमल किशोर सिंह, माधो कच्छप, रेणू कुमारी, शैलेश मिश्रा, राजू महतो, मंगरा कच्छप, प्रदीप तिर्की, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग घायल, दो रिम्स रेफर

खबर मन्त्र संवाददाता

घायल सारो देवी व सुगिया देवी।

बेड़ो। इटकी थाना क्षेत्र के गड़गांव पुल के ऊपर रांची गुमला मुख्य मार्ग पर बुधवार की अपराह्न लगभग सवा तीन बजे एक वेगन आर कार के असंतुलित होकर पलट जाने से पलमी सिसई गुमला निवासी एक ही परिवार के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें सारो देवी सुगिया देवी, लक्ष्मण महली अमृता कुमारी और गौरव कुमार है। जिन्हें सड़क किनारे गन्ना का रस बेचने वाले ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां डा सोनू सनल बरवार ने पांचों घायलों का प्राथमिक उपचार किया।वहीं गंभीर रूप से घायल सारो देवी व सुगिया देवी को बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया। लक्ष्मण महली ने बताया कि वे अपने परिवार को रांची लेकर अपने घर जा रहे थे।

जमीन विवाद को लेकर बिजुलिया बना रणक्षेत्र
मारपीट में महिला समेत दर्जन भर लोग घायल

▶▶ दोनों तरफ से 18 पर केस

▶▶ पुलिस कर रही है तफ्तीश

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। बिजुलिया में जमीन विवाद और विवादित प्लॉट पर ट्रैक्टर से मिट्टी गिराने को लेकर मंगलवार की शाम करीब 6 बजे दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुयी। इसमें कुदाल, लाठी-डंडे और धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया। इस खूनी संघर्ष में महिला समेत दर्जन भर लोग घायल हो गये। दो की हालत गंभीर बतायी जा रही है। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें रिम्स रेफर कर दिया। जबकि, मामूली रूप से चोटिल लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी। रातू थाने में दोनों तरफ से 8 महिला समेत 18 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस इसकी तफ्तीश कर रही है।

जानें कौन-कौन हैं आरोपी

दिलीप गोप की पत्नी नीरू देवी ने 7 लोगों को आरोपी बनायी है। इसमें अवधेश साहू, ईश्वर साहू, मदन साहू, आनंद साहू, अनिता देवी, शांति देवी व राजमुनी देवी शामिल हैं। जबकि, ईश्वर साहू की ओर से संदीप गोप, कातिल गोप, छोटी देवी, दिलीप गोप, दीपक गोप, कपिल गोप, सुभाष गोप, विकास गोप, नीरू देवी, सीमा देवी व पूनम देवी पर हरवे हथियार से लैश होकर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया गया है।

झगड़ा में बीच बचाव करने पर भांजा की हत्या, मामा घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

मृतक नीतीश मेहता।

राहे। थाना क्षेत्र के बुकरुडीह गांव में मंगलवार रात 2 बजे बरातियों में हो रहे झगड़ा पर बीच बचाव करने गये मामा -भांजा को धारदार हथियार से मारा गया जिसमें भांजा का मौत हो गया है। घटना के संबध में ग्रामीणों ने बताया कि बुकरुडीह गांव के देवेंद्र कोइरी उर्फ भोंदू की बेटी की शादी थी। सरायकेला जिला के तिरुलडीह गांव से बारात आयी थी। बारातियों के सेवा सत्कार के बाद दूल्हे को मंडप पर बैठ के शादी की कार्यक्रम चल रही थी इसी दौरान मारपीट की आवाज सुनाई दी। मंडप से कुछ दूर में 23 वर्षीय युवक लहूलुहान हालत में गिरा पड़ा था।एक अन्य युवक घायल स्थिति में दौड़ कर मंडप तक आया और घटना की जानकारी दी। आनन फानन में दोनों को सोनाहातू अस्पताल लाया गया। स्थिति बिगड़ते देख दोनों को रिम्स रेफर किया गया। रिम्स में 23 वर्षीय युवक नीतीश मेहता का मौत हो गया।घायल संतोष मेहता का गंभीर स्थिति में इलाज किया जा रहा है।

मृतक नीतीश मेहता का मामा है संतोष मेहता। मृतक नीतीश मेहता बाघमुंडी थाना क्षेत्र के गागी गांव का रहने वाला था।रांची में रह कर एक निजी कंपनी में काम करता था। रिश्तेदार के शादी में शामिल होने मामा गांव आया था।मामा संतोष मेहता प्राइवेट चैनल में रिपोर्टिंग का काम करता है। इधर घटना के सूचना पर राहे पुलिस बुधवार को दिन भर गांव में पूछताछ कर छानबीन करती रही है। मामले को लेकर थाना में देर शाम तक कोई आवेदन नहीं आया है।

युवाओं को संवारने की पहल : मुख्यमंत्री सारथी योजना बनी आत्मनिर्भरता की नयी राह

खलारी। झारखंड सरकार ने राज्य के बेरोजगार युवाओं के लिए एक नई आशा की किरण जगाई है। मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत अब राज्य के युवा न केवल कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे, बल्कि उन्हें शत-प्रतिशत रोजगार की गारंटी भी दी जा रही है। यह पहल राज्य सरकार और शक्ति इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड (रांची) के सहयोग से चलाई जा रही है, जो तकनीकी प्रशिक्षण और प्लेसमेंट दोनों का एक समग्र मॉडल प्रस्तुत करती है। इस योजना के अंतर्गत युवाओं को पूरी तरह निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण, रहने-खाने की सुविधा, और प्रशिक्षण के दौरान आर्थिक प्रोत्साहन (स्टाइपेंड) भी दिया जा रहा है। महिला प्रशिक्षुओं को 1500 और पुरुष प्रशिक्षुओं को 1000 प्रतिमाह की सहायता दी जाएगी।खलारी प्रखंड में बुधवार को आयोजित नामांकन शिविर में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। 18 से 35 वर्ष की आयु के दर्जनों युवा आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचे और योजना के तहत पंजीकरण कराया। प्रशिक्षण के प्रमुख क्षेत्रः असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, सोलर टेक्नीशियन, सिलाई मशीन ऑपरेटर, असिस्टेंट ब्यूटी थेरेपिस्ट, नर्सिंग, डेटा एंट्री ऑपरेटर प्रशिक्षण की अवधि 3 से 6 महीने के बीच निर्धारित की गई है। यह कार्यक्रम मांग आधारित कौशल विकास पर केंद्रित है, जिससे प्रशिक्षु सीधे संबंधित क्षेत्रों में नौकरी प्राप्त कर सकें।

ऑटो और बाइक के टक्कर में पांच लोग घायल

मांडर। मांडर-टांगरबसली मुख्य पथ पर स्थित बुढ़ाखुखरा के निकट हुए सड़क हादसे में पांच लोग घायल हो गए। घटना मंगलवार की रात लगभग दस बजे कि है। बतया जाता है कंदरी निवासी 36 वर्षीय राहुल कुमार सड़क के किनारे अपनी बाइक को रोककर मोबाईल से बात कर रहे थे। इसी दौरान टांगर बसली कि ओर से एक तेज रफ्तार से आ रहे मालवाहक टेम्पो ने राहुल और बाइक को अपने चपेट में ले लिया जिससे पांच लोग घायल हो गए। टककर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सड़क किनारे पलट गयी। हादसे में बाइक सवार राहुल सहित टेम्पो पर सवार सरगांव निवासी अठारह प्रेमचंद् भगत 18 वर्ष, सुमित उरांव 15 वर्ष, मुरजुली के विक्रम उरांव 16 वर्ष, हेसल घुघरी का कुजूर 19 वर्ष घायल हो गए। राहुल कुमार गुप्ता को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है।

बेड़ो सड़क दुर्घटना में एक घायल, रिम्स रेफर

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर प्रखंड कार्यालय के समीप मंगलवार की रात लगभग साढ़े दस बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार नरकोपी थाना क्षेत्र के डोरंडा पीपर टोली गांव निवासी सुकरा मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें पीसीआर पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां डॉ सुमन ने घायल युवक का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

सड़क हादसे में ऑटो चालक घायल

मांडर। रांची-मेदिनीनगर मुख्य पथ पर मांडर टॉल के निकट हुए सड़क हादसे में एक ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बुधवार शाम लगभग 4:00 बजे की है। बताया जाता है कि पंडरा निवासी 32 वर्षीय सुनील कुमार साहू बीजूपाड़ा से ऑटो लेकर रांची की ओर वापस लौट रहा था, इसी दौरान टॉल नाके के निकट असंतुलित होकर उसकी ऑटो पलट गई। इस हादसे में उसे गंभीर चोटें आई है। घटना की जानकारी मिलते ही मांडर पुलिस ने उसे रेफरल अस्पताल मांडर पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु उसे रिम्स रेफर कर दिया गया।

प्रखंड मुख्यालय में बैठक का आयोजन

सिल्ली:- सिल्ली प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक बुधवार को किया गया। जिसमें सामुदायिक अस्पताल सिल्ली के प्रभारी प्रियंका कुमारी, शशि भूषण चौबे, मारुति नंदन उपस्थित रहे इस बैठक में प्रभारी प्रियंका कुमारी ने जानकारी देते हुए बताई की परिवार कल्याण दिवस प्रत्येक महीना के 11 तारीख को मनाने को लेकर टास्क फोर्स का गठन किया गया है जिसमें कम गर्भनिरोधक क्षेत्र एवं गर्भनिरोधक से अधिक पोशाक वाले क्षेत्र तथा दो बच्चों के बीच तीन वर्ष से काम का जन्म अंतराल हो उन सभी को स्वस्थ कर्मियों द्वारा सहिया एएनएम के उपस्थिति में परिवार कल्याण के बारे में जानकारी दी जाएगी।

गोली चलने की घटना पर ग्रामीणों की बैठक
डेयरी में आने वाले संदिग्धों पर होगी ग्रामीणा की नजर

खबर मन्त्र संवाददाता

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधि व स्थानीय ग्रामीण।

इसी फ्लो डेयरी में रहता था आरोपी।

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के बुढीबागी गांव में बुधवार को ग्रामीणा की एक बैठक हुई। बैठक में कोरंजा टोली में मंगलवार को चली गोली की घटना व एक की घायल होने पर चिंता जताया गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा गोली चलाने वाला आरोपी बुढीबागी फ्लो डेयरी का कर्मी था। डेयरी में एक भी गाय नही हैं। वहीं गांव के किसी को रोजगार पर नही रखा गया है। जिसके कारण डेयरी के अंदर क्या कार्य होते हैं, किसी को जानकारी नही है। वहीं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा गांव में कोई भी फैक्ट्री व व्यवसाय चालू होता है, और उसपर कार्य करने वालों पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। गोली की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी के अलावा फ्लो डेयरी में लगभग 7-8 युवाओं को वहां को देख जाता है। इसके अलावे कभी-कभी एक संदिग्ध युवती को भी डेयरी में आते-जाते देखा गया है। अन्य युवकों के साथ संदिग्ध युवती के बारे में भी पता लगाने की जरूरत है। कहा शिक्षा व स्वास्थ्य से जुडे कार्य करने आने वालों को गांव में स्वागत है। इसके अलावे बिना पंचायत प्रतिनिधियों व गांव वालों के जानाकरी पर किसी भी प्रकार का कार्य का ग्रामीणों द्वारा कोई सहयोग नही करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने कहा ग्रामीणों द्वारा डेयरी व गांव में किसी को संदिग्ध देखने पर पुलिस का जरूर जानकारी दें। बैठक में मुखिया प्रतिनिधि बिनोद बेदिया, पंसस प्रवेश भोगता व उपमुखिया निलांबर खरवार, ग्रामप्रधान सीताराम मुंडा, सुनील महतो, भीम मुंडा, सुरेंद्र प्रजापति, नकुल बेदिया, जयवीर बेदिया, पुरन गंझु, रामदयाल गंझु, गोविंद राम, मोहन बेदिया, संजय गंझु महाबीर बेदिया, बाबुलाल गंझु, राजेष बेदिया, सोहन महतो, मनीराम महतो, राम प्रसाद, उमीर्ला देवी, यशोदा देवी सहित कई महिलाएं व ग्रामीण उपस्थित थें।

962 बोरी चावल घोटाला: ट्रक नंबर बदल कर किया चावल का डायवर्शन

▶▶ व्यापारी की सजगता से खुला राज

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। बिहार के भागलपुर से रांची के पंडरा बाजार के लिए रवाना हुआ 962 बोरी चावल का ट्रक अचानक लापता हो गया। परिजनों से ज्यादा परेशान था वह व्यापारी, जिसने माल भेजा था। लेकिन इस बार सजगता और तकनीक के मेल ने करोड़ों के घोटाले को वक्त रहते उजागर कर दिया। रविवार को केबीए राइस मिल, भागलपुर से लोड होकर निकला 12 चक्का ट्रक जेएच 02 एके 6281सोमवार तक पंडरा नहीं पहुंचा। जब व्यापारी संजय कुमार ने जीपीएस के माध्यम से ट्रक की लोकेशन ट्रैक की तो चौंकाने वाली बात सामने आई झ ट्रक रांची जिले के खलारी स्थित बैंक चौक पर खड़ा था और चावल उतारा जा रहा था। संजय कुमार उर्फ संजय मोहरिया जब मौके पर पहुंचे, तो देखा कि ट्रक की नंबर प्लेट बदल दी गई थी और अब उस पर जेएच 02 एवाई 4704 लिखा था। लेकिन व्हाट्सएप पर प्राप्त असली ट्रक की तस्वीरों से मिलान करने पर बॉडी और पेंटिंग पूरी तरह मेल खा रही थी। यहीं से मामला संदेहास्पद हो गया। पूछताछ में सामने आया कि खलारी के एक दुकानदार को यह चावल 10 रुपया कम दाम में बेचा जा रहा था और उसने पहले ही 465 बोरी चावल अपने स्टोर में उतरवा लिया था। जब संजय ने पुलिस और खलारी डीएसपी को सूचित किया तो प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। मौके पर पहुंची टीम ने ट्रक की जांच की और बचा हुआ चावल दोबारा ट्रक में लोड करवाया। सूत्रों की मानें तो यह कोई साधारण मामला नहीं है, बल्कि यह संगठित स्तर पर ट्रक नंबर बदलकर चावल की हेराफेरी का एक बड़ा नेटवर्क हो सकता है। प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है और अन्य संबंधित एजेंसियों को भी सूचना दे दी गई है। अब बड़ा सवाल यह है की क्या चावल माफिया ने पूरे राज्य में ऐसा ही नेटवर्क खड़ा कर रखा है? और यदि संजय कुमार उर्फ संजय मोहरिया समय पर नहीं पहुंचते तो क्या यह घोटाला दबा रह जाता।

सड़क हादसे में तीन लोग घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। रांची गुमला मुख्य मार्ग पर इटकी थाना क्षेत्र के गढ़गांव स्थित डीएवी स्कूल के समीप बुधवार को हुई सड़क हादसे में तीन लोग घायल हो गए। जिसमे दो की स्थित गंभीर बताई जा रही है। घायलों में सालो देवी (55) पति बंधु महली व सुगिया देवी (45) पति लक्ष्मण महली दोनों सिसई थाना क्षेत्र के पलमी गांव के निवासी बताये गये हैं। ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को ईलाज के लिए बेड़ो सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉ अनल सानु बरवार ने प्राथमिक उपचार के बाद सालो देवी और सुगिया देवी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार गढ़गांव स्थित डीएवी अलोक स्कूल के समीप हाईवे के किनारे डबल्यूबी- 32 पी-8811 नम्बर की ब्रेजा कार को खड़ी कर चालक जुस पी रहा था। इसी दौरान रांची से सिसई जा रही जेएच 01-ईजे 0409 नम्बर की बैगन आर ने पिछे से ब्रेजा कार को टक्कर मार दिया। जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गये और बैगन आर में बैठे लोग घायल हो गये। इधर सूचना मिलने पर घटना स्थल पहुंची इटकी पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त कार को अपने कब्जे में ले लिया है।

शपथ पत्र

यह कि मैं संगीता देवी उम्र 45 वर्ष पति संजय कुमार प्रसाद साकिन अंबाकोठी मस्जिद रोड लातेहार का स्थाई एवं मूल निवासी हूं। यह कि मेरी पुत्री का सुकन्या समृद्धि योजना का खाता है जिसका खाता संख्या 5805894911 तथा सीआईएफ कोड 966562171 है। जिसमे मेरी पुत्री का नाम भूलवश परी कुमारी दर्ज हो गया है। यह की मेरी पुत्री का आधार नंबर-977140184039 है। जिसमे मेरी पुत्री का नाम सौम्या कुमारी दर्ज है। जो सही है। जिसके लिए मैं शपथ पत्र कर रही हूँ।

कार्यालय, नगर पंचायत, लातेहार
शुद्धि पत्र

नगर पंचायत, लातेहार के ज्ञापांक 851 दिनांक 06.05.2025 द्वारा जिला सूचना एवं जनसम्पर्क पदाधिकारी लातेहार के माध्यम से PR NO 352186 Urban Development (25-26).D द्वारा 12 अदद DMFT योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित अतिअल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना सं0 **UDD/LNP/06/2025-26** में Last Date/Time of submission of bids-18.05.2025 upto 03:00 pm, ,oa Technical & Financial Bid opening date (Online)-19.05.2025 at 5.00 PM की तिथि टंककीय भूलवश अंकित हुई है, जिसे Last Date/Time of submission of bids-19.05.2025 upto 03:00 pm, एवं Technical & Financial Bid opening date (Online)- 20.05.2025 at 5.00 PM पढा व समझा जाय, शेष यथावत रहेगें।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR.NO.352406 Urban Development(25-26):D

उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

मनरेगा कोषांग

-: अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना :-

(Third Call)

ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड रांची के पत्रांक (N) 273 (अनु०) दिनांक 03.03.2025, पत्रांक (N) 77 दिनांक 22.01.2025 एवं पत्रांक (N) 265 (अनु०) दिनांक 03.03.2025 के आलोक में मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में खूँटी जिला में 2000 एकड़ में बागवानी किया जाना प्रस्तावित है। उपरोक्त प्रासंगिक पत्र के आलोक में बिरसा हरित ग्राम योजना के क्रियान्वयन हेतु बागवानी में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न सामग्रियों का क्रय किया जाना है। उक्त के संबंध में सुयोग्य/अधिकृत इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं/निर्माताओं से निम्न सामग्रियों के क्रय हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र०सं०	सामग्री का नाम	विवरण	इकाई
1	Antibiotic	Plant Antibiotic (Kasugamycin 5% या समतुल्य)	प्रति 5gm
2	रसायनिक खाद	यूरिया	Kg
		NPK 10:26:26 (सुफला या समतुल्य)	Kg
		MoP (पोटाश)	Kg

नोट :- 1. निविदा की विस्तृत जानकारी खूँटी जिला के वेबसाइट www.khunti.nic.in से प्राप्त किया जा सकता है अथवा कार्यालय अवधि में जिला ग्रामीण विकास शाखा, खूँटी (मनरेगा कोषांग) के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

2. इच्छुक निविदादाता **दिनांक 21.05.2025 को अपराह्न 01:00 बजे** तक उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, जिला ग्रामीण विकास शाखा, खूँटी (मनरेगा कोषांग) में मुहरबंद निविदा जमा कर सकते है। निविदा उसी दिन **दिनांक 21.05.2025 को अपराह्न 03:00 बजे** उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, जिला ग्रामीण विकास शाखा, खूँटी (मनरेगा कोषांग) में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जाएगी। निविदा खोलने के समय निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से नमूना के साथ उपस्थित रहेंगे। लिफाफे के उपर **Plantation under MGNREGA (Material)** अंकित किया जाए।

ह०/-
उप विकास आयुक्त-सह-
अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, खूँटी

PR 352330 District(25-26)#D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, राँची, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (सामान्य), राँची

शैक्षणिक सत्र 2025-26-27 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, राँची के पत्रांक- 639, दिनांक-07/05/2025 के अनुपालन में सूचित किया जाता है कि NCVT से मान्यता प्राप्त व्यवसायों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (सामान्य), राँची के शैक्षणिक सत्र 2025-26-27 में नामांकन के लिए योग्य आवेदकों (महिला सहित) से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी/स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हैं, उनसे ऑनलाईन (https://iti.jharkhand.gov.in के Admission tab) आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

1. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:-वायरमैन, मेशन (बिल्डिंग कन्स्ट्रक्टर), प्लम्बर एवं वेल्डर व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को आठवीं (8वीं) कक्षा में उत्तीर्णता आवश्यक है एवं शेष व्यवसायों के लिए 10th class Passed (Matric Passed) होना आवश्यक है।
2. आयु अहर्ता:-01 जुलाई 2025 को न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्श के बीच होनी चाहिए। सैन्य कार्रवाई में मारे गये सैन्य कर्मियों के विधवाओं के मामले में अधिकतम आयु 45 वर्ष होना चाहिए।
3. महत्वपूर्ण तिथियाँ:-

क्र०सं०	विवरणी	तिथि
1	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20/05/2025
2	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि	13/06/2025 अपराह्न 5:00 बजे तक
3	औपबंधिक मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	16/06/2025 अपराह्न 6:00 बजे
4	औपबंधिक राज्य मेधा सूचियों में शामिल आवेदकों द्वारा प्राप्तांक /प्राप्तांक प्रतिशत, कोटि एवं अन्य प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार की अवधि	17/06/2025 से 19/06/2025
5	अंतिम मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	21/06/2025

4. डी०जी०टी० के पत्रांक-DGT-MIS 011/1/2025-O/o DIR(TC) [71015], दिनांक-08/04/2025 के आलोक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों का वैध मोबाईल नम्बर, ई-मेल आई०डी० एवं आधार नम्बर आवश्यक है तथा National Trade Certificate (NTC) उत्तीर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक उसमें परिवर्त्तन करने की अनुमति नहीं होगी। डी०जी०टी० का पत्र https://iti.jharkhand.gov.in के Download Section के Notification Tab में देखा जा सकता है।
5. नामांकन संबंधी विस्तृत महत्वपूर्ण सूचना झारखण्ड ITI webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के Download Section के Notification Tab में देखा/Download किया जा सकता है।
6. किसी प्रकार की महत्त्वपूर्ण जानकारी हेतु ITI webportal के Grievance Section में टिकट raise किया जा सकता है एवं आवश्यकतानुसार मो० नं०-7717775369/6200964693/8252575749/9308058506/ 7004486480/9631039626 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

उक्त सूचना को Jharkhand के ITI Webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के Download Section के Notification Tab में देखा/Download किया जा सकता है।

ह०/-
प्रवर कोटि प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (सामान्य), राँची

PR 352407 Labour Employment and Traning(25-26)#D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
प्राचार्य का कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडाँड, लातेहार-822119
Email - itimahuadanr@gmail.com

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडाँड, लातेहार में शैक्षणिक सत्र 2025-26-27 में नामांकन संबंधित सूचना

1. झारखण्ड सरकार के NCVT के अन्तर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडाँड, लातेहार में निदेशालय पत्रांक -639 दिनांक- 07.05.2025 के अनुपालन में शैक्षणिक सत्र 2025-26-27 में विभिन्न व्यवसायों के लिए योग्य आवेदकों से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी/स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हो और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हों, वे ऑनलाईन (https://iti.jharkhand.gov.in ⇒Admission Tab) में आवेदन पत्र भरने के उपरांत नामांकन प्रक्रिया में भाग लेकर इच्छुक अभ्यर्थी अपना नामांकन करा सकते हैं। इस संबंध में विस्तृत विवरणी निम्नवत् है-
2. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:-
(क) वेल्डर, व्यवसाय के लिए आठवीं कक्षा उत्तीर्ण।
(ख) इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मैकेनिक डीज़ल व्यवसाय के लिए माध्यमिक/10वीं परीक्षा उत्तीर्ण।
3. आयु अहर्ता:-
(क) 01.07.2025 को आवेदक की न्यूनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम आयु 40 वर्ष के बीच होना चाहिए।
(ख) दिव्यांग जनों/सैन्य कारवाई में दिवंगत सैन्य कर्मियों के विधवाओं के मामले में अधिकतम आयु 45 वर्ष तक है।
4. महत्त्वपूर्ण तिथियाँ:-

क० सं०	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20.05.2025
02	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	13.06.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक
03	1st Round Admission (नामांकन) की अवधि	04.07.2025 से 21.07.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक
04	2nd Round Admission (नामांकन) की अवधि	04.08.2025 से 14.08.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक

5. व्यवसायवार रिक्त सीटों की विवरणी निम्नवत है-

क० सं०	ट्रेड	अवधि	सामान्य GEN	आर्थिक रूपे से कमजोर वर्ग EWS	अनुसूचित जनजाति ST	अनुसूचित जाति SC	पिछड़ा वर्ग-I BC-I	पिछड़ा वर्ग-II BC-II	दिव्यांग PH	SMQ	कुल
01	इलेक्ट्रीशियन	2 वर्ष	15	4	11	8	0	0	1	1	40
02	फिटर	2 वर्ष	15	4	11	8	0	0	1	1	40
03	मै० डीज़ल	1 वर्ष	18	5	13	10	0	0	1	1	48
04	वेल्डर	1 वर्ष	15	4	11	8	0	0	1	1	40
	कुल		63	17	46	34	00	00	4	4	168

6. सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडाँड, लातेहार में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों का वैध मोबाईल नम्बर, ई-मेल ID एवं आधार नम्बर अनिवार्य है तथा सत्र की समाप्ति तक उनमें परिवर्तन करने की अनुमति किसी भी परिस्थिति में नहीं होगी।
7. SLC/CLC/TC एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नामांकन के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
8. अन्य किसी भी प्रकार की विस्तृत विवरणी उपरोक्त ऑनलाईन वेबसाईट (https://iti.jharkhand.gov.in) में देखा जा सकता है।

प्रभारी प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महुआडाँड, लातेहार

PR.NO.352327 Labour Employment and Traning(25-26):D

आदमपुर का संदेश

पाक ने दावा किया था कि उसने आदमपुर एयरबेस पर हमले करके सुदर्शन चक्र यानी एस-400 को तबाह कर दिया है। विगत दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने इस एयरबेस में वायु सेना के कर्मियों से बातचीत की और शानदार काम के लिये उनकी पीठ थपथपायी। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। आतंकी ठिकानों और सैन्य हवाई अड्डों पर सटीक हमले इस ऑपरेशन के कामयाब लक्ष्य रहे। सबसे महत्वपूर्ण इस दौरान भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता रही। जिसने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक क्षेत्रों पर हमले की पाकिस्तान की तमाम कोशिशों को विफल बना दिया। उल्लेखनीय है कि सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानी ड्रोनों और मिसाइलों को तिनके की तरह मार गिराने के लिये देश के वायु रक्षा कवच की मुक्तकंठ से प्रशंसा की थी। ठीक अगले ही दिन, उन्होंने आदमपुर एयरबेस की यात्रा की और वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाया। निश्चित रूप से यह हमारे वायु योद्धाओं और सशस्त्र बलों की बहादुरी को देश का हृदय से सलाम ही था। साथ ही प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार की जड़ पर प्रहार किया। जब प्रधानमंत्री वायु सैनिकों को संबोधित कर रहे थे तो पृष्ठभूमि में स्पष्ट रूप से सही-सलामत सुदर्शन चक्र दिखायी दे रहा था। जो पाक को स्पष्ट संदेश दे गया कि वायु सेना के पास जश्न मनाने की वजह मौजूद है। यह ऑपरेशन सिंदूर ही था, जिसने नये युग के युद्ध में भारतीय वायुसेना की दक्षता सिद्ध की। देश की वायु सेना युद्ध शक्ति, आक्रमण, रक्षा क्षमता, आधुनिकीकरण और रसद आपूर्ति के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाओं में से एक है। वैश्विक स्तर पर, यह चीन, इस्राइल और फ्रांस की वायु सेनाओं से भी बेहतर है। इसने देश की रक्षा की और दुश्मनों को औकात बता दी।

मेष : बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

पाकिस्तान में पनप रहे गृह युद्ध के हालात?

जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं।

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्यवाही को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छिप कर बैठे हैं। भारत ने आपरेशन सिन्दूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया था, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कई बार चेतावनी

- सुरेश

> इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए।

दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है।

जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है। अभी शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान में ऐसा पहली नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना। सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं।

इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए। इससे पूर्व ब्लूचिस्तान के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाई जैक करके पाकिस्तान की सरकार के समक्ष चुनौती पूर्ण हालात पैदा कर दिए थे। ब्लूचिस्तान लम्बे समय से पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है।

दूसरी ओर पाकिस्तान के अंदर सिंध और पंजाब में भी कई बार सरकार के विरोध में स्वर मुखरित हो चुके हैं। कहा जाता है कि इन दोनों राज्यों के साथ सरकार ने उपेक्षित व्यवहार किया है। जिसके कारण पाकिस्तान की सरकार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। यह सारी स्थिति पाकिस्तान को गृह युद्ध की ओर भी ले जा सकती हैं।

एस-400 के शानदार इस्तेमाल से खुश हुआ रूस

भारत को दिया ऐसा ऑफर, सुनकर कांप उठा पाकिस्तान

अभिनय आकाश

रूस भारत का बेहद करीबी मित्र है। भारत पर अगर कभी किसी ने उंगली उठाई या अंतरराष्ट्रीय मंच पर कभी समर्थन की जरूरत पड़ी तो रूस ने हमेशा पहली कतार में खड़े होकर या फिर यूं कहें कि भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा।

पाकिस्तान की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर के बाद बार्डर से सटे इलाकों में ड्रोन और मिसाइलों से अटैक किया गया। भारत की तरफ से इन मिसाइलों को रोकने के लिए स्पाइडर मिसाइल डिफेंस सिस्टम, आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम के अलावा एस 400 का सबसे बड़ा योगदान रहा। कुछ पल में ही उनके सारे अटैक को नाकाम कर दिया गया। भारत के सुदर्शन चक्र ने पूरी दुनिया में इन दिनों बवाल मचा रखा है। एस 400 की परफामेंश को लेकर हर कोई हैरान है।

भारत ने जितना मजबूत एयर डिफेंस ग्रिड बनाया उतनी ही बड़ी तस्वीर दुनिया तक पहुंची। भारत के एयर डिफेंस ग्रिड को देखकर पूरी दुनिया हैरान है और इसीलिए पूरी दुनिया अब इसी ग्रिड को समझने की कोशिश में लग चुकी है। अब भारत की तरफ से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका जिक्र भी आया। लेकिन ये सब कैसे संभव हुआ। ये सब संभव इसलिए हुआ क्योंकि भरत के पास एक मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम था।

पुराने एयर डिफेंस सिस्टम से लेकर सबसे ताजा एस 400 तक को भारत ने एयर डिफेंस ग्रिड में बिछा दिया। जिसने भारत के आसपास सुरक्षा घेरा बना दिया। इसी सुरक्षा घेरे में एस 400 रूपी एक हथियार था। एस 400 को लेकर देश-दुनिया में इतनी हलचल है और ऐसे में अगर एस 500 भारत आ जाएगा तो पूरी दुनिया में सोचिए क्या नजारा होगा। एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम जो रूस की सबसे बड़ी ताकत मानी जाती है। जिसने यूक्रेन जंग में भी अनोखा रिजल्ट दिया।

सामयिक

अब भारत में भी इसने परिणाम दिखा दिए। यही कारण है कि अब रूस ने खुश होकर भारत को एस 500 का ऑफर दे दिया है। एस 400 की सफलता के बाद अब रूस भारत को एस 500 देना चाहता है।

रूस भारत का बेहद करीबी मित्र है। भारत पर अगर कभी किसी ने उंगली उठाई या अंतरराष्ट्रीय मंच पर कभी समर्थन की जरूरत पड़ी तो रूस ने हमेशा पहली कतार में खड़े होकर या फिर यूं कहें कि भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा। यह हथियार भारत को मिल गया तो चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की मुश्किलें कितनी बढ़ जाएगी यह आप समझ ही सकते हैं। रिपोर्ट बताते हैं कि भारत और रूस मिलकर एस 500 का ज्वाइंट प्रोडक्शन भी कर सकते हैं। रूस के साथ मिलकर एस 500 के ज्वाइंट प्रोडक्शन का ऑफर मॉस्को की तरफ से दिया गया है। हालांकि सुरक्षा मामलों को देखते हुए इस प्रस्ताव की पूरी जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। लेकिन खबरें बता रही हैं कि जल्द ही एस 500 को लेकर भ रूस और भारत के बीच डील फाइनल हो सकती है।

क्या है एस 500 की खासियत

एस-500 कितना शक्तिशाली है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें लगी मिसाइलें अंतरिक्ष में मौजूद किसी भी लक्ष्य को पलक झपकते ही नष्ट करने में सक्षम है। र-500 मिसाइल सिस्टम को रूसी हथियार कंपनी अल्माज-एनेटी कॉर्पोरेशन ने बनाया है। यह वही कंपनी है, जिसने इसके पहले र-300 और र-400 का उत्पादन किया है। रूस का दावा है कि इस सिस्टम के अत्याधुनिक रडार से दुश्मनों के स्टील्थ लड़ाकू विमान भी बच नहीं पाएंगे।

युद्ध पर बनी फिल्म को मिलती है जबरदस्त सफलता

भारत रत्न लता मंगेशकर का भारत-चीन युद्ध के बाद 1963 में गाया ऐ मेरे वतन के लोगो.. हो, या 1965 की शहीद फि ल्म का अमर गाना ह्यमेरा रंग दे बसंती चोला..ह्ण हो, या फिर 1986 में रिलीज सुभाष घई की कर्मा का गीत दिल दिया है, जान भी देंगे, ऐ वतन तेरे लिए..भारत-पाक जंग के मौजूदा माहौल में एक बार फिर हर देशवासी देश प्रेम के जोशीले फि ल्मी तराने गुनगुनाने लगा है। एआर रहमान का 1997 का ह्यमां तुझे सलाम.. वंदे मातरम.., द लीजेंड ऑफ भगत सिंहह्ण (2002) का देश मेरे.., और 2019 की केसरी का ह्यतेरी मिट्टी.. भी जोश जगाने के लिए पीछे कहां हैं।

संदेशे आते हैं..

करीब 28 साल पुराना गीत संदेशे आते हैं.. भी किसी से कम नहीं। गीत निर्देशक जेपी दत्ता की युद्ध शैली पर बनी बॉर्डर (1997) फिल्म का है। सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना अभिनीत यह फिल्म लोंगेवाला क्षेत्र में भारतीय वीर जवानों के दल की

सामयिक

कठिनाइयों को दशार्ती है। गीत ह्यसंदेशे आते हैं.. ह्यअसाधारण संवेदनशीलता के साथ रचा गया है। गीत के बोल राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाते-निभाते परिजनों से दूर होने के दर्द को जाहिर करते हैं।

ऐसी कई फि ल्में तो बनी ही युद्ध की पृष्ठभूमि पर हैं। दशकों पहले 1971 की भारत-पाक जंग के अगले साल रिलीज निर्देशक रामानंद सागर की ह्यललकारह्ण में अभिनेता राजेंद्र कुमार और धर्मेंद्र राजन और राम नाम के भाइयों की भूमिका में हैं। उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध में जंग में भेजा जाता है। जब एक भाई को मृत मान लिया जाता है, तो दूसरे को गुप्त मिशन पर भेजा जाता है। किशोर कुमार और लता मंगेशकर की आवाजों से सजा गीत ह्यआज गा लो, मुस्कुरा लो..ह्ण याद दिलाता है कि संघर्ष की घनघोर छाया में भी प्रेम और जीवन कैसे कायम रहता है। द सर्जिकल स्ट्राइकह्ण फिल्म का जग्गा जितेया ते मिल्लन वधाइयां.. पारंपरिक देशभक्ति गीत से हट कर है। एक योद्धा का यह गान मातृभूमि की रक्षा के लिए अंदरूनी ज्वाला चरम पर पहुंचाने में कसर नहीं छोड़ता। साल 2019 में रिलीज फिल्म 2016 के उरी हमले के लिए जवाबी कार्रवाई के घटनाक्रम का सिनेमाई रूप है। फि ल्म में अभिनेता विक्की कौशल पाक इलाकों पर सर्जिकल स्ट्राइक का नेतृत्व करते काल्पनिक मेजर विहान सिंह शेरगिल के रोल में है।

कर चले हम फि दा जान-ओ-तन साथियो.. गीतकार कैफी आजमी का शब्दब गाना शहादत की एक अमर कविता है। गीत चेतन आनंद निर्देशित हकीकत(1964) फि ल्म का है। फि ल्म में धर्मेंद्र ने कैप्टन की भूमिका निभाई है। वह 1962 की चीन- भारत जंग में लड़ते हैं। हिंदुस्तान की कसम.. न झुकेगा सर वतन का .. कैफी आजमी लिखित और चेतन आनंद निर्देशक जोड़ी की ही एक और पेशकश है। गीत मन्ना डे और मुहम्मद रफी की आवाज से सजा और मदन मोहन के संगीत से खिला है।

भारतीय सशस्त्र बलों का जश्न मनाता आधुनिक युद्ध गान है -जय हिंद की सेना..। यह चार साल पहले 2021 की फिल्म शेरशाह का है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म के पीछे वास्तविक जीवन की प्रेरणाओं की भूमिका निभाते हैं कैप्टन विक्रम बत्रा। उनकी कुबार्नी का कारगिल युद्ध में भारत को विजयी बनाने में अहम रोल रहा है।

..जब अमन की बांसुरी, गूंजे गगन के तले बस इतना याद रहे, एक साथी और भी था हृदयविदारक ट्रैक गिरे हुए साथियों के लिए एक मार्मिक शोकगीत है फिल्म एलओसी कारगिल का। साल 2003 की जेपी दत्ता की क्लासिक फिल्म भारतीय सैनिकों की जंग के दौरान की कहानी है। यह अजय देवगन, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, सैफ अली खान, सुनील शेट्टी और रानी मुखर्जी जैसे कलाकारों की मल्टीस्टारर युद्ध साल 2004 की फरहान अख्तर निर्देशित फिल्म लक्ष्य भी युद्ध पर आधारित फिल्म है। देश में ऐसे फिल्म लोकप्रिय होते हैं।

लेटर टू एडिटर

शिक्षा का अर्थ

शिक्षा का अर्थ केवल एक निश्चित पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों तक पहुंचाना नहीं होता, बल्कि नैतिकता का पाठ भी पढ़ाना होता है। भारतीय शिक्षा पद्धति का आधार नैतिक चरित्र ही रहा है। ज्ञान में किया गया निवेश सर्वश्रेष्ठ होता है। शिक्षा व्यक्ति में निहित प्रतिभा को निखारती है। शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं, बल्कि स्वयं ही जीवन है।

-अनूप कुमार, रांची

किसानों की नाराजगी

भारतीय किसान यूनियन और पंजाब सरकार के बीच टकराव का उल्लेख है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान किसानों की मांगों के प्रति सहानुभूति रखते हुए भी भारतीय किसान यूनियन की बैठक छोड़कर चले गए। इसके बाद किसान यूनियन ने आंदोलन का ऐलान किया, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हुई। पंजाब सरकार को हड़ताली कर्मचारियों की समस्याओं को सहानुभूति से हल करना चाहिए। **- रवि, रांची**

X ट्वीट

'लोकमाता' पूज्य देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत लखनऊ में आज आयोजित प्रदेश कार्यशाला में सम्मिलित हुआ। अहिल्याबाई होल्कर जी ने सत्ता संभालने के बाद बहुत ही स्पष्ट उद्घोषणा की थी कि मेरा पथ धर्म का पथ है, धर्म का पथ ही न्याय का पथ है। न्याय का पथ हमें सर्वशक्तिमान और समर्थ बनाने में सहायक हो सकता है और उसी भाव के साथ उन्होंने उस कालखंड में सनातन धर्म की पुनर्स्थापना में अपना योगदान दिया था। उस विशाल और विराट व्यक्तित्व के प्रति भारत की सनातन धर्म की पवित्र परंपरा ने उन्हें 'पुण्यश्लोक' के रूप में सादर नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है।

- योगी आदित्यनाथ

महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति के साथ नये मुख्य न्यायधीश राष्ट्रपति भवन में। तस्वीर अजय सानी की

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज़

ए ला एंगलाइज के साइंस व वाणिज्य के छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

भुरकुंडा (रामगढ़)। ए ला एंगलाइज विद्यालय, भुरकुंडा के छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में विज्ञान और वाणिज्य संकाय में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रौशन किया है। विज्ञान संकाय में वैभव राज ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर रामगढ़ जिला में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं दिया ठाकुर 76.4 प्रतिशत, मो. शाहनवाज 75.8 प्रतिशत, मयंक कुमार 75.2 प्रतिशत, अनन्या 75 प्रतिशत, पीयूष कुमार 71.8 प्रतिशत, नायरा फातिमा 70.6 प्रतिशत, लक्ष्मी कुमारी 68.6 प्रतिशत, जिया कुमारी 68.2 प्रतिशत और रितिक कुमार 65.6 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल के टॉप टेन अपनी जगह बनाई। वैभव राज अंग्रेजी में 98, भौतिकी में 94, रसायन विज्ञान में 98, गणित में 98, आईपी में 91 तथा शारीरिक स्वास्थ्य में 93 अंक हासिल किए। वाणिज्य संकाय में भी छात्रों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त किया। इसमें वैभव कुमार 96.8 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय ही नहीं बल्कि रामगढ़ जिला में भी शीर्ष स्थान पाया है। उन्होंने अंग्रेजी में 97, अर्थशास्त्र में 95, अकाउंट में 98, व्यवसाय अध्ययन में 98, गणित में 95 और शारीरिक स्वास्थ्य में 96 अंक प्राप्त किये।

स्कूल में 99 छात्रों की फ्लोरोसिस जांच

रामगढ़। राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बुधवार को रामगढ़ जिले के महात्मा गांधी हाई स्कूल भुरकुंडा में जांच शिविर लगा। इस शिविर में 99 छात्रों की फ्लोरोसिस जांच की गई। सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद और जिला नोडल पदाधिकारी राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम डॉ तुलिका रानी की ओर से संयुक्त नेतृत्व में विद्यालय के पानी के सैंपल में भी फ्लोराइड की जांच की गयी। डिस्ट्रिक्ट कंसल्टेंट डॉ पल्लवी कौशल के द्वारा 99 बच्चे की जांच की गई। कुल 19 बच्चों में जांच के बाद लक्षण पाए जाने पर उनके पेशाब का सैंपल लिए गए। लैब टेक्नीशियन जीतेन्द्र कुमार ने जांच के बाद नौ बच्चों में इस बीमारी की पुष्टि की।

स्केटिंग के प्रतिभा हुये सम्मानित

भुरकुंडा (रामगढ़)। रामनवमी के अवसर पर शोभायात्रा में स्केटिंग का प्रदर्शन करने वाले श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा के प्रतिभागियों को बजरंग दल भुरकुंडा द्वारा सम्मानित किया गया। दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजक अनामिका श्रीवास्तव, बजरंग दल संयोजक किशोर कुमार, मंगला शोभा यात्रा अध्यक्ष सोनू कुमार, सूरज कुमार ने सभी को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अनामिका श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चों ने अपनी प्रतिभा से शोभायात्रा की रौनक बढ़ाई। बच्चे हमेशा आगे बढ़ते रहें, इसकी शुभकामनाएं देती हूं। सम्मानित होने वाले प्रतिभागियों में तन्वी कुमारी, सुजल सोरेन, अर्पण आर्या, किशन अग्रवाल, उज्ज्वल कुमार सिंह, आशीष कुमार राणा, सक्षम साव, आयुष कुमार, आदित्य सिंह, अंकित कुमार, प्रिंस मंडल, मयंक कर्ण शामिल हैं। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया, प्राचार्य विवेक प्रधान उपस्थित थे।

समर कैंप में बच्चों ने की मस्ती

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में चल रहे समर कैंप का बुधवार को समापन हुआ। बच्चों ने मेडिटेशन, योग, पेपर क्राफ्ट, लीफ क्राफ्ट, पेंटिंग, चम्मच दौड़, स्टोरी टेलिंग, पपेट शो, क्विज, म्यूजिक, आदि गतिविधियों में उत्साह के साथ भाग लिया। जुम्बा और डांस में बच्चों ने भरपूर मस्ती की। बच्चों में पर्यावरण की समझ विकसित करने के लिए समर कैंप के दैरान क्यारी सजावट व पौधरोपण की एक्टिविटी कराई गई। फल एवं सब्जियों की कटिंग, सुई-धागा से काज-बटन बनाना भी सिखाया गया। अंतिम दिन बच्चों को पिकनिक और मौज-मस्ती के लिए उरीमारी क्षेत्र के दामोदर नदी तट पिकनिक स्पॉट ले जाया गया। यहां बच्चों ने छिछले पानी में जमकर मस्ती की। स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि समर कैंप बच्चों के मन से पढ़ाई के प्रेशर को दूर करता है। उन्हें नई गतिविधियां सीखने को मिलती है। बच्चों में दूसरों की मदद करने का भाव जागृत होता है।

पीवीयूएनएल में श्रम कानून पर कार्यशाला

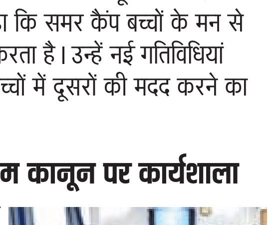

भुरकुंडा। पतरातू विद्युत उत्पादक निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) द्वारा श्रमिकों को श्रम कानूनों की गहराई से जानकारी देने को लेकर मंगलवार को रशियन हॉस्टल सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में श्रम कानून विषय के विशेषज्ञ डॉ. तनमय पटनायक (पीएचडी, एलएलएम, एलएलबी) ने श्रम विधियों की विस्तृत व्याख्या की। कार्यशाला का शुभारंभ पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरके सिंह, परियोजना प्रमुख अनुपम मुखर्जी तथा मानव संसाधन प्रमुख जियाउर रहमान की उपस्थिति में हुआ। डॉ. पटनायक ने भारतीय संविदा अधिनियम, औद्योगिक विवाद अधिनियम एवं वेतन भुगतान अधिनियम जैसे प्रमुख श्रम कानूनों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित कर्मचारियों, ठेका श्रमिकों व अधिकारियों से संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

भुरकुंडा में वृद्ध महिला से 50 हजार छीना

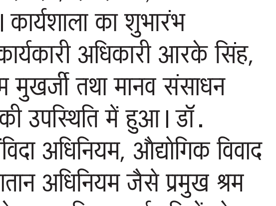

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से 50 हजार रुपये की छिनतई का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार, भदानीनगर मतकमा निवासी शांति देवी महिला ने पटेलनगर बैंक ऑफ इंडिया से लगभग सवा तीन बजे 50 हजार रुपये निकालकर पैदल अपने घर मतकमा जा रही थीं। इसी दौरान बुल्लू रंग की अपाची में सवार दो युवकों ने उनका पीछा किया और पटेलनगर शिवमंदिर के पास छिनतई कर भाग निकले। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है, जिसमें दो युवक अपाची पर महिला का पीछा करते दिख रहे हैं।

हजारीबाग में प्रतिनियोजन के नाम पर धांधली

शिक्षा विभाग में योग्यता की जगह चहेतों को मिल रही तरजीह

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग शिक्षा विभाग में प्रतिनियोजन अब सरकारी आदेश नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित धांधली तंत्र बन चुका है। यहां काबिलियत नहीं, बल्कि सिफारिश, पहुंच और पैसे के दम पर शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। योग्यता रखने वाले शिक्षक दर-दर भटक रहे हैं, जबकि चहेते नियमों को धत्ता बताते हुए मनचाही जगह पर तैनात हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय में प्रतिनियोजन के लिए योग्यता और नियमों को बजाय संबंध और रसूख ही प्रमुखता पा रहे हैं। हाल ही में नव प्राथमिक विद्यालय डीवीसी में एक सरकारी शिक्षिका कुमारी मीनू मेहता को प्रतिनियुक्त किया गया। मीनू मेहता प्राथमिक विद्यालय जलोंध, इचाक में सहायक शिक्षिका हैं। उनका घर भी जलोंध डीवीसी के समीप ही है। सूत्र बताते हैं कि इस प्रतिनियोजन में नियमों की पूरी तरह अनदेखी की गई है। नियमों के अनुसार, किसी स्कूल में शिक्षक प्रतिनियुक्त तभी किया जा सकता है जब वहां एक भी शिक्षक न हो। मगर डीवीसी स्कूल में पहले से ही दो पारा शिक्षक तैनात हैं। इसके बावजूद कुमारी मीनू मेहता को वहां तैनात किया गया। हैरानी की बात यह है कि जिले में 172 ऐसे स्कूल हैं जहां एक भी सरकारी शिक्षक नहीं है। मगर उन स्कूलों को छोड़कर डीवीसी में मीनू मेहता की तैनाती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस प्रतिनियोजन सिस्टम से नाराज शिक्षकों का कहना है कि कई बार आवेदन करने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। नाम न छापने की शर्त पर एक शिक्षक ने कहा, हमने कई बार प्रतिनियोजन के लिए आवेदन किया, लेकिन हर बार हमारा नाम कट जाता है। वहीं, पैसे और सिफारिश के दम पर दूसरों को मौके दिए जा रहे हैं। कई शिक्षक विगत 2-3 वर्षों से प्रतिनियोजन में चल रहे हैं। हास्यास्पद बात यह है कि जलोंध से मात्र 03 किलोमीटर की दूरी पर अलोंजा खुर्द गांव है जहा के मध्य विद्यालय में 300 छात्र 3 पारा शिक्षकों के भरोसे है। गांव के मुखिया सकेंद्र प्रसाद मेहता ने बताया कि उन्होंने सरकारी शिक्षक देने को लेकर इस सम्बन्ध में प्रखंड स्तर से लेकर जिले तक दौड़ लगायी लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। वैसे देखा जाए तो इस प्रतिनियोजन प्रक्रिया के संबंध में शिक्षा विभाग के पास स्पष्ट दिशा-निर्देश होने के बावजूद, उन्हें लागू करने के बजाय नजरअंदाज किया जा रहा है। इससे न केवल योग्य उम्मीदवारों में आक्रोश बढ़ रहा है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है। अगर शासन ने जल्द ही प्रतिनियोजन प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं लाई, तो यह सिस्टम योग्यता और न्याय को पूरी तरह नष्ट कर देगा। अब देखना यह है कि शिक्षा विभाग इस गड़बड़ी पर लगाम लगाता है या फिर यह 'सिस्टम' और मजबूत होता जाएगा।

हजारीबाग में 5.39 किलो अफीम जब्त, दो गिरफ्तार

गिरफ्तार तस्कर जितेंद्र कुमार, चतरा और हलधर मुंडा रांची निवासी है

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने अफीम तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर 13 मई 2025 की रात मंडईखुर्द-सियारी चौक मार्ग स्थित श्मशान घाट के पास पुलिस ने मोटरसाइकिल चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मोटरसाइकिल संख्या जे एच 01 इजी 3483 के चालक जितेंद्र कुमार के पास से 1.215 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। वहीं, दूसरी मोटरसाइकिल संख्या जे एच 01 एफ एम 9129 के चालक हलधर मुंडा के पास से 1,10,000 रुपये नगद मिले। गिरफ्तार दोनों आरोपियों की निशानदेही पर लोहसिंघना थाना क्षेत्र के उत्तरी शिवपुरी मोहल्ला स्थित एक किराए के मकान में छापेमारी की गई। वहां से 4.180 किलोग्राम अफीम और 10.200 किलोग्राम लठा (रसायनिक पदार्थ) बरामद किया गया। पुलिस ने कुल 5.395 किलोग्राम अफीम, 10.280 किलोग्राम लठा, तीन मोबाइल फोन, दो मोटरसाइकिल, एक वेट मशीन और 1,10,000 रुपये नगद जब्त किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जितेंद्र कुमार उर्फ जितु (चतरा) और हलधर मुंडा (रांची) के रूप में हुई है। छापेमारी में एसडीपीओ अमित आनंद, थाना प्रभारी पुन्नु यादव, ओपी प्रभारी बद्रू रजक, प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय व रिजर्व गार्ड थाना लोहसिंघना शामिल थे।

जदयू के रांची प्रभारी बने जगदीश महतो

कुजू। जनता दल यूनाइटेड के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद राज्यसभा खीरु महतो ने झारखंड में संगठन मजबूती को लेकर जदयू प्रदेश महासचिव जगदीश महतो को रांची जिला का संगठन प्रभारी बनाया। श्री महतो इससे पूर्व दूसर जिले के संगठन प्रभारी के रूप में कार्य कर रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष ने जगदीश महतो के कोयलांचल क्षेत्र में मजदूरों के समस्याओं के समाधान करने के लिए तत्परता देखते हुए उन्हें ये दायित्व सौंपा गया है। जगदीश महतो के संगठन प्रभारी बनने से संगठन को काफी मजबूती मिलेगी। इधर संगठन प्रभारी बनने पर जगदीश महतो ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष देश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो के द्वारा जो मुझे दायित्व दिया जा रहा है मैं उसे खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

सीबीएसइ 10वीं व 12वीं में बरही डीएवी पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। सीबीएसई 10वीं और 12वीं में डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के बच्चों ने परचम लहराया है। प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार मेढ़ ने बताया कि डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में परचम लहराया है। कीर्ति कुमारी 95.4%, प्राप्त कर रही स्कूल टॉपर, विद्या कुमारी 94.2%, दूसरा एवं चंदन कुमार गुप्ता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंबिका कुमारी 93.2%, प्रकृति श्रेया, शुभम कुमार 93%, आदित्य कुमार 91.8%, उज्ज्वल मानस 90.6%, स्नेहा प्रिया 90.2%, तनु कुमारी 89.2%, सचिन कुमार 88.2%, दिव्या रानी और कृष्ण कुमार सिंह ने 88% अंक लाकर टॉप 10 में अपना स्थान सुरक्षित किया है। डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही से कुल 197 छात्र-छात्राएं सीबीएसई सत्र 24-25 की 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए थे। जिसमें उनका रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा। वहीं सीबीएसई 12वीं के रिजल्ट में विज्ञान संकाय में पूजा कुमारी 90.6% और वाणिज्य संकाय में दिव्या कुमारी 71.6% अंक लाकर विद्यालय टॉपर बनी। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार मेंढ़ ने सफल प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत के बल पर उनका आने वाला समय और भी बेहतर होगा। डीएवी परिवार अपने कुशल मार्गदर्शन और शिक्षकों के प्रयास से उनके बेहतर प्रदर्शन को और भी बेहतर करने के लिए सदैव प्रयासरत रहा है। प्राचार्य ने सभी शिक्षकों के प्रयास की सराहना की और कहा कि हम भविष्य में भी बेहतर परिणाम देने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

बड़कागांव : बीएम मेमोरियल में नैंसी बनीं विद्यालय टॉपर

बड़कागांव। प्रखंड के हजारीबाग रोड स्थित बी.एम मेमोरियल स्कूल में सीबीएसई 10वीं का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। सभी छात्र-छात्राओं ने उत्तीर्ण होकर विद्यालय के साथ-साथ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। वही नैंसी सोनी 83% अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बनी। इसके अलावा दीपशिखा भारती 81% अमित कुमार 78% पियूष सोनी 78% तृषा सोनी 77% पूजा कुमारी 75% नैतिक सिंह 74% ब्रज किशोर 74% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके अलावा रितिका कुमारी, सोनिका कुमारी, अनुष्का कुमारी आदित्य कुमार, नीलम सोनी, निशा सोनी सहित अन्य सभी छात्र-छात्राओं ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। विद्यालय के उप निदेशक दिनकर कुशवाहा ने सभी उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हम सभी बी.एम. मेमोरियल स्कूल परिवार का एक ही उद्देश्य है कि बड़का गांव के ग्रामीण बच्चों को शहरों के समानांतर सीबीएसई की पढ़ाई का व्यवस्था करना।

ए ला एंगलाइज स्कूल के वैभव राज व वैभव कुमार ने साइंस और कॉमर्स में मारी बाजी

भुरकुंडा (रामगढ़)। संयोग कहिए या किस्मत का कमाल, लेकिन इस बार सीबीएसई 12वीं के परिणामों में भुरकुंडा के ए ला एंगलाइज स्कूल ने दो वैभव के दम पर इतिहास रच दिया है। एक ही स्कूल, एक ही नाम और दोनों अपने-अपने संकाय के जिला टॉपर।

विज्ञान में वैभव राज और वाणिज्य में वैभव कुमार ने इस सफलता से अपने परिवार, विद्यालय और पूरे रामगढ़ जिला का नाम रोशन किया है। पतरातू जयनगर निवासी स्व. अशोक प्रजापति व सुनीता देवी के पुत्र वैभव राज ने 500 में 481 (96.2 प्रतिशत) अंक प्राप्त कर विज्ञान संकाय में जिला टॉपर बनने का गौरव पाया है। भले ही पिता का साया सिर पर नहीं रहा, लेकिन जिंदल फैक्ट्री में कार्यरत माता सुनीता देवी ने बेटे को बेहतर भविष्य देने के लिए हर संघर्ष झेला। बड़ी बहन कोमल प्रिया यूनियन बैंक में कार्यरत हैं और दूसरी बहन प्रशंसा प्रिया बीटेक की पढ़ाई कर रही हैं। वैभव राज ने फिजिक्स में 94, केमिस्ट्री, मैथ और इंग्लिश में 98-98 और पी.ई. में 93 अंक हासिल किए हैं। उसका सपना आईआईटी से इंजीनियरिंग करने का है। जेईई मेन्स में शानदार प्रदर्शन के बाद अब वह जेईई एडवांस की तैयारी में जुटा है। वहीं, सौंदा डी हुसैनी नगर निवासी कमलेश गुप्ता और दुर्गावती देवी के पुत्र वैभव कुमार ने कॉमर्स संकाय में 500 में 484 (96.8 प्रतिशत) अंक लाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

दारू : सीबीएसई 10वीं में आईएमएस एमएमएम स्कूल का शानदार प्रदर्शन

दारू। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं की वार्षिक परीक्षा 2025 के घोषित परिणामों में आईएमएस एमएमएम इंग्लिश मीडियम स्कूल, दारू, पिपचो के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। विद्यालय के छात्र नवरतन कुमार ने 90.83 प्रतिशत अंक अर्जित कर स्कूल टॉपर का खिताब हासिल किया है।

वहीं रिशु राज ने 89.16 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। स्वेता कुमारी, साधना कुमारी और रितेश कुमार वर्मा ने समान रूप से 88.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान साझा किया है। विद्यालय के प्राचार्य ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने अभिभावकों को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ओपी जिंदल स्कूल का सीबीएसइ 10वीं व 12वीं में शानदार प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। सीबीएसई 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षा में ओपी जिंदल स्कूल पतरातू के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की है।

बारहवीं कक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं में आरती कुमारी व श्रेया कुमारी 87.4 प्रतिशत, परी साहू 87 प्रतिशत, आदित्य नारायण शर्मा 86.8 प्रतिशत, आयुषी प्रसाद 86.6 प्रतिशत, निशांत कुमार यादव 84.2 प्रतिशत, सोनू कुमारी 83.8 प्रतिशत, आदरीति जे. नायर व रक्षा कुमारी 82.6 प्रतिशत, रिषिका अग्रवाल 82.4, ईशा कुमारी 81 प्रतिशत, रुद्र राज व सदिया सदाफ 79.4 प्रतिशत, कशिश कुमारी 76.8 प्रतिशत, तथा स्नेहल सिंह व भारती कुमारी छिन्नत प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय के टॉप सूची में शामिल हैं।

वहीं 10वीं बोर्ड की परीक्षा में अमित कुमार यादव 94 प्रतिशत, भूमि 93.2 प्रतिशत, हर्षित गुप्ता 92.6 प्रतिशत, अनिक कुमार वर्मा 91.4 प्रतिशत, शांभवी 90 प्रतिशत, निखिल कुमार 89.6 प्रतिशत, स्वरित प्रसाद 88.8 प्रतिशत, मनीष कुमार 87.4 प्रतिशत, मेहुल गौतम 87 प्रतिशत, वंश वर्णवाल 86.4 प्रतिशत, आरुषि रंजन 85.8 प्रतिशत, सांगरिका शरण 85.6 प्रतिशत, शुभ कुमार यादव व रेहान नेजाम अंसारी 84.8 प्रतिशत, कुमारी आर्या 84.4 प्रतिशत, प्रांजल चौधरी 83.6 प्रतिशत, रौनक अग्रवाल 83.4 प्रतिशत, खुशी कुमारी 83.2 प्रतिशत, निशी कुमारी 82.8 प्रतिशत, सृष्टि साक्षी 82.6 प्रतिशत, प्रीतम कुमार 82.2 प्रतिशत, ऋतिक कुमार अग्रवाल 82 प्रतिशत, सागर कुमार मेहता 81.8 प्रतिशत, आकृति कुमारी 81.6 प्रतिशत, समीक्षा मुंडा 81.4 प्रतिशत, अक्षिता अद्रिका 81.2 प्रतिशत तथा माही कुमारी 80 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय के टॉप सूची में शामिल होने का गौरव प्राप्त किया है।

एक नजर में

गोंदावार में आदिवासियों की जमीन पर कब्जा

हजारीबाग। झारखंड में भू माफिया अब शहरों से निकलकर गांवों में आतंक मचा रहे हैं। इस बार उनकी नजरें आदिवासी बहुल चुरचू प्रखंड के गोंदावार गांव पर हैं। गांव के खाता संख्या 3, प्लॉट 251, 252, और 485 में 12 एकड़ 31 डिसमिल जमीन को कब्जाने की साजिश सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार यह जमीन ग्रामीण कई पीढ़ियों से जोत-बो रहे हैं। गांव के शिवलाल मरांडी, जेवियर मरांडी, मोतीलाल हंसदा, और अनमोल मुर्मू समेत दर्जनों ग्रामीणों ने एकजुट होकर भू माफियाओं के खिलाफ मोर्चा खोला है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिन दलालों और भू माफियाओं ने इस जमीन पर कब्जा जमाने का प्रयास किया, उन्हें प्रशासन का संरक्षण मिला हुआ है। गांव के एक निवासी ने कहा, हमारे दादा-परदादा इस जमीन पर खेती करते आ रहे हैं। अब अचानक भू माफिया हमसे कह रहे हैं कि यह जमीन उनकी है। प्रशासन से इंसाफ की उम्मीद थी, लेकिन वे भी खामोश बैठे हैं। अंचल अधिकारी चुरचू, राजमोहन तुरी ने कहा, अभी तक इस मामले में कोई लिखित या मौखिक शिकायत मेरे पास नहीं आई है। अगर कोई शिकायत मिलती है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि इस मामले में ग्रामीणों ने एसपी के नाम एक आवेदन दिया है जिसमे उन्होंने न्याय और सुरक्षा की गुहार लगायी है। साथ ही इसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री व अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति आयोग, रांची के नाम भी दी है।

बरही में पशुओं से लदा कंटेनर जब्त

बरही। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को वाहन चेकिंग के दौरान बरही टोल प्लाजा के पास एक कंटेनर में क्रूरतापूर्वक लदे 16 पशुओं को कंटेनर वाहन संख्या खल 08क्ष7263 से लादकर औरंगाबाद बिहार की ओर जा रहा था। जब्त पशुओं में 10 बैल और 6 भैंस शामिल हैं। बरही प्रशासन द्वारा जब्त सभी पशुओं को सुरक्षित तरीके से पिंजरा पोल समिति सीतागढ़ हजारीबाग पहुंचा दिया गया है।

बहेरा पंचायत में बीपीएल का शुभारंभ

चरही। बहेरा पंचायत में होने वाले दो दिवसीय बहेरा प्रीमियर लीग (बीपीएल)का शुभारंभ चुरचू प्रखंड प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, चुरचू प्रखंड जिला परिषद सदस्य बासुदेव करमाली, चुरचू प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष देवकी महतो, चनारो पंचायत मुखिया बृज बिहारी महतो, चुरचू प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख चौलेश्वर महतो, के द्वारा विधिवत बैटिंग बॉलिंग कर खेल को शुभारंभ किया गया। इस दौरान कमेटी के सदस्य विकास सिंह, आबिद अंसारी, सूरज कुमार और सुनील दास के हाथों सभी जनप्रतिनिधियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया इस मैच में अंपायर के भूमिका में मो. सिकंदर अंसारी और अशरफ अंसारी ने निभाई। मौके पर प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, चुरचू जिप सदस्य वासुदेव करमाली, मुखिया देवकी महतो, मुखिया ब्रजबिहारी महतो, पूर्व उप प्रमुख चौलेश्वर महतो, समाज सेवी लालो मांझी, मुंतज़िर अंसारी, बॉबी करीम, सबिर अंसारी, खिलाड़ी मो. वसीम, शिवम कुमार, जितेंद्र कुमार, सहित कई खिलाड़ी मौके पर मौजूद थे।

पिस्तौल व गोली के साथ एक गिरफ्तार

बरही। मलकोको गांव के पहाड़पुर टोला से एक व्यक्ति को देसी पिस्तौल व चार जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति स्वर्गीय बाबूलाल रविदास का 51 वर्षीय पुत्र विश्वनाथ रविदास है। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी आभास कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मलकोको गांव के पहाड़पुर टोला निवासी स्वर्गीय बाबूलाल रविदास के 51 वर्षीय पुत्र विश्वनाथ रविदास के पास एक देसी पिस्तौल व चार जिंदा गोली है। सूचना की सत्यता के आधार पर तलाशी ली गई जिसमें उक्त व्यक्ति को देसी पिस्तौल व चार जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर उसे हजारीबाग सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

अवैध कोयला चोरों से भिड़े वनकर्मी

हजारीबाग। झारखंड में अवैध कोयला का व्यापार अपने चरम पर है। क्या पुलिस क्या नेता क्या फर्जी पत्रकार इस पॉइंट पर इनका सिंडिकेट जबरदस्त ढंग से काम कर रहा है। कोई अखबार या पत्रकार इन खबरों को लिखता है तो उसे व्हाटस एप्प कॉल के जरिये धमकी या फिर चंद सिक्कों की लालच देकर खरीदने का प्रयास किया जाता है या फिर उसे बदनाम करने की साजिश रची जाती है। इसमें शामिल होते है वो दलाल फर्जी पत्रकार जो इस सिंडिकेट के हिस्सा होते है। इस सिंडिकेट की लॉबी इतनी मजबूत है की इनपर हाथ डालने का हिम्मत कोई नहीं करता। माफिया कहते है की सरकार चाहे तो एक ढेला कोयला कोई नहीं निकाल सकता। यानी ये माफिआ अपने कुकर्म के लिए सरकार को भी बदनाम करने से पीछे नहीं हटते है। सवाल है कि अंधेरा अब सिर्फ जंगलों में नहीं, हजारीबाग की सड़कों पर भी है। कोयला तस्करों के आतंक ने अंधेरगर्दी फैला रखी है। जहां पुलिस और नेता चुप हैं, वहीं कुछ बहादुर वनकर्मी अपने दम पर इस गुंडाराज के खिलाफ खड़े हो गए। उरीमारी थाना क्षेत्र में सोमवार रात का मंजर किसी फिल्मी सीन से कम नहीं था। हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल बड़कागांव प्रक्षेत्र के वनकर्मी अवैध कोयला लदा ट्रक रोकने की हिम्मत दिखाते हैं। लेकिन कुछ ही पलों में जंगल की खामोशी को गोलियों की तड़तड़ाहट चीर देती है। कोयला माफिया डब्लू सिंह उर्फ गंगासागर सिंह अपने गुर्गों के साथ वहां धमक पड़ता है। रात 8:30 बजे लुरंगा सुरक्षित वन क्षेत्र में गश्ती के दौरान वनकर्मियों ने कोयला लदा ट्रक (रजि. नं. जे एच02 ए एच0358) को रोकने की कोशिश की। चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। वनकर्मी तुरंत अपने अधिकारियों को सूचित करते हैं। लेकिन जैसे ही उन्हें मदद मिलने की उम्मीद होती है, एक अल्टो कार में पांच गुंडे लोहे की रॉड और लाठियों के साथ वहां पहुंचते हैं। गालियां, धमकियां और सरकारी काम में बाधा डालने के बाद, वो वनकर्मियों को घेरने लगते हैं। इतने में ही, डब्लू सिंह अपने साथी महेंद्र प्रसाद और 35-40 हथियारबंद गुंडों के साथ स्कॉर्पियो, थार और बाइक पर सवार होकर पहुंचता है। बंदूक लहराते हुए वह चिल्लाता है, किसकी हिम्मत हुई मेरी गाड़ी रोकने की सबको जिंदा जला दूंगा। और फिर हवा में चार-पांच राउंड फायरिंग करता है। दो गोलियां वनकर्मियों की सरकारी बोलेरो में जा लगती हैं। जान बचाकर भागने के अलावा उनके पास कोई चारा नहीं। इस मामले को लेकर उरीमारी थाना में मामला दर्ज कराया गया है।

हड़ताल को सफल बनायें : संयुक्त मोर्चा

भुरकुंडा (रामगढ़)। संयुक्त ट्रेड यूनियन बरका-सयाल ने बुधवार को ओल्ड बिरसा कोलियरी के कैंटिन में पीट मीटिंग की। पीट मीटिंग में 20 मई को होने वाली एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल को ऐतिहासिक बनाने का मजदूरों से आह्वान किया गया। पीट मीटिंग को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में सरकार ने मजदूरों के हक अधिकार और सुरक्षा छिननेवाली चार श्रम कानून, किसान व जनविरोधी नीति बनाई है। इसके विरोध में श्रमिक संगठनों ने हड़ताल का आह्वान किया है। इस हड़ताल को सफल बनाकर सरकार को मजदूरों की ताकत का एहसास करायें, तभी हम अपना हक अधिकार ले सकते है। वक्ताओं ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार ने भी मजदूरों के हड़ताल को समर्थन किया है। इस हड़ताल को ऐतिहासिक बनाएं। पीट मीटिंग की अध्यक्षता व संचालन संजय शर्मा ने किया। मौके पर विंध्याचल बेदिया, रामनरेश सिंह, देवेन्द्र सिंह, अशोक शर्मा, संजीव बेदिया, अर्जुन सिंह, जेपीएन सिन्हा, संजय वर्मा, अनिल सिंह, अशोक गुप्ता, विनोद मिश्रा, रामाकांत दूबे, जगरनाथ पासवान, रणधीर साव, महेंद्र गंझू, लालू महतो, रविंद्र विश्वकर्मा, मोहन मांझी, संदीप राम, धनंजय वर्मा, गुरुदयाल ठाकुर, शंकर कुमार, अनिल कुमार, सुरज कुमार, रामदेव, कुलदीप, विजय चौधरी, तुलसी विश्वकर्मा, अरविंद, अवधेश शर्मा, ईश्वरी महतो, राजेश सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

अब तकनीक बदलने लगी है युद्ध की तकदीर

अभिषेक कुमार

मौजूदा समय में तकनीक और विज्ञान की तरक्की की बदौलत युद्धों के नियम और शैलियां बदल गई हैं। जंग के दौरान बड़ी तादाद में सैनिक मोर्चे पर तैनात हो या सैनिक आमने-सामने की जंग लड़ें, इसके आधार पर हार-जीत का फैसला होना जरूरी नहीं। चाहे हमला करना हो या फिर मिसाइलों-ड्रोन्स से देश का बचाव करना हो, तकनीक असरदार भूमिका निभा रही है। हाल ही में पाकिस्तान पर हुआ ऑपरेशन सिंदूर इसका ताजा उदाहरण है।

युद्धों का इतिहास बताता है कि कोई भी जंग सबसे पहले मनोवैज्ञानिक स्तर पर लड़ी जाती है। खास तौर से सैनिकों में यह मनोबल उनके प्रशिक्षण, उन्हें प्रदान किए गए हथियारों और उनके देश की हैसियत के आधार पर विकसित होता है। लेकिन तकनीक और विज्ञान की तरक्की की बदौलत युद्धों के नियम और शैलियां बदल गई हैं। अब जरूरी नहीं रहा कि किसी जंग में सैनिकों की भारी तादाद किसी मोर्चे पर तैनात हो। या फिर सैनिक खुद आमने-सामने की जंग लड़ें, जिसके आधार पर हार-जीत का फैसला हो। बल्कि अब इसमें तकनीक की भूमिका सबसे अहम और प्राथमिक हो गई है। चाहे हमला करना हो या फिर दुश्मन की भेजी मिसाइलों-ड्रोन्स से खुद का बचाव करना हो, आज युद्धों में तकनीक सबसे असरदार और सटीक भूमिका निभा रही है। ताजा मिसाल 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों 26 लोगों की निर्मम हत्या के बाद 6-7 मई की दरम्यानी रात भारत की ओर से, इस घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान और पाक-कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में की गई कार्रवाई है। भारत ने पाकिस्तान के जिन 9 स्थानों पर मौजूद आतंकी ढांचों पर हवाई हमला किया, उसमें अत्याधुनिक तकनीक से विकसित हथियारों (मुख्यतः मिसाइलों और ड्रोन) का ही इस्तेमाल किया गया। यही नहीं, सटीक हमले से बौखलाए पाकिस्तान ने 7 और 8 मई, 2025 को भारतीय सीमा में जो मिसाइलें छोड़ीं और ड्रोन भेजे, प्रायः उन सभी को भारत ने तकनीक के बल पर नाकाम किया। दोनों ही मामलों में साबित हुआ कि परखी गई उन्नत तकनीक के आधार पर कैसे दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया जा सकता है और उसकी कार्रवाई से कितनी सटीकता से बचाव संभव है।

निश्चय ही, विज्ञान और तकनीक ने युद्धों को बदल दिया है। इसे भारत-पाकिस्तान के हालिया संघर्ष के उदाहरणों को देखना होगा। पहलगाम हमले के दोषी आतंकियों के पाकिस्तान और पीओके में मौजूद ठिकानों पर 7 मई रात भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जो कार्रवाई की, उसमें खासकर न तो हमारे सैनिकों ने और न ही लड़ाकू विमानों ने आक्रमण के लिए नियंत्रण रेखा पार की। इस आक्रमण के लिए हवित्जर और धनुष तोपों, कामिकाजी नामक आत्मघाती ड्रोन, लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले आधुनिक हथियारों के अलावा युद्धक विमानों- राफेल, मिराज-2000 और सुखोई-30 से स्कैल्प मिसाइलों और स्पाइस-2000 नामक बमों का इस्तेमाल किया गया। दावा है कि दागे गए ज्यादातर बम प्रेसिजन गाइडेड आर्टिलरी एम्युनिशन से लैस थे। नियंत्रण रेखा पार किए बिना अपनी सीमा से ही आतंकी ढांचों को ध्वस्त करने की इस कार्रवाई में दर्जनों आतंकवादी मारे जाने और लश्करे-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल के मुख्यालय ढहने की तस्वीरें खुद पाकिस्तानी मीडिया ने प्रसारित कीं। हालांकि यह सटीक कार्रवाई आतंकी ढांचों और आतंकवादियों के खिलाफ थी, लेकिन पाकिस्तानी सरकार ने इसे आम नागरिकों पर हमला बताया और 8 मई को भारतीय सीमा पर गोलाबारी के अलावा लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इनमें से भारत के पुंछ में एक दर्जन से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की जान गई।

अंतरिक्ष से जंग

सैद्धांतिक तौर पर कोई भी देश अंतरिक्ष के रास्ते जंग नहीं छेड़ सकता। क्योंकि अमेरिका, रूस और चीन आदि देशों ने 1967 की उस बाह्य अंतरिक्ष संधि पर दस्तखत कर रखे हैं, जिसके मुताबिक वे पृथ्वी की कक्षा में या उससे बाहर अंतरिक्ष में हथियारों से लैस कोई भी यान या रॉकेट नहीं भेज सकते। लेकिन इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि कोई देश अंतरिक्ष में या अंतरिक्ष की ओर से पृथ्वी पर अपने विनाशक हथियारों का प्रयोग कर बैठे। बल्कि गाहे-बगाहे ऐसा प्रयोग करके ये देश अंतरिक्ष से लड़ी जाने वाली जंगों की तैयारी संबंधी अपनी ताकत का अंदाजा देते रहे हैं। जैसे साल 2008 में अमेरिका ने अंतरिक्ष से बेकाबू होकर गिर रहे अपने जासूसी उपग्रह को इंटरसेप्टर मिसाइल से मार गिराया था, तो दुनिया में बड़ी सनसनी मची थी। तब अमेरिका ने बहाना बनाया था कि धरती की तरफ बढ़ते उस कचरा बन गए उपग्रह को अंतरिक्ष में नष्ट करना इकलौता उपाय था। वह अनियंत्रित होकर आबादी पर गिर सकता था। लेकिन तब अमेरिका के प्रतिद्वंद्वी रूस ने अमेरिकी कार्रवाई पर सवाल खड़े किए थे कि अमेरिका अंतरिक्ष युद्ध की अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत अपने अंतरिक्षीय हथियारों का परीक्षण करना चाहता था। बाद में ऐसे ही आरोप खुद रूस पर लगे। नवंबर 2019 में स्पेस की कक्षा में स्थापित किए गए रूसी जासूसी उपग्रह कॉस्मॉस-2542 को लेकर अमेरिका ने आरोप लगाया था कि इस उपग्रह से जुलाई, 2020 में मिसाइल जैसी कोई चीज निकली जो एक अन्य रूसी उपग्रह के पास से होकर गुजर गई। अमेरिका ने इस चीज को एक इन-ऑर्बिट एंटी-सैटेलाइट मिसाइल बताया था। आरोप लगाया कि रूस अंतरिक्ष का सैन्यीकरण कर रहा है। रूस ने सफाई दी थी कि यह एंटी-सैटेलाइट मिसाइल नहीं, बल्कि उपग्रह कॉस्मॉस-2542 के अंदर से निकला एक अन्य छोटा उपग्रह था। अब तक दुनिया के चार देश- अमेरिका, रूस, चीन और भारत अंतरिक्ष में एंटी-सैटेलाइट मिसाइल तकनीक को लेकर अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर चुके हैं। **(असिस्टेंट प्रोफेसर बीसीए, आईटी एंड आईटी सेल कोर्डिनेटर, योगदा सत्संग कॉलेज धुर्वा, रांची)**

दो लाख से अधिक सुरक्षा विश्लेषक का जॉब्स

बृजमोहन ओझा

देश-दुनिया में आतंक से जूझने के लिए सुरक्षा प्रोफेशनल्स या टेररिज्म मैनेजमेंट के एक्सपर्ट चाहिये। ये पेशेवर संभावित आतंकवादी खतरे और हमले का पता लगाने व काउंटर करने में माहिर होते हैं। खुफिया जानकारी जुटाना, सुरक्षा रणनीति बनाना व संकट प्रबंधन व साइबर सिक्यूरिटी की निगरानी भी इनका काम है। सेना व बलों के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों व निजी कपंनियों में इनकी डिमांड है।

आतंकरोधी सुरक्षा प्रोफेशनल एक बिल्कुल खास कैरियर है। अभी तक देश में कोई 10000 से 12000 के बीच ही आतंकरोधी सुरक्षा विश्लेषक या विभिन्न स्तर के आतंकरोधी प्रोफेशनल हैं,जबकि देशभर की चाक चौबंद सुरक्षा के लिए कम से कम 2 लाख ऐसे सुरक्षा विश्लेषकों की जरूरत है। सुरक्षा एजेंसियों में ऐसे प्रोफेशनल्स की शिद्दत से जरूरत महसूस की जा रही है। देश के दो दर्जन से ज्यादा महत्वपूर्ण रक्षा संस्थान, विश्वविद्यालय और आईआईटीज इस विषय पर कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम संचालित कर रही हैं और देश-दुनिया के लिए आतंक से जूझने के लिए सुरक्षा प्रोफेशनल्स या टेरोरिज्म मैनेजमेंट के एक्सपर्ट तैयार कर रही हैं। इस क्षेत्र को आतंक प्रबंधन का क्षेत्र भी कहते हैं। इस क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण प्रोफेशनल को नेशनल सिक्यूरिटी एनालिस्ट या राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक कहते हैं। इसका काम आतंकी गतिविधियों का विश्लेषण करना, आतंकी घटनाओं की आशंकाओं का अनुमान लगाना, विभिन्न खुफिया रिपोर्टों के आधार पर भविष्य में घटने जा रही आतंकी गतिविधियों का सुराग ढूंढना और उनकी भविष्य की रणनीतियों को समझना है। देश की सुरक्षा के लिए उनसे निपटने की रणनीति बनाने का काम यही प्रोफेशनल्स करते हैं।

किन क्षेत्रों में मिलती है नौकरी

जहां तक अपने देश में ऐसे सुरक्षा प्रोफेशनल्स को नौकरी देने का सवाल है तो विभिन्न खुफिया एजेंसियां हैं जैसे रॉ, आईबी, एनआईए, डीआरडीओ, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस, थिंक टैंक्स जैसे आईडीएफए और ओआरएफ। ये विभिन्न संगठन और संस्थान हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषकों या टेरर मैनेजमेंट से डील करने वालों को नौकरी देते हैं। इस क्षेत्र का दूसरा महत्वपूर्ण प्रोफेशनल ह्यकाउंटर टेरोरिज्म स्पेशलिस्ट होता है। इसका काम आतंकियों की फंडिंग पर नजर रखना, उनके नेटवर्क को जानना-समझना व ध्वस्त करना, साइबर एक्टिविटी और रणनीति की जांच करना है। इन प्रोफेशनल्स को पुलिस, सेना, पैरामिलिटरी, निजी सेक्यूरिटी कंपनियों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों में सेवा का अवसर मिलता है। इस क्षेत्र का तीसरा महत्वपूर्ण प्रोफेशनल है- इंटेलीजेंस ऑफिसर। इसका काम गुप्त सूचनाएं एकत्र करना, उनका विश्लेषण करना, संभावित खतरों की पहचान करना व महत्वपूर्ण संस्थानों, संगठनों को आतंकी योजनाओं और गतिविधियों से सुरक्षित रखना है। इंटेलीजेंस ऑफिसर को आईबी, रॉ, एनआईए, डिफेंस इंटेलीजेंस एजेंसीज तथा एनजीओ में नौकरी मौका मिल जाता है।

क्राइसेस एंड रिस्क मैनेजमेंट

आतंकरोधी सुरक्षा विश्लेषक दस्ते का अगला महत्वपूर्ण प्रोफेशनल है- साइबर सिक्यूरिटी और एंटी-रेडिक्लाइजेशन की निगरानी व उसमें रोकथाम की हर संभव कोशिश करने वाला। इस सुरक्षा एक्सपर्ट को सीईआरटी-इन एनटीआरओ, प्राइवेट साइबर सिक्यूरिटी फर्म्स और होम मिनिस्ट्री में नौकरी के मौके मिलते हैं। जहां तक राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक या एक्सपर्ट की इस कतार के अगले महत्वपूर्ण प्रोफेशनल की बात है तो यह ह्यक्राइसेस एंड रिस्क मैनेजमेंट कंसल्टेंटह्ल होता है। इस प्रोफेशनल के जिम्मे आतंकी घटनाओं को रोकना, इसके लिए रणनीति बनाना और कोई अनहोनी हो, इसके पहले ही जानकारी जुटाना है। इस क्षेत्र में काम करने वालों को यूएन, एनजीओ, लॉर्ज कारपोरेशंस विद हाई रिस्क जोन आदि में सुरक्षा जिम्मेदारी संभालने का मौका मिलता है। जबकि इस क्षेत्र का अगला और अंतिम महत्वपूर्ण प्रोफेशनल स्ट्रेटेजिक अफेयर्स एक्सपर्ट होता है। इसका मुख्य कार्य आतंकवाद से जुड़ी राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय नीतियों का कूटनीतिक विश्लेषण करना होता है। ऐसे प्रोफेशनल्स को नीति संस्थानों और विदेश मंत्रालय में महत्वपूर्ण जगह मिलती है।

डिग्री और कोर्सेज

* एमए इन सिक्योरिटी स्टडीज/स्ट्रैटेजिक अफेयर्स : इस पाठ्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण संस्थान हैं- जेएनयू, डीयू और सिक्किम सेंट्रल यूनिवर्सिटी और इस कोर्स के लिए कोर सब्जेक्ट होता है- आतंकवाद और अंतर्राष्ट्रीय संबंध। * पीजी डिप्लोमा इन काउंटर टेरोरिज्म : यह पाठ्यक्रम आतंकरोधी रणनीति जैसे विषय का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके अध्ययन की सुविधा राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (गुजरात) देती है। * एमटेक इन साइबर सिक्यूरिटी : यह साइबर आतंकवाद जैसे कोर विषय का पाठ्यक्रम है और इसकी पढ़ाई ज्यादातर आईआईटीएस और आईआईआईटीएस जैसे संस्थानों में होती है। * ट्रेनिंग फॉर इंटेलीजेंस/डिफेंस : सुरक्षा बलों में कैरियर संबंधी इस विषय को एनडीए, सीडीएस, यूपीएससी और सीएपीएफ जैसे संस्थान डील करते हैं।

वेतनमान और सुविधाएं

इस क्षेत्र के ज्यादातर प्रोफेशनल्स को सरकारी आवास, सुरक्षा और यात्रा भत्ता आदि मिलते हैं। जहां तक सैलरी की बात है तो आमतौर पर 1 लाख रुपये से लेकर 2 से 3 लाख रुपये तक महीने की सैलरी होती है। कारपोरेट क्षेत्र में भी अब ऐसे विशेषज्ञों की बड़े पैमाने पर मांग बढ़ रही है इसलिए भी आकर्षक सैलरी उपलब्ध हैं।

भारत का वर्ष 2019 में मिशन शक्ति के तहत तैयारी की

नागेन्द्र सिंह

भारत ने वर्ष 2019 में मिशन शक्ति के तहत अंतरिक्ष में 300 किलोमीटर दूरी पर स्थित लो-अर्थ ऑर्बिट (एलइओ) सैटेलाइट को मार गिराया था। रक्षा वैज्ञानिकों का मत है कि इस तरह भारत ने अंतरिक्ष में युद्ध की आशंकाओं के मद्देनजर प्रतिरोधक शक्ति हासिल कर ली थी। यानी यदि कोई देश हमारे उपग्रहों को निशाना बनाएगा तो भारत अंतरिक्ष में जवाबी कार्रवाई कर सकता है। चीन ने तो 2007 में ही अंतरिक्ष में 800 किमी ऊंचाई पर अपने उपग्रह को नष्ट कर इस क्षमता का प्रदर्शन किया था। प्रश्न है, इसकी शुरूआत कैसे हुई और ऐसे अंतरिक्ष युद्ध की आशंका कितनी है। बताते हैं इसका सपना सबसे पहले 1983 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड रीगन ने देखा था। रीगन चाहते थे कि पृथ्वी पर जो युद्ध होते हैं, उन पर अंतरिक्ष में तैनात सैनिक उपग्रहों और उपकरणों से इस तरह नियंत्रण पाया जाए कि अमेरिका और उसके मित्र देश हमेशा बढ़त पा सकें। हालांकि करीब 13 साल तक इन योजनाओं पर अमेरिका अमल नहीं कर सका, पर 1996 में इस पर नए सिरे से सुगबुगाहट हुई। बाद में कई वजह से क्लिंटन प्रशासन ने योजना को ठंडे बस्ते में डाला। हालांकि साल 2008 में बुश प्रशासन ने अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती पर रिपोर्ट में कहा कि इससे अमेरिका अपनी सैन्य क्षमता बढ़ा सकता है व दूसरे देशों को अंतरिक्ष में बढ़त से रोक सकता है। इसी तरह ट्रंप प्रशासन को महसूस हुआ था कि रूस-चीन की इस मामले में बढ़त के मद्देनजर स्टार वॉर की योजनाओं को फिर से देखा जाए और अंतरिक्ष से युद्ध की संभावनाएं टटोली जाएं।

सैन्य गतिविधियों पर नजर

अभी तक इस तकनीक से लैस सभी देश दावा कर रहे हैं कि अंतरिक्ष में हथियारों के परीक्षण का उनका उद्देश्य अपनी सुरक्षा को पुख्ता करना है। वजह, ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था अंतरिक्ष में तैनात कामकाजी उपग्रहों पर टिकी है जो मौसम पर नजर रखते हैं, इंटरनेट व दूरसंचार कार्यों को संपन्न कराते हैं, दुश्मन देशों की गतिविधियों की निगहबानी करते हैं और पृथ्वी के अन्वेषण का वह काम करते हैं जिनसे डाटा, और विकास में मदद मिलती है। यदि कोई देश किसी मुल्क को ठप करना चाहे तो उसके उपग्रहों को निशाना बनाकर कर सकता है।

यदि कोई देश अपनी सैटेलाइट्स की सुरक्षा के उपाय के तौर पर एंटी-सैटेलाइट मिसाइलों का परीक्षण करता है, तो उससे भी अंतरिक्ष जंग का खतरा पैदा होता है। इधर, जब से भारत-पाक सैन्य संघर्ष शुरू हुआ है, दबी जुबान में कहा जा रहा कि भारत अपने उपग्रहों की बदौलत पाकिस्तान के आतंकी व सैन्य प्रतिष्ठानों और गतिविधियों की सूक्ष्म जानकारी हासिल कर रहा है जिससे उसके प्रहार सटीक हैं।

दुश्मन से निपटने के नए तरीके

हालांकि अंतरिक्षीय जंग अभी दूर की कौड़ी लगती है, लेकिन जो देश इस पर काम कर रहे हैं, वे कई तरह की प्रणालियां अपना सकते हैं। जैसे, अगर अमेरिका पर कोई शत्रु देश आक्रमण करता है, तो अंतरिक्ष स्थित अमेरिकी सैन्य उपग्रह- कॉमन एयरो व्हीकल से 3000 नॉटिकल मील की गति से एक हजार पाउंड तक के वजन वाला बम सटीक निशाने पर दागा जा सकेगा। लेजर का प्रहार : अंतरिक्ष में तैनात उपकरणों की सहायता से लेजर किरणों से हमला बोलना अमेरिका-ब्रिटेन और भारत समेत कई देशों को लुभा रहा है। इस तरह की प्रणाली को इवोल्यूशनरी एयर एंड स्पेस ग्लोबल लेजर इंगेजमेंट (ईगल) कहा गया है। इससे हवा से हवा में, सतह से सतह पर या अंतरिक्ष स्थित लेजर प्रक्षेपक सिस्टम से धरती पर संहारक क्षमता वाली लेजर किरणें फेंकी जा सकती हैं और दुश्मन के ठिकानों को नष्ट किया जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूरः आधुनिक युद्ध में एक निर्णायक जीत

जॉन स्पेंसर

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को पूरी तरह से समाप्त घोषित नहीं किया है। अभी जो मौजूद है, वह ऑपरेशन में एक संवेदनशील ठहराव है - कुछ लोग इसे युद्ध विराम कह सकते हैं, लेकिन सैन्य नेतृत्व ने जानबूझकर इस शब्द से परहेज किया है। युद्ध लड़ने के दृष्टिकोण से, यह केवल एक विराम नहीं है; यह एक दुर्लभ और स्पष्ट सैन्य जीत के बाद एक रणनीतिक पकड़ है।

केवल चार दिनों की सुविचारित सैन्य कार्रवाई के बाद, यह वस्तुनिष्ट रूप से निर्णायक हैः भारत ने एक बड़ी जीत हासिल की। ऑपरेशन सिंदूर ने अपने रणनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे निकलने में सफल रहा है- आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना, सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन करना, निवारक क्षमता बहाल करना और एक नए राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत का सामने आना। यह प्रतीकात्मक शक्ति नहीं थी। यह निर्णायक शक्ति थी, जिसे स्पष्ट रूप से प्रयोग में लाया गया था।

भारत पर हमला हुआ। 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 26 भारतीय नागरिक, जिनमें ज्यादातर हिंदू पर्यटक थे का नरसंहार कर दिया गया। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के एक सहयोगी संगठन, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इसकी जिम्मेदारी ली। जैसा कि दशकों से होता आया है, इस समूह को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) का समर्थन प्राप्त है।लेकिन पिछले हमलों के विपरीत, इस बार भारत ने इंतजार नहीं किया। उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की अपील नहीं की या राजनयिक विरोध पत्र जारी नहीं किया। इसने युद्धक विमान लॉंच किए।

7 मई को, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो एक त्वरिक और सटीक रूप से सुविचारति सैन्य अभियान था। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय और ऑपरेशन हब शामिल थे। संदेश स्पष्ट था पाकिस्तानी धरती से शुरू होने वाले आतंकवादी हमलों को अब युद्ध के कृत्यो के रूप में माना जाएगा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नये सिद्धांत को स्पष्ट कर दियाः ₹भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में विकसित हो रहे आतंकवादी ठिकानों पर सटीक और निर्णायक हमला करेगा।

यह केवल एक जवाबी कार्रवाई से कही अधिक, एक रणनीतिक सिद्धांत का अनावरण था। जैसा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।₹

ऑपरेशन सिंदूर को जानबूझकर निम्नलिखित चरणों में क्रियान्वित किया गयाः7 मईः पाकिस्तानी क्षेत्र में गहराई नौ सटीक हमले किए। लक्ष्यों में बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद और अन्य स्थानों पर स्थित प्रमुख आतंकी प्रशिक्षण शिविर और लॉजिस्टिक्स नॉड शामिल थे। 8 मईः पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमाने पर बहुत सारे ड्रोनों से जवाबी हमला किया। भारत के बहुस्तरीय वायु रक्षा नेटवर्क- स्वदेशी रूप से निर्मित तथा इजरायली और रूसी प्रणालियों द्वारा संवर्धित ने उनमें से लगभग सभी को निष्प्रभावी कर दिया। 9 मईः भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य हवाई अड्डों और यूएवी समन्वय केंद्रों पर अतिरिक्त हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की। 10 मईः गोलीबारी पर अस्थायी रोक लग गई। भारत ने इसे युद्धविराम नहीं कहा। भारतीय सेना ने इसे ₹गोलीबारी का ठहराव₹ कहा - एक अर्थपूर्ण लेकिन जानबूझकर किया गया विकल्प जिसने स्थिति पर अपने रणनीतिक नियंत्रण को मजबूत किया।

यह केवल सामरिक सफलता नहीं थी। यह लाइव फायर के तहत सिद्धांत का निष्पादन था।

प्राप्त रणनीतिक प्रभाव

एक नई लक्ष्मण रेखा खींची गई- और लागू की गई

पाकिस्तान की धरती से होने वाले आतंकी हमलों का अब सैन्य बल से जवाब दिया जाएगा। यह कोई धमकी नहीं है। यह एक मिसाल है।

2. सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन

भारत ने पाकिस्तान में किसी भी लक्ष्य पर इच्छानुसार हमला करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया- आतंकवादी ठिकाने, ड्रोन समन्वय केंद्र, यहां तक कि एयरबेस भी। इस बीच, पाकिस्तान भारत के अंदर एक भी सुरक्षित क्षेत्र में घुसपैठ करने में असमर्थ रहा। यह समानता नहीं है। यह भारी श्रेष्ठता है। और इसी तरह वास्तविक निवारक क्षमता स्थापित होती है।

बहाल की गई निवारक क्षमता

भारत ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की, लेकिन पूर्ण युद्ध से पहले ही रुक गया। नियंत्रित वृद्धि ने एक स्पष्ट निवारक संकेत भेजाः भारत जवाब देगा, और वह गति को नियंत्रित करता है।

प्रतिपादित रणनीतिक स्वायत्तता

भारत ने इस संकट को अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग किए बगोर इस संकट को संभाला। इसने संप्रभु साधनों का उपयोग करते हुए संप्रभु शर्तों पर सिद्धांत लागू किया।

ऑपरेशन सिंदूर का कब्जे या शासन परिवर्तन के बारे में नहीं था। यह विशिष्ट उद्देश्यों के लिए किया गया सीमित युद्ध था। जो आलोचक तर्क देते हैं कि भारत को और आगे जाना चाहिए था, वे मुद्दे को समझ नहीं पाए। रणनीतिक सफलता विनाश के पैमाने के बारे में नहीं है - यह वांछित राजनीतिक प्रभाव प्राप्त करने के बारे में है।भारत बदला लेने के लिए नहीं लड़ रहा था। वो प्रतिरोध के लिए लड़ रहा था। और यह काम कर गया।

एक ऐसे युग में जहां कई आधुनिक युद्ध खुलेआम कब्जे या राजनीतिक भ्रम में बदल जाते हैं, ऑपरेशन सिंदूर इससे अलग है। यह अनुशासित सैन्य रणनीति का प्रदर्शन थाः स्पष्ट लक्ष्य, संरेखित तरीके और साधन, और अप्रत्याशित वृद्धि के सामने अनुकूल निष्पादन। भारत ने एक झटके को झेला, अपने उद्देश्य को परिभाषित किया, और उसे प्राप्त किया- यह सब एक सीमित समय सीमा के भीतर। ऑपरेशन सिंदूर में बल का प्रयोग भारी, लेकिन नियंत्रित था - सटीक, निर्णायक और बिना किसी हिचकिचाहट के आधुनिक युद्ध में इस तरह की स्पष्टता दुर्लभ है। ₹हमेशा के लिए युद्धों₹ और रणनीतिक दिशा के बिना हिंसा के चक्रों से परिभाषित एक युग में, सिंदूर अलग है। यह स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्यों, मेल खाते तरीकों और साधनों और एक ऐसे देश के साथ सीमित युद्ध का एक मॉडल प्रस्तुत करता है जिसने कभी इनेशेटिव नहीं त्यागा।

2008 के भारत ने हमलों को झेला और इंतजार किया। यह भारत तुरंत, सटीक और स्पष्टता के साथ जवाबी हमला करता है।

मोदी का सिद्धांत, भारत का बढ़ता घरेलू रक्षा उद्योग और उसके सशस्त्र बलों का पेशेवराना तरीका सभी संकेत इस ओर इशारा करते है कि देश अब युद्ध की तैयारी नहीं कर रहा है। वो अगले युद्ध की तैयारी कर रहा है। ऑपरेशन में रुकावट ऑपरेशन सिंदूर का अंत नहीं है। यह एक विराम है। भारत इनिशिएटिव रखता है। यदि फिर से उकसाया गया, तो वह फिर से प्रहार करेगा। यह निवारण की बहाली है। यह एक नया सिद्धांत सामने आया है। और राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के खतरे का सामना कर रहे सभी देशों को इसका अध्ययन करना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर एक आधुनिक युद्ध था जो, परमाणु एसक्लेशन के साय में, पूरी दुनिया की नजर इस पर थी, और एक सीमित उद्देश्य के फेमवर्क के तहत लड़ा गया था। और हर महत्वपूर्ण पैमाने पर यह एक रणनीतिक सफलता थी - और एक निर्णायक भारतीय जीत थी।

लेखक, अर्बन वारफेयर इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक हैं।

स्पीड न्यूज

टाटा स्टील ग्रोथ शॉप का समर कैंप शुरू

गम्हरिया। टाटा-आदित्यपुर काम्प्लेक्स, गम्हरिया स्थित विद्या ज्योति स्पोर्ट्स ग्राउंड में टाटा स्टील ग्रोथ शॉप एवं टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के तत्वावधान में बच्चों के लिए 16 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ हुआ। इसका शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित टिस्को मजदूर यूनियन के अध्यक्ष राकेश्वर पाण्डेय ने किया। मौके पर सम्मानित अतिथि टीजीएस हेड (मैन्युफैक्चरिंग) पंचम प्रेमलाल टांक, यूनियन महामंत्री शिवलखन सिंह, विद्या ज्योति स्कूल के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार झा, टीजीएस एडमिन एंड इंजीनियरिंग के सिनियर मैनेजर संजय सिंह, मैनेजर स्पोर्ट्स संजय कुमार मिश्रा, कृपाल सिंह, नागेश्वर राव आदि उपस्थित थे।

एमएस आइटीआई में लगा प्रशिक्षण शिविर

जमशेदपुर। बुधवार को एम एस आईटीआई के प्रांगण में सिविल डिफेंस का एक ट्रेनिंग सीवर लगाया गया जिसमें सेफ्टी, फर्स्ट ट्रेड, सीपीआर और मॉक ड्रिल के जरिए से लोगों को जागरूक किया गया सिविल डिफेंस आज एक जरूरत बन गई है। सिविल डिफेंस का काम आम नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना और अवेयरनेस पहुंचाना है। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन अरुण कुमार, डिप्टी वार्डन डीके मिश्रा, बड़ा बाबू सुरेश प्रसाद और मिस आईटीआई के डायरेक्टर खालिद इकबाल, काशिफ रजा खान, सैयद तारिक आलम, इरफान अहमद, इश्तियाक, अहमद साबिर हुसैन, फैयाज अहमद बहुत सारे वालंटियर स्टूडेंट टीचर गर्ल्स, बॉयज ने आज सीवर में भाग लेकर बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

अर्बन कमेटी चेयरमैन ने किया भारतीय तरुण संघ का अवलोकन

जमशेदपुर। टाटा स्टील अर्बन डेवलपमेंट कमेटी के चेयरमैन सह टाटा वर्कर्स यूनियन के सहायक सचिव अजय कुमार चौधरी ने कदमा के शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर चार स्थित भारतीय तरुण संघ का दौरा कर वहां चलाई जा रही शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने भारतीय तरुण संघ के द्वारा स्लम एरिया के जरूरतमंद बच्चों के लिए चलाए जा रहे आदर्श बाल मध्य एवं उच्चविद्यालय का भी अवलोकन कर जानकारी ली और टाटा स्टील फाउंडेशन के द्वारा जरूरतमंदों को दी जा रही नि:शुल्क कोचिंग के उत्कृष्ट प्रदर्शन को भी सराहा।

पेंशन लंबित, डीसी से की गयी शिकायत

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के झारखंड आंदोलनकारी सेनानियों की पेंशन राशि विगत कई माह से लंबित है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुछ आंदोलनकारियों को पिछले छह-सात महीनों से पेंशन प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे उन्हें गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विश्वसनीय सूत्रों से यह भी ज्ञात हुआ है कि पेंशन की राशि सामाजिक सुरक्षा विभाग में उपलब्ध है, परंतु उसका वितरण अब तक नहीं किया गया है। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक है। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष शिबू काली मैती के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल आज डीसी से मिल लंबित पेंशन का जल्द भुगतान की मांग की।

सिंदूर खेला कर महिलाओं ने मां बाघेश्वरी देवी से लिया आशीर्वाद, मां को किया विदा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सुवर्ण वनिक समाज द्वारा बाराद्वारी स्थित समाज के भवन में आयोजित तीन दिवसीय श्री श्री मां बाघेश्वरी देवी की प्रतिमा का बुधवार की सुबह स्वर्णरेखा नदी घाट में आसछे बोछोर आबार होवे के साथ विसर्जन किया गया। इससे पूर्व समाज की महिलाओं द्वारा मां बाघेश्वरी देवी की प्रतिमा के साथ सिंदूर खेला खेला गया।

सिंदूर खेला खेल महिलाओं ने मां के शरण में परिवार की सुख समृद्धि की कामना की प्रतिमा विसर्जन को लेकर समाज के लोगों द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मौके पर समाज के प्रदेश कमेटी, जिला कमेटी व सभी शाखा कमेटी के पुरुष महिला पदाधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष संजय पोद्दार, गोपाल दत्त, समीर दत्त, जिला अध्यक्ष रवि माझी, सचिन संजय दत्त, सनोज चंद्र, विजय चंद्र, रूही दास, विश्वजीत चंद्र, अमर चंद्र समेत विभिन्न शाखा के पदाधिकारी मौजूद थे।

सिंदूर खेला के बाद माता रानी को विदा करते श्रद्धालु।

पूर्वी सिंहभूम जिले को 17 एमपीसी केंद्रों के निर्माण की मिली स्वीकृति

■ जनजातीय समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा और शासन संबंधी सेवाएं एक ही छत के नीचे होगा सुलभ

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय और मान (पीएम-जनमन) योजना के तहत पूर्वी सिंहभूम जिले में मल्टीपर्पज ट्राइबल सर्विस सेंटर (एमपीसी- बहु-उद्देश्यीय जनजातीय सेवा केंद्र) की स्थापना हेतु 17 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य जनजातीय समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा और शासन संबंधी सेवाएं एक ही छत के नीचे सुलभ कराना है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इन सभी प्रस्तावित एमपीसी केंद्रों में स्थानीय जनजातीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित कर आधारभूत ढांचा विकसित किया जाएगा। प्रत्येक केंद्र में डिजिटल सुविधा, चिकित्सा सहायता, प्रशिक्षण केंद्र, ग्राम सभा हॉल, और सरकारी योजनाओं की जानकारी व लाभ देने हेतु सुविधा काउंटर उपलब्ध होंगे। परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी ने कहा कि एमपीसी जनजातीय क्षेत्रों के लिए सामाजिक और आर्थिक बदलाव का माध्यम बनेगी। प्रशासन इसकी शीघ्रता से क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा। इससे न केवल क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा, बल्कि जनजातीय समाज की जीवनशैली में भी गुणात्मक सुधार आयेगा।

बनने वाले बहु-उद्देश्यीय केंद्रों की सूची

- पोटका प्रखंड : झारिया, टांगराईन
- गुड़ाबांदा प्रखंड : अर्जुनबेड़ा
- घाटशिला प्रखंड : दीघा, बासाडेरा, रामचंद्रपुर, घुटिया, दारिसाई, गुढाझोर, चेंगजोड़ा, हलुदबनी
- मुसाबनी प्रखंड: सोहदा, लवकेशरा, पाथरगोड़ा
- डुमरिया : चटनीपानी, केंदुआ, लखाईडीह

ड्रग इंस्पेक्टर हर माह दवा दुकानों में नार्कोटिक्स दवा के विक्रय और स्टॉक का रिपोर्ट देंगे : डीसी

■ कहा, ड्रग्स का अवैध व्यापार, सेवन, परिवहन की सूचना टोल फ्री नंबर 112 एवं पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 0657-2431028 पर जरूर दें

खबर मन्त्र ब्यूरो

बैठक करते डीसी अनन्य मित्तल।

जमशेदपुर। समाहरणालय सभागार, जमशेदपुर में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में नार्कोटिक्स समन्वय समिति (NCORD) की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, सिटी एसपी कुमार शिवाशीष समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में नशीली दवाओं के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों, नशीले पदार्थों के उत्पादन, प्रसंस्करण और तस्करी की रोकथाम पर चर्चा की गयी। इसके अलावा, शहरी क्षेत्र के युवा आबादी में नशे के खिलाफ जागरूकता लाने को लेकर थाना स्तर पर सभी निजी स्कूलों के प्राचार्य के साथ कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया गया जिसमें डालसा के भी प्रतिनिधि शामिल होंगे। वहीं नशे के खिलाफ सशक्त अभियान को लेकर स्कूलों में गठित प्रहरी क्लब का भी नियमित बैठक कर स्कूली बच्चों में जागरूकता लाने को कहा।

बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ड्रग इंस्पेक्टर दवा दुकानों के माध्यम से होने वेली नार्कोटिक्स दवाओं की बिक्री एवं स्टॉक की जानकारी प्रत्येक माह प्रस्तुत करें। साथ ही दवा दुकानों में प्रतिबंधित दवाओं की सूची को डिस्प्ले करने का भी निदेश दिया।

मादक पदार्थों की खेती के संभावित क्षेत्रों की पहचान के लिए जिला कृषि पदाधिकारी को बीटीएम के माध्यम से जांच करने एवं प्रतिवेदित करने का निदेश दिया गया। अंतर्राज्यीय और अंतरजिला मार्गों पर तस्करी की प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी एकत्र कर प्रभावी कार्रवाई करने की बात की गयी।

बैठक में नशीले पदार्थों की तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई की समीक्षा में पुलिस विभाग द्वारा बताया गया कि जनवरी से अप्रैल माह तक 13 कांड एनडीपीएस एक्ट में दर्ज हुए हैं जिनमें 36 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई। साथ ही बड़ी मात्रा में गांजा, ब्राउन सुगर, कफ सीरफ, डोडा आदि बरामद किया गया है। इसके अतिरिक्त **PIT NDPS** के तहत तीन अभियुक्तों का प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा गया है। रेलवे डीएसपी ने बताया कि पिछले चार माह में 87 किलो गांजा जब्त किए गए हैं।

वहीं उत्पाद विभागीय पदाधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 769 अभियोग दर्ज किए गए जिनमें 73 लोगों को जेल भेजा गया। वहीं अवैध शराब निर्माण के विरूद्ध कार्रवाई में 18364 ली. अवैध चुलाई शराब, 345885 कि.ग्रो जावा महुआ, 4001 ली. विदेशी शराब, 671 ली. बीयर, 1140 ली. स्प्रिट, 5.62 ली देशी शराब जब्त किए गए हैं।

बैठक में नशे के आदी व्यक्तियों और उनके परिवारजनों की नियमित काउंसिलिंग तथा पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से नशापान से मुक्त लोगों को स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में संवेदनशील पहल करने की बात की गई। साथ ही जनसाधारण से अपील किया गया कि ड्रग्स के अवैध व्यापार, सेवन, परिवहन की सूचना टोल फ्री नंबर 112 एवं पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 0657-2431028 पर जरूर दें।

बैठक में डालसा सचिव धर्मेंद्र कुमार, डीसीएलआर गौतम कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, पुलिस उपाधीक्षक भोला प्रसाद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, डीएसई, डीईओ, तीनों नगर निकाय के सहायक नगर आयुक्त, ड्रग इंस्पेक्टर व अन्य संबंधित उपस्थित थे।

एक नजर में

संथाली संस्कृति का सहभागी है कुशल भारत समूह : नरेश अग्रवाल

रायरंगपुर/जमशेदपुर। संथाली लिपि ओलचिकी की शतवार्षिकी एवं इसके आविष्कारक गुरू गोमकी के रूप में सम्मानित पंडित रघुनाथ मूर्मू की 120 वीं जयंती के अवसर पर उड़ीसा के मयूरभंज जिला स्थित राष्ट्रपति के गांव रायरंगपुर में दो दिवसीय समारोह हुआ जिसमें उड़ीसा के राज्यपाल, झारखंड के मुख्यमंत्री सहित पूरे देश से जनजातीय भाषा के विद्वान, साहित्य-संस्कृति और समाज कल्याण से जुड़े सैकड़ों लोगों ने भागीदारी की। मौके पर विभिन्न प्रदेशों के जनजातीय विधायक, मंत्री, प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य लोगों ने भी शिरकत की एवं पंडित मूर्मू के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में संथाली और अन्य जनजातीय समाज के उत्थान को लेकर निरंतर कार्य कर रहे कुशल भारत समूह के कर्णधार नरेश अग्रवाल को विशेष अतिथि के रूप में इस मौके पर आमंत्रित किया गया।

निजी विद्यालयों को अगले तीन दिन के अंदर शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

जमशेदपुर। उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश के आलोक में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निजी विद्यालयों के प्रवेश कक्षा में कुल 1303 के चयनित बच्चों में अबतक 726 बच्चों का नामांकन किया गया है। वहीं, शेष बच्चों के नामांकन हेतु संबंधित निजी विद्यालयों को तीन दिनों के भीतर नामांकन लेना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। विद्यालय प्रबंधन के द्वारा नामांकन में देरी की जांच जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय से कराई जायेगी।

बहरागोड़ा का मानुषमुड़िया पीएचसी झारखंड राज्य का दूसरा एनक्यूएएस प्रमाणित पीएचसी

जमशेदपुर। सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम का एक दिवसीय मासिक समीक्षात्मक बैठक के साथ-साथ एईएफआई का प्रशिक्षण सिविल सर्जन सभागार, खासमहल में आयोजित किया गया। सिविल सर्जन ने क्रमवार सभी अटल क्लिनिक तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर (शहरी) में टीकाकरण चालू करने के साथ -साथ शत प्रतिशत (100 प्रतिशत) टीकाकरण का लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निर्देश दिये। उन्होंने राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे यक्षमा, मलेरिया, कुष्ठ इत्यादि के बारे में जानकारी ली। जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ रंजीत कुमार पंडा ने विस्तारपूर्वक अएऋक्रउपचार के बारे में सभी को अवगत कराया साथ ही शत प्रतिशत क्रियान्वयन करने की बात कही। बैठक में डॉ सौमाल्या घोष, जिला कुष्ठ परामर्शी डॉ राजीव, मनीष सिंह, दीपक कुमार, राजेश कुमार, विशाल कुमार, अमित कुमार के अलावा सभी लोक स्वास्थ्य प्रबंधक, एएनएम, यू बीटीटी, पीएसआई- इंडिया,सहिया-साथी, बिमल दास उपस्थित थे।

सराहनीय... ट्रैफिक जवानों को दिया गया छाता, गमछा और धूप का चश्मा

जवानों को धूप से मिलेगी राहत

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। बुधवार को वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में यातायात पुलिसकर्मियों को धूप और लू से बचाव के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक श्री किशोर कौशल के द्वारा छाता, टोपी, सनग्लास एवं गमछा का वितरण किया गया साथ ही साथ यातायात पोस्टो पर पानी की व्यवस्था हेतु निर्देश दिये गये।

जवानों को छाता, गमछा और धूप चश्मा देते सीनियर एसपी।

श्रीनाथ विवि में योग से माइंड मैनेजमेंट विषय पर वर्कशॉप

खबर म न्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। श्रीनाथ विश्वविद्यालय जमशेदपुर में माइंड मैनेजमेंट पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें यूनिवर्सिटी के छात्रों के साथ साथ काफी संख्या में विभिन्न विभागों के प्रोफेसर शामिल हुए। श्रीनाथ विश्वविद्यालय के योग और नेचुरोपैथी विभाग के द्वारा आयोजित इस वर्कशॉप में मुख्य अतिथि के रूप में आर्ट ऑफ लिविंग की सम्मानित और जानी मानी इंस्ट्रक्टर निशा झा मौजूद रहीं जिन्होंने सभी को योग के जरिए माइंड मैनेजमेंट के तरीके सिखाए। इस वर्कशॉप में निशा झा ने बताया कि योग के जरिए मानसिक तनाव, जीवन में आक्रामकता, और स्ट्रेस को कम किया जा सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को सांस लेने की सही टेक्नीक के बारे में सिखाया गया जिसके शरीर स्वस्थ्य और मन शांत रहे। कार्यक्रम की शुरूआत श्रीनाथ विश्वविद्यालय के एकेडमिक्स डीन श्री दीपक शुक्ला के द्वारा मुख्य अतिथि निशा झा को सम्मानित करते हुए की गई। इस आयोजन में श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के छात्र भी काफी संख्या में उपस्थित थे। साथ ही श्रीनाथ विवि के योग विभाग, गणित विभाग, मास कम्युनिकेशन विभाग और श्रीनाथ बीएड कॉलेज के छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही।

जमशेदपुर पब्लिक स्कूल, बारीडीह में 50 किलोवाट क्षमता की रूफटॉप सोलर प्रणाली का उद्घाटन

टाटा स्टील यूआईएसएल की पहल

खबर मन्त्र ब्यूरो

सोलर प्रणाली का उद्घाटन करते टाटा स्टील यूआइएसएल के एमडी रितुराज सिन्हा।

जमशेदपुर। टाटा स्टील यूआईएसएल की स्थिरता को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता के तहत जमशेदपुर पब्लिक स्कूल, बारीडीह में 50 किलोवाट ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलर सिस्टम का उद्घाटन किया गया। इस प्रणाली का उद्घाटन टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक रितु राज सिन्हा ने किया, जो शैक्षणिक संस्थानों में स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। इसके अलावा, अब तक विभिन्न स्कूलों और संस्थानों में कुल 22 रूफटॉप सोलर लगाये जा चुके हैं जिनमें डीबीएमएस, जेएच तारापोर, लोयोला, एक्सआईटीई, कार्मेल जूनियर कॉलेज (सीपीएस), संट मैरीज स्कूल, केएसएमएस, साउथ पार्क, एक्सएलआरआई, राजेंद्र विद्यालय, आंध्र एसोसिएशन और अन्य शामिल हैं।

ओल चिकि मिशन 2025 को अनोखे अंदाज में पूरा कर रहे

खबर मन्त्र ब्यूरो

प्राइमरी लर्निंग बुक खरीदते हुए राजेश मार्डी।

जमशेदपुर। नाम राजेश मार्डी, लोग इन्हें ट्राइबल ब्लड मैन के नाम से जानते हैं तथा जमशेदपुर के सारजमदा निदिरटोला निवासी है और काम ग्रामीण क्षेत्रों के नए युवा पीढ़ी के युवा युवतियों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते और उन्हें रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करते हैं। वे अब तक स्वयं 77वीं बार रक्तदान कर चुके हैं और पूरे कोल्हान प्रमंडल में अकेले आदिवासी रक्तदाता के रूप में जाने जाते हैं। इनसे प्रेरणा लेकर ग्रामीण क्षेत्र के कई युवा पीढ़ी भी स्वेच्छा से रक्तदान करते हैं। संताली ओल चिकि लिपि मिशन 2025 के संबंध में उन्होंने कहा कि वे पिछले तीन सालों से अपने रक्तदान शिविर में सभी रक्तदाताओं को अपने निजी खर्च से या साथियों के सहयोग से फ्री में संताली ओल चिकि लिपि का प्राइमरी लर्निंग बुक बांटते हैं।

जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के बड़ाबाबू विश्वंभर यादव हुए सेवानिवृत, दी गयी विदाई

जमशेदपुर। बुधवार को शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ, जमशेदपुर महिला विवि ने विश्वंभर यादव, बड़ा बाबू (झारखंड विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के महामंत्री भी) की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में विदाई समारोह को बड़े ही उत्साहपूर्वक मनाया। इसमें शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के अध्यक्ष, गंगाधर नाग ने शॉल देकर उनका मान बढ़ाया। उसके बाद संघ के सचिव, सीमा तिर्की ने उपहार देकर उनका सम्मान बढ़ाया तथा उपाध्यक्ष, चैतन्य शिरोमणि ने एक गुलदस्ता भेंट देकर उन्हें सम्मानित किया। वर्तमान में विश्वंभर यादव, शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के संरक्षक के साथ झारखण्ड विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के महामंत्री भी है। उनका जीवन त्याग एवं संघर्ष की मिशाल है। वे कर्मचारियों की मांगों एवं उनके हित के लिए सदा ही तत्पर रहे हैं।

कैट ने देशवासियों से की तुर्की-अजरबेजान की यात्राओं के बहिष्कार की अपील

■ तुर्की-अजरबेजान से व्यापार भी करेंगे बंद : सुरेश सोंथालिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। देश भर के व्यापारियों के शीर्ष संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) चीन, तुर्की तथा अजरबेजान द्वारा पाकिस्तान का खुला समर्थन करने पर देश भर के व्यापारियों एवं लोगों से आवाहन किया है कि वो तुर्की तथा अजरबेजान की यात्राओं का पूर्ण बहिष्कार करें और इन दोनों देशों द्वारा भारत के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन करने पर करारा जवाब दें। चीन को लेकर कैट विगत कई वर्षों से चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने का अभियान चलाए हुए है, जिसका व्यापक असर पड़ा है। तुर्की एवं अजरबेजान की यात्राओं के बहिष्कार के संबंध में कैट ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स संगठनों सहित विभिन्न अन्य संबंधित वर्गों से संपर्क कर इसको तेज करेगा।

उधर, दूसरी ओर तुर्की और अजरबेजान के साथ व्यापार बंद करने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय आगामी 16 मई को कैट द्वारा नई दिल्ली में आयोजित देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया जायेगा।

सुरेश सोंथालिया (बायें)।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल और राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेश सोंथालिया ने आज यह आह्वान किया कि यदि भारतीय नागरिक तुर्की और अजरबैजान की पाकिस्तान के प्रति समर्थन के विरोध में इन देशों की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो इसका इन देशों की अर्थव्यवस्था, विशेषकर पर्यटन क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार तुर्की में कुल विदेशी आगमन 62.2 मिलियन पर्यटक का था जिसमें अकेले भारत से ही लगभग 3 लाख पर्यटक थे। वर्ष 2023 की तुलना में भारतीय पर्यटकों की 20.7% की वृद्धि थी। तुर्की का कुल पर्यटन राजस्वः $61.1 बिलियन था। एक भारतीय पर्यटक का औसत खर्च $972 होता है और इस दृष्टि से भारतीय पर्यटकों का कुल अनुमानित खर्च $291.6 मिलियन के लगभग होता है।

कैट के चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यदि भारतीय पर्यटक तुर्की की यात्रा का बहिष्कार करते हैं, तो तुर्की को लगभग $291.6 मिलियन का प्रत्यक्ष नुकसान होगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय पर्यटकों द्वारा आयोजित विवाह, कॉर्पोरेट कार्यक्रम और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के रद्द होने से अप्रत्यक्ष रूप से और भी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

सीबीएसई की परीक्षा में गायत्री शिक्षा निकेतन के छात्रों ने किया श्रेष्ठ पदर्शन

तनिषा कुमारी व उज्ज्वल आदित्य।

जमशेदपुर/आदित्यपुर। सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025 के परिणाम में आदित्यपुर-02 के मार्ग संख्या-04 स्थित गायत्री शिक्षा निकेतन के छात्र-छात्राओं ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कुल 188 परीक्षार्थियों में से उज्जवल आदित्य और तनिष्का कुमारी ने संयुक्त रूप से 95 .6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर का गौरव प्राप्त किया है। यश करण ने 93 .8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि पल्लवी झा 93 .6 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। पुष्कर कुमार को चौथा तथा अनंत खीरवला को पांचवां स्थान मिला। गौरतलब है कि उज्ज्वल आदित्य इससे पहले जेईई मेन परीक्षा में 99 .98 परसेंटाइल के साथ झारखंड के द्वितीय टॉपर और जमशेदपुर के सिटी टॉपर रह चुके हैं।

आइपीएल में वापसी को रोहित तैयार, अभ्यास सत्र में जमकर बहाया पसीना

एजेंसी

नयी दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर चुके भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आइपीएल 2025 के बचे हुए सत्र में वापसी के लिए तैयार हैं। बुधवार को उन्हें मुंबई इंडियंस के अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाते देखा गया, जिसका वीडियो टीम ने आधिकारिक हैंडल से जारी किया है। उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद आइपीएल के बचे हुए 17 मैचों का कार्यक्रम का जारी हो चुका है। 17 मई से टूर्नामेंट की दोबारा शुरूआत होगी जबकि तीन जून को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

लीग स्टेज पर मुंबई के बचे दो मैच

लीग स्टेज पर मुंबई अब तक 12 मैच खेल चुकी है। 13वां मुकाबला 21 मई को खेला जाएगा, जिसमें पांच बार की विजेता टीम का सामना दिल्ली कैपिटल्स से होगा। यह मैच मुंबई में ही खेला जाएगा। फिलहाल मुंबई इंडियंस अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और लीग स्टेज पर उनके दो मैच बाकी हैं। इनमें जीत के साथ टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करना चाहेगी। आगामी मैच के लिए मुंबई इंडियंस ने अभ्यास शुरू कर दिया है। बुधवार को हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम वानखेड़े पहुंची। यहां रोहित शर्मा को कर्ण शर्मा, रॉबिन मिंज, अश्विनी कुमार और तिलक वर्मा के साथ नेट्स पर समय बिताते देखा गया। पूर्व कप्तान रोहित इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अब तक खेले 11 मैचों में तीन अर्धशतकों की मदद से 300 रन बनाए हैं।

आइपीएल के शेष हिस्से में खेलेंगे बोल्ट

मुंबई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने आइपीएल 2025 के शेष हिस्से में अपनी टीम मुंबई इंडियंस के लिए खेलने का निर्णय किया है। 36 वर्षीय बोल्ट को मुंबई इंडियंस ने मेगा नीलामी में 12.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने आइपीएल के इस सत्र में 8.49 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिये हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 रन देकर चार विकेट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह पूरे टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

मुस्तफिजुर के लिए दिल्ली ने खोला खजाना, बीच सीजन टीम में एंट्री

फ्रेजर-मैकगर्क बाहर

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में बचे हुए मुकाबलों के लिए दिल्ल कैपिटल्स में एक बड़ा बदलाव हुआ है। दिल्ली कैपिटल्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को साइन किया है। मुस्तफिजुर को टीम में आस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क की जगह टीम में जगह मिली है। मैकगर्क निजी कारणों से आइपीएल के बचे हुए मैचों से हटने का निर्णय लिया है। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से मैकगर्क के लिए यह सीजन भी कुछ खास नहीं रहा था। बता दें कि मुस्तफिजुर रहमान को दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने 6 करोड़ में अपने साथ जोड़ा है। दरअसल जेक फ्रेजर मैकगर्क को दिल्ली कैपिटल्स ने 6 करोड़ में रिटेन किया था। ऐसे में उनके रिप्लेसमेंट के तौर मुस्तफिजुर को इतनी रकम मिली है। इससे पहले भी रहमान दिल्ली कैपिटल्स के लिए आइपीएल में खेल चुके हैं। ऐसे में एक तरह से उनकी घर वापसी हुई है।

लीग चरण में दिल्ली के पास सिर्फ 3 मैच

आइपीएल 2025 में अक्षर पटेल की अगुवाई में दिल्ली कैपिटल्स की टीम धमाकेदार शुरूआत की थी। शुरूआत में बैक टू बैक जीत के बाद दिल्ली की टीम ट्रैक पर से उतर गई। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण आइपीएल 2025 के रुकने के तक आइपीएल की टीम 11 मैच खेल चुकी थी। इसमें दिल्ली के पास कुल 13 पॉइंट्स हैं। टीम का 12वां मैच पंजाब किंग्स के साथ धर्मशाला में था जो कि पूरा नहीं हो पाया है।

मैच से पूर्व कोलकाता टीम में फिर से शामिल होंगे डी कॉक

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक 17 मई को आइपीएल 2025 के फिर से शुरू होने से पहले गुरुवार को बेंगलुरु में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में फिर से शामिल होंगे। मंगलवार शाम तक टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों में डी कॉक के शामिल होने को लेकर अनिश्चितता थी, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है, जो शनिवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ कोलकाता के मैच के साथ फिर से शुरू होगा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन सहित अधिकांश विदेशी खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है, जिनकी भारत वापसी अनिश्चित थी। पिछले हफ्ते बीसीसीआइ ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण टूर्नामेंट को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था।

1,151 दिनों से नंबर वन : टेस्ट ऑलराउंडर जडेजा ने रचा इतिहास

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम इन दिनों अपने सबसे बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। टीम के दो महान खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। जिससे टीम में काफी उथल पुथल मच गया है। रिटायरमेंट की खबरों के बीच भारतीय टीम के महान स्पिनर रवींद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। वो आइसीसी ऑलराउंडर रैंकिंग में सबसे ज्यादा लंबे समय तक नंबर-1 पोजीशन पर रहने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। जडेजा ने पहले स्थान पर 1151 दिन यानी 38 महीने से टिके हुए हैं, जो किसी ऑलराउंडर द्वारा किया गया अब तक का सबसे अधिक दिन है। उन्होंने साल 2022 में 9 मार्च को आइसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में नंबर-1 पोजीशन हासिल की थी। उस वक्त जडेजा ने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जैसन होल्डर को पीछे छोड़ा था।

जडेजा आइसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में हैं नंबर-1

आइसीसी टेस्ट ऑलराउंडर की ताजा रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 400 प्वाइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं, जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 327 प्वाइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं साउथ अफ्रीका मार्को जॉनसन 294 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। हैरत की बात ये है कि टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवींद्र जडेजा एकमात्र ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जो टॉप-10 में हैं। उसके बाद सीधे 12वें नंबर पर 220 रेटिंग प्वाइंट के साथ अक्षर पटेल का नाम है। जबकि वो आइसीसी वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में 220 रेटिंग प्वाइंट के साथ 9 वीं पोजीशन पर हैं।

जडेजा भी टेस्ट से ले सकते हैं रिटायरमेंट

अश्विन, रोहित और विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, क्रिकेट पंडितों का मानना है कि रवींद्र जडेजा भी टेस्ट से बहुत जल्द रिटायरमेंट का ऐलान करने वाले हैं। जबकि जडेजा का प्रदर्शन पिछले वर्षों में शानदार रहा है। उन्होंने वर्ष 2024 में 29.27 की औसत से 527 रन बनाए हैं और 24.29 की औसत से 48 विकेट लिए हैं। रवींद्र जडेजा के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 80 टेस्ट मैचों में 34.74 के औसत से 3370 रन बनाएं हैं और गेंदबाजी में 24.14 के औसत से 323 विकेट भी चटकाए हैं।

इंडिया ए टीम का चुनाव रुका आइपीएल से ढूंढे जाएंगे विराट-रोहित के विकल्प

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडिया ए टीम की घोषणा में देरी करने का फैसला किया है, क्योंकि आइपीएल 2025 का शेड्यूल 17 मई से 3 जून तक पुनर्निर्धारित किया गया है। इस बदलाव के कारण कई खिलाड़ी, जो भारत ए के इंग्लैंड दौरे का हिस्सा होंगे, शुरूआती मैचों में उपलब्ध नहीं होंगे। इंडिया ए को इंग्लैंड ए के खिलाफ दो 4 दिवसीय मैच (30 मई और 6 जून, नॉर्थम्प्टन) और भारतीय टेस्ट टीम के खिलाफ एक अभ्यास मैच (13 जून) खेलना है। बीसीसीआइ के एक सूत्र का कहना है कि आइपीएल प्लेऑफ (29 मई से शुरू) के कारण कई खिलाड़ी इंग्लैंड दौरे के शुरूआती हिस्से में नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों की टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी, वे उपलब्ध नहीं होंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कौन सी टीमें क्वालीफाई करेंगी, इसलिए हमें घोषणा के लिए इंतजार करना होगा।

टेस्ट टीम के कप्तान पर बहस जारी, गावस्कर के बाद श्रीकांत-मांजरेकर ने भी बुमराह का किया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने के बाद लाल गेंद के प्रारूप में किसे भारतीय टीम का कप्तान बनाया जाये इस पर बहस जारी है। भारत को अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और टीम इस दौरे पर नए कप्तान के नेतृत्व में जाएगी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के बाद अब विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी रहे कृष्णामचारी श्रीकांत और संजय मांजरेकर ने भी टेस्ट कप्तान के लिए जसप्रीत बुमराह का समर्थन किया है।

श्रीकांत बोले- गिल का प्लेइंग-11 में चुना जाना तय नहीं

श्रीकांत का कहना है कि बुमराह ने टीम के लिए जो योगदान दिया है उसे देखते हुए वह भारतीय टीम की कमान संभालने के हकदार हैं। श्रीकांत ने कहा कि वह शुभमन गिल पर कप्तानी नहीं थोपना चाहते क्योंकि यह युवा बल्लेबाज टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर रहा है। भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी के लिए गिल दौड़ में आगे चल रहे हैं, लेकिन कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि टीम की कमान बुमराह को सौंपनी चाहिए। श्रीकांत ने बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को लेकर चल रही चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि केएल राहुल या ऋषभ पंत को उपकप्तान बनाना चाहिए जिससे अगर बुमराह अनुपस्थित रहें तो वह उनकी जगह जिम्मेदारी संभालें। श्रीकांत ने कहा, अब कप्तानी के लिए कौन तैयार उम्मीदवार है? शुभमन गिल? मुझे नहीं लगता कि अभी भी उनका प्लेइंग इलेवन में होना तय है। आप कप्तानी केएल राहुल या ऋषभ पंत को नहीं सौंप रहे हैं। तो आप जसप्रीत बुमराह को दे दीजिए।

केएल राहुल या ऋषभ पंत को बनायें उपकप्तान'

उन्होंने कहा, दूसरा विकल्प बुमराह ही हैं। आप कहते हैं, बॉस, आप कप्तान हैं। जिस भी टेस्ट मैच में वह नहीं खेलते पाएंगे आप केएल राहुल को जिम्मेदारी दे सकते हो। फिलहाल, मुझे लगता है कि बुमराह को कप्तान होना चाहिए। अगर मैं मुख्य चयनकताओं होता, तो मैं बुमराह को कप्तान बनाता और फिर मैं कहता कि बॉस, आप जो भी मैच खेलना चाहते हैं, खेलें। फिर मैं केएल राहुल या ऋषभ पंत को उपकप्तान नियुक्त करता, क्योंकि इनका प्लेइंग इलेवन में होना तय है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। आप किसी को सिर्फ कप्तान के तौर पर नियुक्त नहीं कर सकते। मुझे नहीं पता कि चयनकर्ता क्या सोच रहे हैं, लेकिन यह मेरा नजरिया है।

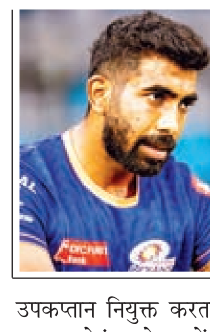

मांजेरकर ने भी जताई हैरानी

वहीं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी इस बात पर हैरानी जताई कि बुमराह अगले टेस्ट कप्तान के लिए प्रबल दावेदार नहीं है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर सवाल उठाए कि क्यों चयनर्कता बुमराह का विकल्प खोज रहे हैं। उन्होंने लिखा, मैं हैरान हूं कि हम टेस्ट कप्तान के तौर पर बुमराह के अलावा किसी और विकल्प पर विचार कर रहे हैं। उनकी चोटों को लेकर चिंतित हैं? तो अपने उपकप्तान को सावधानी से चुनें।

भारत ने की जूनियर विश्वकप के लिए 36 निशानेबाजों की घोषणा

नयी दिल्ली। भारत ने जर्मनी के सहुल में होने वाली आइएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 के लिए 36 सदस्यीय दल की घोषणा की है। आगामी 19 से 27 मई चलने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेने जा रहे 36 निशानेबाजों में से आठ ने ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की गन फॉर ग्लोरी अकादमी में प्रशिक्षण लिया है। ये आठ निशानेबाज नारायण प्रणव, मुकेश नेलावल्ली, अनुष्का थोकुर, प्राची गायकवाड़, के. तनिष्क नायडू (आरपीओ), साग्निक बनर्जी (आरपीओ), मेलविना एंजेलिन जोएल (आरपीओ) और वेदांत वाघमारे (आरपीओ) हैं। इन सभी एथलीटों ने प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षण लिया है।

हरियाणा के सनी भाटी ने जीता भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक

राजगीर (बिहार)। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में बुधवार को लड़कों 102 किग्रा से अधिक भार वाली भारोत्तोलन प्रतियोगिता में हरियाणा के सनी भाटी ने 268 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बुधवार को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में लड़कों की 102 किग्रा से अधिक भार वर्ग की भारोत्तोलन प्रतियोगिता में हरियाणा के सनी भाटी 268 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं जम्मू और कश्मीर के सात्विक लूथरा ने (266 किलोग्राम) वजन के साथ रजत पदक तथा बिहार के उज्ज्वल सिंह (241 किलोग्राम) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

बचे मैचों के लिए नया नियम लागू फ्रेंचाइजी को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) गवर्निंग काउंसिल ने आइपीएल 2025 के शेष चरण के लिए अस्थायी प्रतिस्थापन नियम लागू करने का फैसला किया है। सभी दस फ्रेंचाइजी को सीजन के अंत तक अस्थायी प्रतिस्थापन खिलाड़ियों को शामिल करने की अनुमति होगी, लेकिन ये खिलाड़ी 2026 के लिए रिटेंशन के पात्र नहीं होंगे। यह निर्णय भारत-पाकिस्तान सीमा तनाव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बाद लिया गया, जिसके चलते लीग 17 मई से फिर शुरू होगी और 3 जून को समाप्त होगी। निलंबन के कारण आइपीएल का शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से टकरा गया, जिससे जेक फ्रेजर-मैकगर्क और जेमी ओवरटन जैसे विदेशी खिलाड़ी अनुपलब्ध हो गये। कई फ्रेंचाइजी के पास बैकअप खिलाड़ी नहीं हैं, जिसके चलते नियम में बदलाव जरूरी हो गया। मूल नियम के अनुसार, टीमें चोट या बीमारी के मामले में 12वें मैच तक प्रतिस्थापन शामिल कर सकती थीं, लेकिन असाधारण परिस्थितियों के कारण गवर्निंग काउंसिल ने नियमों में ढील दी।

टेनिस प्रशंसक पोप लियो यानिक सिनर से मिले

एजेंसी

वेटिकन सिटी। पोप लियो 14वें ने बुधवार को दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर से मुलाकात की। इटैलियन ओपन में विश्राम के दिन सिनर ने बुधवार को नए पोप से मुलाकात के दौरान उन्हें टेनिस रैकेट दिया और उनके साथ खेलने की पेशकश की। पहले अमेरिकी पोप लियो टेनिस खिलाड़ी और प्रशंसक हैं। उन्होंने इस सप्ताह की शुरूआत में एक पत्रकार के सुझाव पर कहा था कि वह चैरिटी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। लेकिन उस समय लियो ने मजाक में कहा था कि हम सिनर को आमंत्रित नहीं कर सकते। यह संभवतः सिनर के उपनाम के संदर्भ में था जिसका अंग्रेजी में अर्थ पापी' होता है। वेटिकन के सभागार में अपने माता-पिता के साथ पहुंचे सिनर ने इतालवी में कहा कि यह सम्मान की बात है। अपना एक रैकेट पकड़कर पोप लियो को दूसरा रैकेट और एक गेंद देते हुए सिनर ने उन्हें एक वॉली खेलने का सुझाव दिया लेकिन पोप ने आसपास की प्राचीन वस्तुओं को देखा और कहा कि बेहतर होगा कि ऐसा नहीं करें। शिकागो के 69 वर्षीय लियो ने इसके बाद अपनी सफेद पोशाक और विंबलडन के लिए इसकी उपयुक्तता के बारे में मजाक किया। ऑल इंग्लैंड क्लब के नियम के अनुसार आपको सफेद कपड़े पहनकर खेलना होता है।

टेस्ट से संन्यास के बाद फडणवीस से मिले रोहित शर्मा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में अपने आधिकारिक आवास वर्षा में रोहित शर्मा से मुलाकात की और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के इस दिग्गज बल्लेबाज को शुभकामनाएं दी। फडणवीस ने रोहित के 14 वर्ष के करियर को सराहा। इस बैठक में राज्य सरकार ने खेल के प्रति रोहित के समर्पण और उनके योगदान की सराहना की। फडणवीस ने रोहित के साथ अपनी मुलाकात की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा कीं। फडणवीस ने रोहित के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा कर लिखा, भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे आधिकारिक निवास वर्षा में स्वागत। उनसे मिलकर और बातचीत कर बहुत अच्छा लगा। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने और अपने सफर के अगले अध्याय में निरंतर सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

पाक का राजगीर में एशिया कप हॉकी खेलना मुश्किल

एजेंसी

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर के बीच खेला जायेगा। मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपै को इसमें भाग लेना है। यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा लेकिन हम सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और आपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। अभी टूर्नामेंट में तीन महीने का समय है लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दोराय नहीं है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने के आदेश दिए। महासंघ के एक सूत्र ने कहा, अगर सरकार मंजूरी नहीं देती है तो पाकिस्तानी टीम यहां नहीं आएगी। यह सब सरकार के उस समय के रूख पर निर्भर करता है। अगर पाकिस्तान को भारत आने की मंजूरी नहीं मिलती है तो टूर्नामेंट सात टीमों के साथ होगा या एक नयी टीम को बुलाया जाएगा। यह फैसला एशियाई हॉकी महासंघ लेगा। एक अधिकारी ने बताया, अभी यह कहना मुश्किल है कि नई टीम कौन सी होगी या यह सात टीमों के साथ ही होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा। पाकिस्तान हॉकी टीम ने पिछली बार लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप नहीं खेला था जो पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद ही हुआ था। उसकी जगह मलेशिया को शामिल किया गया था। मौजूदा हालात में पाकिस्तान का 28 नवंबर से दस दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के पहले दौर में हारे आकर्षी-उन्नति संघर्षपूर्ण जीत के साथ आगे बढ़ीं

एजेंसी

बैंकॉक। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को थाईलैंड ओपन के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, आकर्षी कश्यप और उन्नति हुड्डा बुधवार को संघर्षपूर्ण जीत के साथ इस सुपर 500 टूनामेंट के अगले दौर में पहुंचने में सफल रहीं।

निर्णायक गेम में हारे लक्ष्य

लक्ष्य को पुरुष एकल वर्ग में आयरलैंड के नहात नगुयेन के खिलाफ एक घंटा 20 मिनट तक चले तीन गेम के मुकाबले में 18-21, 21-9, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। पहले गेम में पिछड़ने के बाद लक्ष्य ने दूसरे गेम में लय हासिल की और आक्रामक रैलियों से प्रभावित किया। हालांकि, नगुयेन ने भी हार नहीं मानी और निर्णायक गेम में 17-13 से आगे हुए और फिर इसे अपने नाम कर लिया। वहीं, प्रियांशु रजावात को भी पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा और वह इंडोनेशिया के अल्वी फरहान के खिलाफ 13-21, 21-17, 16-21 से हार गए।

महिलाओं ने नहीं किया निराश

महिला एक वर्ग में आकर्षी ने जापान की काओरु सुगियामा के खिलाफ रोमांचक मैच में जीत दर्ज की। उन्होंने 21-16, 20-22, 22-20 से यह मुकाबला अपने नाम किया। इस कड़े मुकाबले में आकर्षी ने अंत में जाकर जीत हासिल की। उन्नति को भी अगले दौर में पहुंचने के लिए पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने थाईलैंड की थामोनवान निथितिकराई को 21-14, 18-21, 23-21 से हराया। हालांकि, रक्षिता श्रीसंतोष रामराज का सफर थम गया जिन्हें सिंगापुर की आठवीं वरीयता प्राप्त यिओ जिया मिन के खिलाफ 18-21, 7-21 से हार मिली।

फुसरो शहर में स्थायी बस स्टैंड का अभाव, मगर नगर परिषद हर साल करती है पड़ाव की नीलामी

बस स्टैंड के नाम पर प्रतिवर्ष लाखों रुपये का राजस्व की वसूली करने के बाद भी यात्रियों को कोई सुविधा नहीं, सड़क को ही स्टैंड का नाम देकर प्रतिवर्ष नगर परिषद द्वारा राजस्व की जाती है वसूली

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बेरमो के फुसरो में कहीं भी बस स्टैंड नहीं है. मुख्य सड़क के किनारों को ही अस्थायी बस स्टैंड जैसा उपयोग किया जाता है। यहां रोजाना 20 से 25 बसें रुकती हैं। जहां से झारखंड के कई जिलों के अलावा बिहार के बक्सर, दाउदनगर, बलिया, औरंगाबाद, डेहरी, छपरा, सिवान आदि जगहों के लिए बसें जाती हैं। निर्मल महतो चौक के पास सड़क के किनारे विभिन्न जगहों के लिए लंबी दूरी की बसें लगती हैं।

धनबाद की ओर जाने वाले यात्रियों को फुसरो सब्जी मंडी के पास ही मुख्य सड़क के किनारे बस का इंतजार करना पड़ता है। सड़क के किनारे बसें व अन्य छोटे वाहन लगते हैं। जिस कारण यहां अक्सर सड़क जाम हो जाती है। गोमिया-हजारीबाग की ओर जाने के लिए यूको बैंक फुसरो के नजदीक तथा टाटा की ओर जाने के लिए भुवनेश्वर सिंह पेट्रोल पंप की दूसरी ओर बसें लगती हैं।

इस स्थिति में जहां-तहां यात्रियों को खड़े रह कर बसों का इंतजार करना पड़ता है। जबकि हर वर्ष नियमित रूप से बस पड़ाव की निलामी होती है।

अब सवाल उठता है कि जब स्थाई बस पड़ाव ही नहीं है तो फिर निलामी किस बस पड़ाव की होती है। यात्रीयो की सुविधा की बात करे तो यहां यह शून्य है।

गोड्डा : पीडीजे ने किया चिल्ड्रन होम का निरीक्षण सुविधाओं व भवन की स्थिति का लिया जायजा

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार एवं सचिव दीपक कुमार ने बुधवार को सरकंडा स्थित चिल्ड्रन होम (बालक) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरकार व प्राधिकरण की ओर से मुहैया की जाने वाली सभी प्रकार की सुविधाओं की पड़ताल की। बाल सुधार गृह को मिलने वाली सुविधाओं समेत सफाई, स्वास्थ्य व भवन की स्थिति का जायजा लिया गया। उन्होंने बच्चों के बीच पाठ्य सामग्रियों का वितरण किया। पीडीजे ने बारी- बारी से बच्चों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया। कहा कि बच्चों को डरने की बात नहीं है। नहीं डरने के लिए ही हम यहां आए हुए हैं। आपको यहां सभी प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। आप यहां पारिवारिक माहौल में रहकर पढ़ना-लिखने भी सीखें। कहा कि बच्चे यहां रहकर डरे नहीं और इन बच्चों का बचपन सुरक्षित रहे और ये फिर से उछलकूद कर सकें यही मुख्य उद्देश्य है। इस उम्र के बच्चे तो खेलने-कूदने में मस्त रहते हैं। चिल्ड्रन होम की ओर से जानकारी दी गई कि ये बच्चे बाल कल्याण समिति के माध्यम से सौपे गए हैं। इन बच्चों के माता-पिता के बारे में अबतक जानकारी नहीं मिली है। माता पिता की खोज के लिए काउंसिलिग जारी है। वर्तमान में बाल गृह में छह बच्चे हैं जो विभिन्न जगहों से रिस्क्यू करके लाए गए हैं। इस अवसर पर कार्यपालक दंडाधिकारी अभय कुमार झा, विधि सह परवीक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार, एलएडीसी रीतेश कुमार सिंह, आयूष राज, पीएलवी नवीन कुमार, अविनाश कुमार, तबरेज आदि उपस्थित थे।

एक नजर में

सड़क हादसे में ड्राइवर खलासी की गयी जान

बेरमो। डुमरी के केवी मोड़ के समीप सड़क हादसे में डोर स्टेप डिलीवरी वाहन का ड्राइवर और खलासी की जान चली गई है। घटना डुमरी थाना क्षेत्र की है। बताया जाता है कि झारखंड राज्य खाद निगम के डोर स्टेप डिलीवरी वाहन किसी राशन डीलर का सामान पहुंचा कर डुमरी वापस आ रहा था तभी सामने से आ रही किसी अज्ञात वाहन से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें डोर स्टेप डिलीवरी वाहन का ड्राइवर और खलासी की मौके पर ही जान चली गई। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस वाहन सहित शव को अपने कब्जे में लेकर थाने ले आई है और पूरे मामले की जांच में जुट गई। वहीं घटना के बाद दूसरा वाहन भागने में सफल रहा है। फिलहाल मृतक की पहचान जयलाल महतो ड्राइवर और असगर अंसारी खलासी के रूप में हुई है।

बैदकारो पश्चिमी पंचायत मे मना भगवान बुद्ध जयंती

बेरमो। बैदकारो पश्चिमी पंचायत के जयनगर बसडीपु में भीम आर्मी भारत एकता मिशन फुसरो, बोकारो जिला कमिटी की ओर से भगवान बुद्ध जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम का अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गोवर्धन रविदास व संचालन जिला उपाध्यक्ष ललन राम ने किया। यहां उपस्थित लोगों ने बुद्ध जी चित्र पर माल्यार्पण कर कैंडल जलाकर त्रिशरण का पाठ किया एवं भगवान बुद्ध के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष रविदास व जिला उपाध्यक्ष राम ने कहा कि भगवान बुद्ध ने पूरे विश्व को अहिंसा और शांति का मार्ग बताया है, जिससे पूरा विश्व सुरक्षित रह सकता है। द्वेष अनुराग और कलह से कोई भी सुखी नहीं रहा है। अतः हमें भगवान बुद्ध के आदर्श को आत्मसात करना चाहिए। कहा कि बचपन से ही सिद्धार्थ करुणा और प्रेम के प्रति मूर्ति थे। इस दौरान बुद्धम शरणम् गच्छामि संघम शरणम् गच्छामि। अत दिपो भवाः और बौद्ध धम्म की क्या पहचान–मानव मानव एक समान आदि नारों से क्षेत्र बौद्ध मय लग रहा था। मौके पर फुलचंद रविदास, मनोज पासवान डॉ भरत महतो, नकुल रविदास, मनोज शर्मा, संजू किंडर, रंजीत कौल, चंदेश्वर महतो, राजेंद्र रविदास, कपील रविदास, मोहन रविदास, माधुरी देवी, यशोदा देवी, सीता देवी, सुमन देवी, काजल देवी, बिनोद रजक, भोला रजक आदि लोग मौजूद थे।

मातृ सम्मेलन कार्यक्रम सफल पूर्वक आयोजित करने को लेकर हुई बैठक, लिये गये कई निर्णय

फुसरो। अनपति देवी सरस्वती शिशु विधा मंदिर फुसरो में 16 मई को मातृ सम्मेलन कार्यक्रम सफल पूर्वक आयोजित करने को लेकर विधालय के सभागार में बैठक की गयी। बैठक का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने किया। इस बैठक में मुख्य रूप से विद्यालय के अध्यक्ष राकेश शर्मा, उपाध्यक्ष रामनरेश द्विवेदी, कोषाध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल, कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन के सचिव धीरज कुमार पाण्डेय, मकोली विद्या मंदिर के अध्यक्ष अखिलेश सिंह, सचिव छेदी नोनिया, स्टाफ क्वार्टर के सचिव सुमित बंसल ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में 16 मई को होने वाले संकुल स्तरीय मातृ सम्मेलन की पूर्व समीक्षा की गयी। मातृ सम्मेलन कार्यक्रम को लेकर विभिन्न प्रकार के विभाग बाटे गए। बताया गया कि इस सम्मेलन में कस्तूरबा संकुल के 6 विद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्र–छात्राए की माताएं एवं अन्य महिलाए लगभग हजारो की संख्या में भाग लेगी। वक्ताओ ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमो के आयोजन से बच्चो के सर्वांगीण विकास की ओर ध्यान देता हैं ताकि हमारा बच्चे चरित्रवान व राष्ट्रभक्त बने। कहा कि आज के बच्चे कल का राष्ट्र निमार्ता है। मौके पर पूरे संकुल से 6 विधालयो में कस्तूरबा श्री विद्या निकेतन के प्रभारी प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार महतो, शिशु मंदिर ढोरी के प्रधानाचार्य प्रमांनद सिंह, शिशु मंदिर मकोली के प्रधानाचार्य गणेश पाल, पिछरी के प्रधानाचार्य झरना चटर्जी एवं विद्या मंदिर तुपकाडीह के प्रधानाचार्य मंटु गिरी आदि सहित सैकडो की संख्या में आचार्य–आचार्या मौजूद थे।

झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के प्रतिनिधियों का कुरपनिया में भव्य स्वागत

कुरपनिया। बुधवार को कुरपनिया में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम, उपाध्यक्ष प्रणेश सोलोमन और सदस्य बरकत अली का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह प्रतिनिधिमंडल पेक निवासी अब्दुल कलाम की मॉब लिंचिंग में हुई दर्दनाक मृत्यु के बाद उनके परिजनों से मिलने के लिए पेक जा रहे थे। पेक जाने के क्रम में इस टीम के कुरपनिया पहुंचने पर यूनाइटेड मिल्ली फोरम के प्रदेश सचिव अफजल अनीस और कुरपनिया के सदर जनाब शमशेर शेख उर्फ लल्लू शेख के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने आयोग के सदस्यों का भव्य स्वागत किया। स्वागत के दौरान शामिल होने वाले लोगों मे मो सलीम, विक्की, मो जावेद अंसारी, दानिश सिद्दीकी, फिरोज मल्लिक, रिफत, खुर्शीद, हारून रशीद, गोल्डन, इकबाल, शाहिद अनवर, सद्दाम, इमरान, मोहम्मद मिसाल, अफरोज और गुड्डू समेत कई अन्य लोग शामिल थे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने मॉब लिंचिंग की घटनाओं की कड़ी निंदा की और अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। आयोग के प्रतिनिधियों ने परिजनों को न्याय दिलाने और घटना की निष्पक्ष जांच का आशवासन दिया। घटना के पिड़ीतो के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि आयोग पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और दोषियों को सजा दिलाने के लिए हरसंभव कदम उठाया जाएगा। यह दौरा न सिर्फ प्रशासनिक संवेदनशीलता का परिचायक था, बल्कि यह भी दर्शाता है कि राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर सजगता बढ़ रही है।

बोकारो : अवैध शराब फैक्ट्री का उद्भेदन

बोकारो। डीसी विजया जाधव के निर्देशानुसार एवं सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में गुप्त सूचना के आधार पर जिला उत्पाद बल के सहयोग से पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के औलगढ़ा ग्राम में पंचायत सचिवालय के निकट मंगलवार देर रात एक निमार्णाधीन मकान में छापामारी कर एक नकली विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इसका संचालन अंकित सिंह एवं राहुल माहथा के द्वारा नेपाल महतो के निमार्णाधीन मकान में अवैध रूप से किया जाता था जिसकी देखरेख काशी टांड़ निवासी गौतम गोप के द्वारा किया जाता था। सभी संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत अभियोग दर्ज किया जा रहा है। घटनास्थल से टीम ने भारी मात्रा में तैयार विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब–60 पेटी 556 लीटर 50 लीटर स्प्रिट व शराब बनाने की सामग्री जैसे– विभिन्न ब्रांड के स्टीकर खाली बोतल विभिन्न ब्रांड के ढक्कन पंचिंग मशीन झारखंड सरकार के नकली होलोग्राम आदि जब्त किया गया। छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल अवर निरीक्षक सदर–सह–तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की अवर निरीक्षक बेरमो–सह–चंदपुरा महेश दास एवं उत्पाद विभाग बल आदि शामिल थे।

छापेमारी में चार टन अवैध कोयला जब्त

कथारा। महाप्रबंधक कथारा के निर्देशानुसार एवं क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी के सहभागिता में कथारा ओपी पुलिस दल एंव क्षेत्रीय गश्ति दल तथा कथारा कोलियरी गश्ति दल द्वारा बुधवार को कथारा कोलियरी स्थित 03 न ऊपर क्वारी, झिरकी बस्ती यादव टोला के समीप कोयला चोरों के विरुद्ध औचक छापेमारी अभियान चलाया गया। उक्त छापेमारी अभियान में करीब 4 टन अवैध कोयला जब्त कर कथारा ओपी के सुपुर्द कर दिया गया है। उक्त छापेमारी अभियान में राजेश प्रजापति, थाना प्रभारी, कथारा ओपी, केएन पाठक आदि शामिल थे।

केबी कॉलेज बेरमो में 17 मई को जॉब प्लेसमेंट शिविर का होगा आयोजन

बेरमो। केबी कॉलेज बेरमो सिर्फ विधार्थियों को शिक्षा ही ग्रहण नही करवाती बल्कि उनके भविष्य के प्रति चिंतित भी रहती है। इसी को लेकर 17 मई को कॉलेज मे प्लेसमेंट शिविर का विशेष आयोजन किया गया है। यह प्लेसमेंट सेल एवं कैरियर काउंसलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान द्वारा 17 मई 2025 शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन सुबह 10 बजकर 30 मिनट से किया जाएगा। कॉलेज के कला, वाणिज्य और विज्ञान विषयों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों, छह सत्र के छात्र छात्राओं को रोजगार से जोड़ा जाएगा। एन आई आई टी फाउंडेशन नई दिल्ली के अमेजन, फ्लिपकार्ट आदि कंपनी इस मे भाग ले रही है। इसके लिये विधार्थियों को दो पासपोर्ट साइज फोटो, सभी सर्टिफिकेट और बायो डाटा लेकर को बुलाया गया है। कॉलेज के प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा के बी कॉलेज बेरमो द्वारा लगातार कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन कर छात्र छात्राओं को रोजगारपरक बनाया जा रहा है। डॉ अरुण कुमार रॉय महतो प्लेसमेंट सेल के कोऑर्डिनेटर ने बताया कि योग्य अभ्यर्थियों को प्लेसमेंट सेल अपने कैरियर बनाने के लिए बार बार मौका दे रही है। डॉ प्रभाकर कुमार कैरियर काउंसलिंग सेल कॉर्डिनेटर ने कहा युवाओं का समग्र व्यक्तित्व निर्माण के बी कॉलेज बेरमो की ओर से किया जा रहा है। प्राचार्य लक्ष्मी नारायण, प्रो इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति, डॉ अरुण कुमार रॉय महतो, डॉ प्रभाकर कुमार, रविंद कुमार दास, सदन राम आदि ने कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में आने वाली कंपनी का धन्यवाद कहा है। योग्य अभ्यर्थियों का चयन कर बेरमो कोयलांचल का नाम जॉब के छेत्र में भी ले जानी है।

स्पीड न्यूज

बेरमो का अध्ययन मित्तल ने वाणिज्य संकाय में लहराया परचम

बेरमो। बेरमो के फुसरो निवासी पंकज मित्तल के पुत्र अध्ययन मित्तल ने वाणिज्य संकाय के 12वीं सीबीएसई बोर्ड में 97.4% अंक लाकर बोकारो जिला में तृतीय स्थान एवं पूरे झारखंड में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया,जिससे पूरे परिवार में हर्ष व्याप्त है। इस उपलब्धि पर परिवार वालो सहित क्षेत्र के लोगों ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। अध्ययन मित्तल का सपना श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से आगे की पढ़ाई करना और साथ में सीए की पढ़ाई करना है। बधाई देने में दिलीप मित्तल, सरिता मित्तल, कविता मित्तल, पंकज मित्तल, भावना मित्त, रोहित मित्तल, छितरमल बंसल, कृष्ण कुमार चांडक, चिरंजी लाल अग्रवाल सहित कई लोग शामिल हैं।

सेना के सम्मान में गोड्डा में तिरंगा यात्रा का आयोजन 16 मई को

गोड्डा। आपरेशन सिंदूर के तहत जय हिंद की सेना के अदम्य साहस व शौर्य ने जिस प्रकार पाकिस्तान को घुटनों पर लाया हैं और आतंकवादियों उनके ठिकानों को ध्वस्त किया हैं उसके सम्मान में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन गोड्डा जिला मुख्यालय में शुक्रवार को हटिया चौक गोड्डा सांय 4:00 बजे शुरू होगा, जो हटिया चौक गोड्डा कारगिल चौक और समापन अशोक स्तंभ गोड्डा में किया जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव मिश्रा ने जिले के आम जनमानस एवं तमाम युवा बंधुओं से आग्रह किया गया है राष्ट्र गौरव के इस पल के साक्षी बनने व शामिल होने आप सभी राष्ट्र भक्तो को सादर आमंत्रित किया है।

ठाकुरगंगटी सीओ ने मेहरमा अंचल का लिया अतिरिक्त प्रभार

गोड्डा/महागामा। अनुमंडल के ठाकुरगंगटी सीओ मदन महली ने मंगलवार को डीसी जिशान कमर के निर्देश पर मदन महली ने मेहरमा प्रखंड के बीडीओ सह प्रभारी सीओ अभिनव कुमार से मेहरमा अंचल का अतिरिक्त प्रभार लिया। बताते चलें कि गोड्डा डीसी के निर्देश पर सीओ ने प्रभार लिया है। मदन महली अब ठाकुरगंगटी अंचल के अलावे मेहरमा अंचल में भी कार्यरत रहेंगे और अंचल के कार्यों को ससमय निष्पादित करेंगे। वहीं पदभार ग्रहण करते समय मौके पर ठाकुरगंगटी बीडीओ विजय कुमार मंडल सहित अंचल के सभी कर्मी उपस्थित थे।

पाइप लाइन बिछाने के बाद नहीं किया मरम्मत

बोकारो/कसमार। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट के अंतर्गत पेटरवार–कसमार संयुक्त ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने के दौरान संवेदक द्वारा कई सड़कों को खोदकर क्षतिग्रस्त किया गया है। लेकिन दो–तीन वर्षों के बाद भी आजतक गड्ढों को भरकर मरम्मतीकरण नहीं किया गया। जिससे आये दिन राहगीर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बार–बार संवेदक का ध्यान आकृष्ट करने के बावजूद इस दिशा में ना विभाग और ना ही संवेदक ध्यान दे रहे है। जेएलकेएम पार्टी के जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार महतो ने बताया कि बरईकला ओरमो मधुकरपुर दुगार्पुर पोंडा मंजूरा बगदा टांगटोना आदि गांवों में सड़क क्षतिग्रस्त कर दिये गये हैं। नियमानुसार सड़क पर पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदे गये गढ़ों को मरम्मती भी करना है। जिलाध्यक्ष महतो ने उपायुक्त बोकारो को पत्र लिखकर संवेदक के खिलाफ कार्रवाई कर जल्द ही सड़कों की मरम्मतीकरण कराने की मांग की है।

मुआवजा लेने के बावजूद संरचना नहीं हटा रहे रैयतों पर बोकारो प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

16 से 20 मई तक खुदीबेड़ा मौजा में अतिक्रमण सरंचनाओं पर चलेगा अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के तहत अधिग्रहित भूमि व मकान आदि संरचनाओं का मुआवजा लेने के बावजूद कसमार प्रखंड के रैयतों द्वारा संरचनाओं को हटाये नहीं जाने पर बुधवार को बेरमो एसडीओ मुकेश मछुआ के निर्देश पर प्रशासन ने मंजूरा मौजा में बुलडोजर चलाकर एक-एक रैयतों के संरचनाओं को हटा दिया। अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ के आदेशानुसार कसमार सीओ प्रवीण कुमार को वरीय दंडाधिकारी के अलावे कनीय अभियंता राजीव रंजन एवं आशीष कुमार को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त कर संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त अभियान में विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई। मंजूरा के हरिजन टोला स्थित मनसा मंदिर को हटाने के लिए जाने पर कुछ लोगों द्वारा रोक लगा दिया गया। इसके बाद कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मंदिर को अन्यत्र स्थापित करने को सहमत किया। जो एक सप्ताह के भीतर मंदिर को स्थानांतरित करेंगे। वहीं अन्य कई रैयतों को भी समझाकर संरचनाओं को हटाने में अहम भूमिका निभाई। बुधवार को प्रशासन की अभियान में मंदिर और कब्रिस्तान को छोड़कर सभी संरचनाओं को हटा दिया गया। बताया कि सड़क निर्माण में अधिग्रहित धार्मिक भूमि एवं संरचनाओं के समिति को मुआवजा राशि भुगतान कर हटाया जायेगा। मंजूरा मौजा में प्रेमचंद महतो सोनाराम महतो मोहन राम महतो सुदामा महतो बनवारी प्रजापति हकीम प्रजापति सच्ची नाथ महतो संजय प्रजापति शंकर तूरी चोलाराम तूरी मुकेश तूरी देवा तूरी दिलीप तूरी गोविंद तूरी भीखन तूरी भगतू महतो आदि रैयतों के मकान आदि संरचनाओं को तोड़ कर हटाया गया। खुदीबेड़ा मौजा में 16 से 20 मई को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण मुक्त के लिए बुलडोजर अभियान चलाया जाएगा। जिसमें अधीर चक्रवर्ती के घर से लेकर प्रयाग महतो के घर तक लगभग तीन दर्जन रैयतों की संरचनाओं को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया जायेगा। मौके पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कनीय अभियंता राजीव रंजन व आशीष कुमार कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो कंसल्टेंट टीम हेड चंद्रभूषण कुमार जिला भू-अर्जन कार्यालय के शरत महतो एसआई मोजमिल राजस्व कर्मचारी जमील अहमद गंगा कंस्ट्रक्शन के अधिकारी नरेंद्र पांडेय गुड्डू पाठक विकास तिवारी जैप के पुलिस बल चौकीदार मिथलेश महतो समरेश महतो नीतू कुमारी आरजू खातून आदि उपस्थित थे।

गोड्डा : वेतन नहीं मिलने से नाराज रेलवे लाइन के ठेका मजदूरों ने किया प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा/ललमटिया। एमजीआर रेलवे लाइन केबिन में रेलवे लाइन के ठेका मजदूर ने संथाल परगना औद्योगिक मजदूर संघ के बैनर तले अप्रैल महीना का वेतन नहीं मिलने पर जोरदार प्रदर्शन किया। मजदूर संघ के सचिव रामजी साह, सहायक सचिव सोनाराम मड़ैया ने कहा कि यह सभी मजदूर फरक्का एनटीपीसी के रेलवे लाइन में ठेका मजदूर के रूप में कार्य करते हैं। मजदूर एवं एनटीपीसी प्रबंधन ठेकेदार के बीच लिखित समझौता के माध्यम से कहा गया था कि प्रत्येक महीने के 10 तारीख तक सभी मजदूर को वेतन की राशि मिल जाएगी, लेकिन अभी तक वेतन नहीं मिला है। जबकि मजदूर कठिन मेहनत से फरक्का एनटीपीसी के एमजीआर रेलवे लाइन का देखरेख करते हैं, जिससे एनटीपीसी प्रबंधन सुचारू रूप से राजमहल परियोजना से कोयल की ढुलाई करती है। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी प्रबंधन अपने समझौता को उल्लंघन कर रही है, जिससे मजदूर आक्रोशित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 13 मई तक एनटीपीसी के ठेकेदार मजदूर को वेतन नहीं देती है, तो 14 मई के सुबह 9 बजे से मजदूर द्वारा ललमटिया केविन के पास धरना-प्रदर्शन करेंगे, इसकी सारी जिम्मेवारी प्रबंधन की होगी। मौके पर लोहा सिंह, सुलेमान हांसदा, दिलीप हांसदा, शीतल लोहार, चंदन मुर्मू, जुगल, तलकू सोरेन आदि उपस्थित थे।

सीबीएसई 12वीं में डीपीएस बोकारो की बारुनी कॉमर्स में और साइंस में अंकिता बनी टॉपर

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षा में डीपीएस बोकारो की कॉमर्स संकाय की छात्रा बारुनी अग्रवाल ने सर्वाधिक 97.80 प्रतिशत लाकर टॉपर होने का गौरव पाया। वहीं, दूसरे स्थान पर साइंस टॉपर अंकिता साक्षी रही जिसे 97.20 प्रतिशत अंक मिले। इस वर्ष साइंस एवं कॉमर्स संकायों की परीक्षा में कुल 484 विद्यार्थी शामिल हुए थे और सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहे। 88 विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत व अधिक तथा 338 को 80 प्रतिशत व इससे ज्यादा अंक मिले। अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं की इस उत्कृष्ट सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने विद्यार्थियों को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। घोषित परिणाम के अनुसार विज्ञान संकाय के टॉप टेन में क्रमशः अंकिता साक्षी बंदिता माहथा व मनीष कुमार अभिनीत शरण श्रेष्ठा रूपम द्विवेदी एवं तान्या पांडेय निश्चय मेहता एवं कनिष्ठ शर्मा अनुपम शर्मा उत्कर्ष राज एवं पलक्ष सिंह अनूप झा सुरभि प्रिया एवं करुणाकर देव तथा ऋषिमा तिवारी समृद्धि सृजन व सिद्धांत शर्मा रहे। वहीं कॉमर्स संकाय के सर्वश्रेष्ठ 5 विद्यार्थियों में क्रमशः बारुनी अग्रवाल जशी कुमारी हर्षिता सिंह अभिनव सिसोदिया एवं मयंक अग्रवाल के नाम शामिल हैं।

डीपीएस चास के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

डीपीएस चास के 12वीं विज्ञान में अदिति शुभम अंकित कुमार दुबे दीप्तांशु प्रकाश अंचित साहनी तथा नीरज चौधरी तो वाणिज्य में अमित कुमार शर्मा प्रतीचि जैन तथा सिजा अख्तर टॉपर रहे। जहां 05 विद्यार्थियों ने 90 % से अधिक अंक प्राप्त किया वहीं 21 ने 80 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए तो 32 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा साबित की है। 10वीं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में गरिमा मंडल अंशुमन चौधरी बौद्धिक गोस्वामी अमन कुमार सुदीप दत्ता पार्थ पुजल अभिनव आनंद वंशिका राउत आदित्य हर्ष कुमारी रिया मयंक राज तथा राज आर्यन टॉपर हैं। 78 विद्यार्थियों में 9 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक और 35 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किया है। विद्यालय का औसत परीक्षा परिणाम 76.10 % रहा है।

बेरमो सीओ ने थाना प्रभारियों के साथ कोयला चोरी पर अंकुश लगाने को लेकर की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/बोकारो। जिले के बेरमो प्रखंड अंतर्गत बेरमो प्रखंड कार्यालय में बेरमो सीओ संजीत कुमार सिंह ने अपने कार्यालय में सीसीएल ढोरी, बीएंडके व कथारा एरिया के सुरक्षा पदाधिकारी सहित बेरमो थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर रोहित कुमार सिंह, बोकारो थर्मल थाना प्रभारी सह पुलिस इंस्पेक्टर पिंकू कुमार यादव, गांधीनगर थाना प्रभारी धनंजय कुमार सिंह के साथ बैठक किया इस बैठक में थाना क्षेत्र में अवैध कोयला खनन भंडारण वह तस्करी पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने एवं सुरक्षत्मक उपाय करने को लेकर चर्चा किया गया। सीओ संजीत कुमार सिंह ने कहा कि बेरमो मे अवैध कोयला तस्करी पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाएगा। कहा कोयला चोरी में संलिप्त लोगों पर राज्य सरकार व सीसीएल के गाइडलाइंस के अनुसार कार्रवाई किया जाएगा कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र मे गस्ती को तेज करते हुए कहीं भी कोयला तस्करी को लेकर अवैध गतिविधि पाया जाता है तो उस पर ठोस कार्रवाई करें। सीसीएल व पुलिस संयुक्त रूप से समन्वय बनाकर कोयला तस्करी पर रोक लगाए और जहां भी अतिरिक्त बल की जरूरत हो तो उसका उपयोग करें कोलियरी में संचालित अवैध सुरंगो को डोजरिंग करा कर बंद कराये। कहा कि कोयला तस्करी से जहां सीसीएल की क्षति होती है वहीं राज्य सरकार को भी राजस्व की क्षति होती है इस मौके पर बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह, बोकारो थर्मल थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव, गांधीनगर थाना प्रभारी धनंजय कुमार सिंह, सीसीएल बीएंडके के सुरक्षा अधिकारी डी मांझी, कथारा क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

सीसीएल अनुदानित विद्यालयों की मांगों को लेकर अध्यक्ष ने पूर्व विधायक से की भेंट

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। कोयला खदान शिक्षक मोर्चा के अध्यक्ष प्यारेलाल यादव के नेतृत्व में गोमिया के पूर्व विधायक डॉक्टर लंबोदर महतो के आवास में बुधवार को भेंट कर पिछले वर्ष सीसीएल अनुदानित विद्यालयों केभुगतान के लिए बधाई दिए एवं सीसीएल अनुदानित विद्यालयों के मुख्य 6 बिंदुओं को रखा इस पर लंबोदर महतो ने अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि आप लोगों की मांग जायज है इस पर 28 मई को सीआईएल के चेयरमैन पीएम प्रसाद से भेंट कर सीसीएल अनुदानित विद्यालयों के कोयला खदान शिक्षक मोर्चा के अध्यक्ष प्यारेलाल यादव के द्वारा दिए गए मुख्य छह बिंदुओं पर चर्चा करने की बातें भी कहीं एवं सीसीएल के सीएमडी से जून माह में समय लेकर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के साथ एवं एक दो शिक्षकों के साथ आपकी तमाम मांगों को विचार विमर्श कर पूरा करने का भरोसा दिलाया।

मौके पर साजेश कुमार अशोक कुमार पांडे, तीजन करमाली, अंबिका सिंह, परमबंदा कुमारी, महता सर, पूर्व विधायक के निजी सहायक विपिन कुमार मीडिया से एसपी सक्सेना भी मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

कान्स में रेड कार्पेट पर उर्वशी रौतेला का जलवा

कान्स (फ्रांस)। 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन मंगलवार को अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने मल्टीकलर गाउन, डायमंड क्राउन और क्रिस्टल पैरेट क्लच के साथ शानदार एंट्री दर्ज कराई। उन्होंने जूडिथ लीबर का लगभग पांच हजार डॉलर (करीब 4.2 लाख रुपये) की कीमत वाला पैरेट क्लच कैरी किया।

छत्तीसगढ़ में 31 कुख्यात नक्सली ढेर

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ में दक्षिणी बस्तर अंचल में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा क्षेत्र में बीते 21 दिनों तक चले नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों द्वारा 31 कुख्यात नक्सली मारे गये हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को एक्स पर कहा कि नक्सल मुक्त भारत के संकल्प में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रगुट्टालु पहाड़ पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया।

सुकमा में जवान ने गोली मार की सुसाइड

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा में पदस्थ एक गोपनीय सैनिक सोढ़ी सोमरा ने बुधवार को अपने सर्विस रायफल से खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार सुकमा में पदस्थ गोपनीय सैनिक सोमरा जो भेज्जी थाना ग्राम इरावती का रहने वाला है, गंभीर रूप से घायल होने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया।

यूपी के दो एक्सप्रेसवे पर ई-वे हब बनेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्वांचल व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर कुल 12 ई-वे हब के निर्माण व विकास का विस्तृत खाका तैयार किया है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने मास्टर प्लान तैयार किया है। इसके जरिए दोनों ही एक्सप्रेसवे पर उत्तम यात्री सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ई-वे हब के निर्माण व विकास का बल मिलेगा।

ट्रंप के खुलासे पर मोदी क्यों हैं मौन : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खुलासे के बाद भी आम तौर पर मुखर रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर का अमेरिका के दबाव के सामने चुप्पी साधना हैरान करता है। कांग्रेस ने कहा कि ट्रंप ने खुलासा किया है कि उन्होंने प्रतिबंधों और व्यापारिक सौदों के लालच और धमकी का इस्तेमाल करके भारत को पाक के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए ब्लैकमेल कर मजबूर किया है।

वैष्णो देवी के लिए शुरू हुयी हेलीकॉप्टर सेवा

कटरा। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य गतिरोध से एक सप्ताह तक निलंबित रहने के बाद जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के लिए हेलीकॉप्टर सेवा बुधवार को फिर से शुरू हो गई है। मंदिर बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले सात दिनों तक निलंबित रहने के बाद माता वैष्णो देवी मंदिर में हेलीकॉप्टर सेवा सुबह फिर से शुरू हो गई।

ड्रोनों के झुंड को पलभर में तबाह करेगा भार्गवास्त्र

एजेंसी

▸▸ हार्ड-किल काउंटर-स्वॉर्म ड्रोन सिस्टम भार्गवास्त्र का ओडिशा के चांदीपुर में प्रक्षेपण हुआ सफल

▸▸ 2.5 किमी तक की दूरी पर छोटे और तेज गति से उड़ने वाले ड्रोन को पहचानकर नष्ट कर सकता है भार्गवास्त्र

नयी दिल्ली। भारत ने ड्रोन हमलों के खिलाफ अपनी क्षमताओं को और मजबूत करते हुए अत्याधुनिक, कम लागत वाले हार्ड-किल काउंटर-स्वॉर्म ड्रोन सिस्टम भार्गवास्त्र का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण बुधवार को ओडिशा के गोपालपुर स्थित सीवर्ड फायरिंग रेंज में किया गया। यह सिस्टम स्वदेशी रूप से सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) द्वारा विकसित किया गया है और इसे भारत की रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, खासकर यह ड्रोन स्वॉर्म (झुंड) जैसे खतरों को निष्क्रिय करने में काफी कारगर है। परीक्षण के दौरान सिस्टम के माइक्रो रॉकेट्स ने सभी प्रदर्शन मानकों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। 13 मई को तीन अलग-अलग परीक्षण किए गए, जिनमें दो व्यक्तिगत रॉकेट दागे गए और एक साल्वो मोड में, जहां दो रॉकेट केवल दो सेकंड के अंतर में दागे गए। सभी रॉकेट्स ने तय लॉन्च मापदंडों को पूरा किया। भार्गवास्त्र 2.5 किमी तक की दूरी पर छोटे और तेज गति से उड़ने वाले ड्रोन को पहचानकर उन्हें नष्ट कर सकता है। इसका पहला रक्षा स्तर बिना दिशा-निर्देशन वाले माइक्रो रॉकेट्स पर आधारित है, जो 20 मीटर के घातक दायरे में कई ड्रोन को खत्म कर सकते हैं।

दूसरा स्तर गाइडेड माइक्रो मिसाइल पर आधारित है, जो सटीकता के साथ लक्ष्यों पर वार करती है। यह प्रणाली ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों (5,000 मीटर से अधिक ऊंचाई) में भी प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम है। इसका डिजाइन मॉड्यूलर है, जिसमें सॉफ्ट-किल तकनीकों जैसे जैमिंग और स्पूफिंग को भी शामिल किया जा सकता है। यह भारत की मौजूदा नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर प्रणाली से भी पूरी तरह लैस है। इसमें उन्नत सी4आई (कमांड, कंट्रोल, कम्युनिकेशन्स, कंप्यूटर एंड इंटेलिजेंस) तकनीकें शामिल हैं। रडार 6 से 10 किमी तक की दूरी पर सूक्ष्म हवाई खतरों का पता लगाने में सक्षम हैं। एसडीएएल ने इसे पूरी तरह स्वदेशी तकनीक बताया है, जिसमें रॉकेट और माइक्रो-मिसाइल दोनों का विकास देश में ही किया गया है। कंपनी का कहना कि दुनियाभर में जहां कई देश ऐसी तकनीकें विकसित कर रहे हैं, वहीं 'भार्गवास्त्र' जैसी लागत-कुशल और मल्टी-लेयर्ड प्रणाली अभी तक कहीं भी तैनात नहीं की गई है।

यह परीक्षण न केवल मेक इन इंडिया पहल के तहत एक और मील का पत्थर है, बल्कि देश की हवाई सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

उत्तर प्रदेश के जेवर में लगेगा देश का छठा सेमीकंडक्टर प्लांट

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में एक और सेमीकंडक्टर यूनिट की स्थापना को मंजूरी दी है। इस यूनिट की स्थापना से देश में सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश का छठा सेमीकंडर प्लांट स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि यह यूनिट एचसीएल और फॉक्सकॉन्ग का संयुक्त उपक्रम है। इसे यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास स्थापित किया जाएगा।

भारत की तरफ अंगुली उठाने वालों के जनाजे में रोने वाले भी नहीं होंगे

भारत के जवानों ने पाकिस्तान के हौसले किए पस्त : योगी

खबर मन्त्र संवाददाता

▸▸ दुनिया ने पाकिस्तान व उसके आकाओं के बेशर्मी भरे उस चेहरे को भी देखा, आतंकियों के जनाजे में वहां के नेता व सैन्य अफसर भी हुये शामिल

▸▸ आतंकवाद के पालने-पोसने वाले और उनके परिवार से जुड़े लोगों को भारतीय सेना ने वीभत्स कृत्य की सजा दी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि यह तय है कि भारत की तरफ जो भी उंगली उठाएगा और बहन-बेटियों के सम्मान के विरुद्ध सुरक्षा में सेंध लगाने का कार्य करेगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला भी नहीं मिलेगा। लखनऊ में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को लेकर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के जवानों ने पाकिस्तान के हौसले पस्त किए। दुनिया ने पाकिस्तान व उसके आकाओं के बेशर्मी भरे उस चेहरे को भी देखा, जिसमें आतंकियों के जनाजे में वहां के नेता व सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। योगी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सेना के शौर्य को सलामी देने के लिए अपने सरकारी आवास से तिरंगा यात्रा को रवाना किया।

हाथ में तिरंगा लेकर मुख्यमंत्री ने यात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जवानों, पूर्व सैनिकों, नौजवानों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को सलाम करते हुए बहादुर जवानों का अभिनंदन करने के लिए उतावला दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान विफल राष्ट्र है और 70-75 वर्षों में उसने केवल आतंकवाद के बीज बोए हैं। पाकिस्तान ने अपनी विफलता की कहानी ही दुनिया को बताई है। आतंकवाद को दिए जा रहे प्रश्रय इस बात को साबित करते हैं कि आतंकवाद एक दिन पाकिस्तान को भी निगल देगा। खोखला हो चुका पाकिस्तान आज जिस प्रकार का दुस्साहस कर रहा है, ऑपरेशन सिंदूर उसका जवाब था। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह तय है कि भारत की तरफ जो भी उंगली उठाएगा और बहन-बेटियों के सम्मान के विरुद्ध सुरक्षा में सेंध लगाने का कार्य करेगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला भी नहीं मिलेगा। भारत की आन-मान-शान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने सारे प्रमाण दिए, उसके बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो अंततः ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। उन्होंने कहा कि पहले ही दिन 100 से अधिक आतंकवादियों व प्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद के विषबेल को पालने-पोसने में योगदान देने वाले उनके परिवार से जुड़े लोगों को वीभत्स कृत्य की सजा दी गई। सभी ने भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्य का लोहा माना।

लखनऊ में शौर्य तिरंगा यात्रा में भाग लेते सीएम योगी व अन्य।

भारत में ग्लोबल टाइम्स व सिन्हुआ का अकाउंट ब्लॉक

नयी दिल्ली। भारत सरकार ने बुधवार को चीन के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक और डिजिटल कदम उठाया। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और पाकिस्तानी दुष्प्रचार फैलाने के आरोप में चीन के सरकारी मीडिया आउटलेट्स ग्लोबल टाइम्स और सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के एक्स अकाउंट को भारत सरकार ने ब्लॉक कर दिया है। भारत सरकार ने चीन की सरकारी मीडिया एक्स हैंडल को ब्लॉक करने का फैसला ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ चलाई जा रही गलत और फर्जी खबरों को बढ़ावा देने की वजह से लिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था की चिंताओं का हवाला देते हुए यह कदम उठाया। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े ग्लोबल टाइम्स और सिन्हुआ दोनों ही झूठी खबरों और पाकिस्तान के फर्जी दावों को बढ़ावा दे रहे थे। इसमें बहावलपुर के पास एक भारतीय राफेल लड़ाकू विमान को गिराए जाने को लेकर गलत सूचना भी शामिल थी। ब्लॉक करने से पहले चीन में भारतीय दूतावास ने ग्लोबल टाइम्स को एक्स पर एक सख्त चेतावनी जारी की थी।

जम्मू-कश्मीर में बिहार के दो जवान हुये शहीद

कुछ महीने रांची में पदस्थापित नालंदा के बीएसएफ जवान सिकंदर राउत कुपवाड़ा में पाक की गोलीबारी में शहीद हो गये

पटना। बिहार के दो जवान जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए। नालंदा जिले के उतरथु गांव निवासी बीएसएफ जवान सिकंदर राउत जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा सेक्टर में पाकिस्तान की गोलीबारी में शहीद हो गए। सिकंदर राउत कुछ महीने पहले तक रांची में पदस्थापित थे। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए उन्हें कुपवाड़ा बुलाया गया। वहां तैनाती के दौरान एक आतंकी मुठभेड़ में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई और देश ने एक और जांबाज सपूत को खो दिया। सिकंदर राउत के शहादत की खबर उनकी पत्नी को मोबाइल फोन पर एसएमएस के जरिए मिली। शहीद सिकंदर राउत के चचेरे भाई रामरतन राउत ने बताया कि सिकंदर को कुछ महीने पहले ही रांची से कुपवाड़ा भेजा गया था। वे हमेशा देश सेवा के लिए तत्पर रहते थे लेकिन इस बार उनकी वापसी शव के रूप में हो रही है। सिकंदर राउत का पार्थिव शरीर 15 मई को गांव लाया जाएगा, जहां उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

वहीं नवादा जिले के रूपौ थाना अंतर्गत पांडेयगोंट गांव निवासी

कारगिल में नवादा के मनीष की ड्यूटी के दौरान हुयी मौत

अशोक राम के पुत्र व भारतीय सेना के जवान मनीष कुमार ड्यूटी के दौरान बुधवार को शहीद हो गए। वे लगभग 22 वर्ष के थे। उनके निधन की दुःखद खबर के बाद उनके गांव एवं प्रखंड में गहरा शोक है। शहीद जवान मनीष कुमार के पिता अशोक राम, माता सुशीला देवी, पत्नी सहित अन्य परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। हालांकि उन्हें अपने बेटे पर गर्व भी है। जानकारी के अनुसार मृतक मनीष कुमार जम्मू कश्मीर के कारगिल में पदस्थापित थे एवं ड्यूटी के दौरान ही बुधवार को उनकी मौत हो गई। फिलहाल उनके निधन के ठोस कारणों का पता नहीं चल पा रहा है। घटना की सूचना ड्यूटी स्थल से मृतक के घरवालों को फोन के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसके बाद इलाके में माहौल गमगीन हो गया।

राष्ट्रपति ने की ऑपरेशन सिंदूर में सेनाओं की वीरता की सराहना

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सीमापार से संचालित आतंकवाद के खिलाफ चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओं की वीरता, समर्पण और सफलता की सराहना की है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने बुधवार को यहां एक साथ श्रीमती मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के विषय में जानकारी दी। राष्ट्रपति तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर हैं। जनरल चौहान के साथ थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह तथा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने राष्ट्रपति को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ की गयी कार्रवाई की जानकारी दी।

ऑपरेशन सिंदूर : वीर सैनिकों के सम्मान में जगमग हुए देशभर के सभी रेलवे स्टेशन

खबर मन्त्र संवाददाता

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और पराक्रम के सम्मान में देश भर के रेलवे स्टेशन जगमगा उठे। भारतीय रेल ने वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह अनूठा आयोजन किया। इस मौके पर कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक के रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रभक्ति का अलग जोश देखने को मिला। इस दौरान तिरंगे की रोशनी में नहाए रेलवे परिसर देशभक्ति के गीतों से गूंज उठे। वहीं स्टेशनों पर लगी स्क्रीनों पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े विजुअल्स ने यात्रियों को राष्ट्र प्रेम की भावनाओं से भर दिया। इस ऑपरेशन की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेल ने देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसने देशवासियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्रप्रेम और सेना के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया। इसके अलावा भारतीय रेल ने तिरंगा यात्रा के साथ तमाम स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जनमानस तक पहुंचाया। रेल की इस पहल ने न केवल सेना के रणबांकुरों का अभिनंदन किया, बल्कि आम जनता को भी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा से जोड़ा। यह आयोजन दर्शाता है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद न्याय की अखंड प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर सेना की वह गौरव गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा।

प्रधानमंत्री 30 मई को आयेंगे बिहार

▸▸ पटना- सासाराम, वाराणसी-रांची फोरलेन, नवीनगर पावर प्लांट और बिहटा एयरपोर्ट का करेंगे शिलान्यास

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 मई को बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज आएंगे। बुधवार को उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी। चौधरी ने बताया कि मोदी पटना-सासाराम फोरलेन परियोजना की नींव रखेंगे। इसके अलावा वाराणसी -रांची फोरलेन, नवीनगर पावर प्लांट व बिहटा एयरपोर्ट के विस्तारीकरण का करेंगे शिलान्यास।

खुदरा व थोक महंगाई घटने से चढ़ा शेयर बाजार

सेंसेक्स 182 और निफ्टी 89 अंक उछला

एजेंसी

▸▸ 4125 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, 2855 में लिवाली, 1121 में बिकवाली और 149 में कोई बदलाव नहीं हुआ

मुंबई। देश में इस वर्ष अप्रैल में खुदरा और थोक महंगाई घटने से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों में और कटौती करने की उम्मीद बढ़ने से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 182.34 अंक छलांग लगाकर 81,330.56 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 88.55 अंक की बढ़ोतरी लेकर 24666.90 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 1.19 प्रतिशत उछलकर 44,327.28 अंक और स्मॉलकैप 1.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 49,978.95 अंक हो गया। बीएसई में कुल 4125 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2855 में लिवाली जबकि 1121 में बिकवाली हुई वहीं 149 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए कुल 2960 कंपनियों के शेयर रखे गए। इनमें से 2183 तेजी जबकि 694 गिरावट रही वहीं 83 के भाव स्थिर रहे। अनाज और शाक-सब्जियों की कीमतों में नरमी के कारण भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई इस वर्ष अप्रैल में गिरकर 3.16 प्रतिशत पर आ गयी। इससे पिछले महीने मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 3.34 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल में 4.83 प्रतिशत रही थी। इसी तरह खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट और ईंधन की दरों में नरमी से अप्रैल में देश की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई मार्च के 2.05 प्रतिशत घटकर तेरह माह के निचले स्तर 0.85 पर आ गई। निवेशकों को महंगाई में गिरावट से आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में ब्याज दरों में कटौती किए जाने की उम्मीद बढ़ गई है। बैंकिंग की 0.34 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य 20 समूहों में लिवाली का जोर रहा। इस दौरान धातु 2.46, कमोडिटीज 1.49, सीडी 0.77, ऊर्जा 1.23, एफएमसीजी 0.16, वित्तीय सेवाएं 0.10, हेल्थकेयर 0.63, इंडस्ट्रियल्स 1.73, आईटी 1.37, दूरसंचार 1.14, यूटिलिटीज 0.19, ऑटो 0.86, कैपिटल गुड्स 1.49, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.16, तेल एवं गैस 1.46, पावर 0.73, रियल्टी 1.71, टेक 1.20, सर्विसेज 0.37 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 1.38 प्रतिशत उछल गए।

विश्व बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.53, जर्मनी का डैक्स 0.49 और जापान का निक्केई 0.14 प्रतिशत लुढ़क गया। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग 2.30 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.86 प्रतिशत चढ़ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 130 अंक की तेजी के साथ 81,278.49 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 81,691.87 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से यह दोपहर तक 80,910.03 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। पिछले दिवस के 81,148.22 अंक के मुकाबले 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,330.56 अंक पर पहुंच गया।